हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • सोमवार • 08.06.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 311 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

मोहन भागवत चार दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे

पटना : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत रविवार को अपने चार दिवसीय दौरे पर बिहार पहुंचे। पटना हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद वे सीधे मुंगेर के लिए रवाना हो गए, जहां वे पुरानीगंज स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में चल रहे कार्यकर्ता विकास वर्ग में शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण वर्ग में बिहार और झारखंड के 128 शिक्षार्थी हिस्सा ले रहे हैं। डॉ. भागवत तीन दिनों तक मुंगेर में रहकर कार्यकताओं का मार्गदर्शन करेंगे और 10 जून को अपनी यात्रा समाप्त कर वापस लौटेंगे।

तलाशी अभियान के दौरान सेना के अधिकारी का निधन

राजौरी : राजौरी जिले की मंजाकोट तहसील के डोरी माल जंगल क्षेत्र में चल रहे तलाशी अभियान के दौरान भारतीय सेना के एक अधिकारी का निधन हो गया। मृत अधिकारी सेना की असम यूनिट से संबंधित बताए जा रहे हैं। घटना के बाद सेना और प्रशासनिक अधिकारियों में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार डोरी माल के जंगलों में पिछले कई दिनों से सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। सुरक्षा बल क्षेत्र में संभावित आतंकी गतिविधियों के मद्देनजर व्यापक स्तर पर तलाशी अभियान चला रहे हैं। सेना के कैप्टन बीरेश्वर गोस्वामी भी इस अभियान का हिस्सा थे और अपनी टीम के साथ क्षेत्र में तैनात थे। इसी अभियान के दौरान शनिवार को अचानक उनकी तबीयत किसी कारणवश बिगड़ गई।

मणिपुर में दो उग्रवादी व दो शराब तस्कर गिरफ्तार

इंफाल : मणिपुर में शांति व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस एवं सुरक्षा बल लगातार उग्रवादियों, मादक पदार्थ तस्करों के खिखाफ अभियान चला रहे हैं। इस दौरान आए दिन हथियारों की बरामदगी तथा गिरफ्तारी का सिलसिला जारी है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा रविवार को दी गयी जानकारी के अनुसार, शनिवार को मणिपुर पुलिस ने इंफाल ईस्ट जिले के हिंगांग थानांतर्गत फिजाम लेइराक से दो लोगों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में शराब बरामद किया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान हिजाम ओंगबी टोम्बी (48) और हिजाम मंगल (24) के रूप में की गयी है। दोनों सेकमाई बाजार के रहने वाले हैं।

झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए छह दावेदार, मुकाबला हुआ दिलचस्प

महागठबंधन के साथ बीजेपी नेता भी मैदान में, दो निर्दलीय भी दावेदार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए होने वाला आगामी चुनाव अब बेहद दिलचस्प और सियासी शतरंज का मुकाबला बनता जा रहा है। शनिवार तक कुल छह प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र (पर्चा) खरीदा है, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है।

गठबंधन सरकार की ओर से झामुमो ने पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम को अपना उम्मीदवार घोषित किया है, वहीं कांग्रेस की ओर से प्रणव झा मैदान में हैं। दूसरी तरफ, भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने भी नामांकन पत्र खरीदा है, हालांकि भाजपा ने अभी तक अपने आधिकारिक उम्मीदवार के नाम का एलान नहीं किया है।

राज्यसभा चुनाव में किसी भी निर्दलीय उम्मीदवार को 10 प्रस्तावकों की जरूरत होती है। सोमवार (8 जून) को नामांकन दाखिल होने के साथ ही साफ हो जाएगा कि इन निर्दलीय दिग्गजों को झारखंड के किस दल या विधायकों का अंदरूनी भरोसा हासिल है।

कोई दिक्कत नहीं, दोनों सीटें जीतेंगे : भूपेश बघेल

झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी गतिविधियां चरम पर हैं। उम्मीदवारों के नामांकन से पहले महागठबंधन ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में कांग्रेस के राज्यसभा चुनाव पर्यवेक्षक और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से बातचीत करते हुए साफ कहा कि महागठबंधन पूरी तरह एकजुट है और चुनाव में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा, कहीं कोई दिक्कत नहीं है। महागठबंधन के दोनों उम्मीदवार जीतेंगे। भूपेश बघेल ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महागठबंधन के सभी दलों के विधायकों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया है। इसके अलावा झामुमो और कांग्रेस के उम्मीदवार सोमवार को संयुक्त रूप से नामांकन दाखिल करेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गठबंधन के भीतर सभी मुद्दों पर सहमति बन चुकी है।

दो निर्दलीयों की एंट्री से बढ़ा सस्पेंस

परिमल नथवानी: दो बार झारखंड से राज्यसभा सांसद रह चुके नथवानी ने फिर से निर्दलीय पर्चा खरीदा है। चर्चा है कि वे पुख्ता समीकरण के बाद ही मैदान में उतरे हैं।

वी. विजयसाई रेड्डी: आंध्र प्रदेश की राजनीति का बड़ा चेहरा और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पूर्व सांसद विजयसाई रेड्डी ने भी झारखंड से निर्दलीय नामांकन पत्र खरीद कर सबको चौंका दिया है।

इनके अलावा रवि कुमार यादव उर्फ रवि पीटर भी पहले ही फॉर्म खरीद चुके हैं।

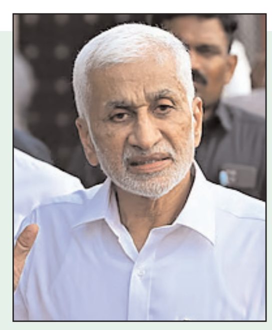

राष्ट्र प्रथम के मंत्र के साथ नितिन नवीन ने दिया 2029 का लक्ष्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने झारखंड भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का मंत्र देते हुए वर्ष 2029 के लक्ष्य को लेकर अभी से तैयारी शुरू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश टीम का गठन आगामी राजनीतिक चुनौतियों और वर्ष 2029 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर किया गया है तथा यही टीम भविष्य के चुनावी अभियान का नेतृत्व करेगी।

नितिन नवीन रविवार को अपने दो दिवसीय झारखंड प्रवास के दूसरे और अंतिम दिन प्रदेश कार्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रदेश मीडिया टीम, प्रवक्ता, सोशल मीडिया और आईटी सेल के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी के महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और वंदे मातरम के साथ हुई। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा झारखंड का मजबूत राजनीतिक आधार रही है और भविष्य में भी रहेगी। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बावजूद जनता के बीच भाजपा के प्रति विश्वास और समर्थन कायम है। उन्होंने स्वीकार किया कि पार्टी जनता का भरोसा पूरी तरह जीतने में सफल नहीं रही, लेकिन अब निराशा को आशा में बदलने और संगठन को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का समय है।

नितिन नवीन ने कार्यकताओं से बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और जनता के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है, जिसके करोड़ों सदस्य और लाखों सक्रिय कार्यकर्ता हैं। ऐसे में संगठन की ताकत को और प्रभावी बनाने के लिए कार्यकर्ता और कार्यक्रम दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

शांति समझौते से पहले नहीं हटेंगे ईरान पर प्रतिबंध, अमेरिकी सैनिक भी रहेंगे तैनात : ट्रंप

एजेंसी

न्यू जर्सी : मेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि ईरान के साथ किसी भी संभावित शांति समझौते से पहले अमेरिका न तो तेहरान की फ्रीज की हुई संपत्ति जारी करेगा और न ही उस पर लगाए गए प्रतिबंधों में कोई राहत देगा। उन्होंने कहा कि किसी समझौते के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद ही ऐसे कदमों पर विचार किया जा सकता है।

एक टेलीविजन साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि यदि ईरान सकारात्मक रवैया अपनाता है और समझौते की दिशा में आगे बढ़ता है, तभी आगे की बातचीत और संभावित रियायतों का रास्ता खुलेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी अल्पकालिक समझौते के लिए लेबनान को अनिवार्य शर्त के रूप में शामिल नहीं कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन पिछले कई सप्ताह से ईरान के साथ संभावित शांति व्यवस्था पर बातचीत की कोशिश कर रहा है। हालांकि राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि कूटनीतिक प्रयासों के साथ-साथ सैन्य विकल्प भी अमेरिकी रणनीति का हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि समझौते की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन जरूरत पड़ने पर अमेरिका कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

सेप्टिक टैंक साफ करने उतरे चार मजदूरों की मौत

गुजरात : गुजरात के सूरत से एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां अश्विनी कुमार इलाके में स्थित एक आभूषण बनाने वाली फैक्ट्री के सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस की चपेट में आने से चार मजदूरों की मौत हो गई। शुरूआती जांच के मुताबिक, इस टैंक का इस्तेमाल गहनों को साफ करने के बाद निकलने वाले कचरे को जमा करने के लिए किया जाता था और हर दो महीने में इसकी सफाई होती थी। रविवार सुबह जब चारों मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के टैंक के भीतर दाखिल हुए, तो वहां बनी जहरीली गैस के कारण उनका दम घुट गया।

महंगाई की चौतरफा मार : एलपीजी सिलेंडर फिर महंगा

झारखंड में हजार के करीब पहुंची कीमत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती ऊर्जा कीमतों और मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण आम जनता की रसोई का बजट एक बार फिर बिगड़ गया है। देश में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 29 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। इस वृद्धि के बाद झारखंड में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर अब 999.50 रुपये में मिलेगा, जो पहले 970.50 रुपये का था। यह पिछले तीन महीनों के भीतर उपभोक्ताओं पर दूसरी बड़ी मार है क्योंकि इससे पहले बीते 7 मार्च को भी घरेलू रसोई गैस के दामों में 60 रुपये की भारी वृद्धि की गई थी।

राहत की बात यह है कि सरकार ने देश में ईंधन की आपूर्ति को लेकर किसी भी तरह की किल्लत से साफ इनकार किया है। मंत्रालय के अनुसार, देश के सभी रिफाइनरी प्लांट अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं और एलपीजी, पेट्रोल व डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। इसके अलावा, गैस वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और कालाबाजारी रोकने के लिए डिजिटल निगरानी और डीएसी कोड जैसी प्रणालियों को और मजबूत किया जा रहा है ताकि फर्जी बुकिंग पर लगाम कसी जा सके।

राज्य के प्रमुख शहरों पर असर

लगातार हो रही इस बढ़ोतरी से राज्य के अधिकांश जिलों में सिलेंडर की कीमत लगभग 1000 रुपये के आंकड़े को छू चुकी है। हालांकि, स्थानीय करों और परिवहन लागत के चलते अलग-अलग जिलों के दामों में आंशिक अंतर देखने को मिल सकता है, लेकिन रांची, जमशेदपुर, धनबाद और बोकारो जैसे प्रमुख शहरों के उपभोक्ताओं को अब अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी होगी। इस ताजा बढ़ोतरी ने मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों के मासिक बजट के सामने एक नई चुनौती खड़ी कर दी है।

कंपनियों के घाटे और सरकार का तर्क

इस मामले पर पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने स्पष्ट किया कि वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन पर भारी दबाव होने के बावजूद सरकार और तेल कंपनियां उपभोक्ताओं पर पूरा बोझ नहीं डाल रही हैं। उन्होंने बताया कि मौजूदा दरों पर भी सरकारी तेल विपणन कंपनियों को प्रति सिलेंडर लगभग 700 रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार के वास्तविक दामों का पूरा असर उपभोक्ताओं पर डाला जाए, तो घरेलू गैस की कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं।

मतभेदों के बीच दिल्ली में आज जुटेगा 'इंडिया' गठबंधन

एजेंसी

नयी दिल्ली : देश के मुख्य विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) की कल राजधानी दिल्ली में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा खड़ा करने के उद्देश्य से बुलाई गई इस बैठक में कांग्रेस सहित करीब 23 राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद देश के राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव आया है। पूर्व में इस गठबंधन को मुख्य रूप से कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के अलग-अलग धड़ों के रूप में देखा जा रहा था। पिछले दो वर्षों के दौरान पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, दिल्ली में आम आदमी पार्टी और दक्षिण में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) जैसी मजबूत क्षेत्रीय शक्तियों को अपने गढ़ों में पराजय का सामना करना पड़ा है। ऐसे बदले हुए हालातों में कांग्रेस पार्टी एक बार फिर इस पूरे गठबंधन का नेतृत्व करने की भूमिका में सबसे आगे नजर आ रही है।

दूसरी ओर, कांग्रेस के लिए अपने दशकों पुराने दक्षिण भारतीय सहयोगी दल द्रमुक (डीएमके) को मनाना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। द्रमुक ने कांग्रेस पर धोखे का आरोप लगाते हुए इस बैठक से दूरी बना ली है, जिसे गठबंधन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। वहीं, वामपंथी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) ने भी शुरूआत में नाराजगी जताई थी, लेकिन अब उनके सांसद जॉन ब्रिटास के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

अभिषेक बनर्जी के साथ दिल्ली पहुंची ममता

इस बैठक का सबसे मुख्य आकर्षण पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मौजूदगी होगी, जो अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के साथ इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली पहुंच चुकी हैं। राज्य की सत्ता गंवाने के बाद ममता बनर्जी लगातार विपक्षी एकजुटता की वकालत कर रही हैं।

मतभेदों को पाटने और एकजुटता दिखाने की चुनौती

इस महाबैठक से पहले कांग्रेस पार्टी के कंधों पर सभी सहयोगी दलों के बीच आम सहमति बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर इस बैठक की रूपरेखा साझा करते हुए स्पष्ट किया कि 'इंडिया' जनबंधन पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने देश की विविधता का हवाला देते हुए कहा कि वैचारिक मतभेदों के बावजूद यह गठबंधन अपनी एकता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, कुछ दल व्यक्तिगत कारणों से इस बैठक में भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं, लेकिन वे वर्तमान सरकार की नीतियों के खिलाफ गठबंधन की चिंताओं और विचारों का पूरी तरह समर्थन करते हैं।

प्रधानमंत्री ने अभिनेता सलीम कुमार के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अभिनेता सलीम कुमार के निधन पर गहरा शोक जताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, दिग्गज अभिनेता सलीम कुमार के निधन से मैं अत्यंत व्यथित हूं। अपने विशिष्ट करियर के दौरान, उन्होंने विभिन्न भूमिकाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और यादगार प्रदर्शनों से अमिट छाप छोड़ी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति!

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता सलीम कुमार को बुखार और सांस लेने में तकलीफ के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ शनिवार रात 10:43 बजे हृदयाघात के कारण मौत हो गयी।वह 56 साल के थे। प्रशंसकों ने 'आदमिंते मकान अबू' और 'पुलिवल कल्याणम' जैसी 300 से अधिक फिल्मों में उनकी यादगार भूमिकाओं को याद किया। उनके परिवार में पत्नी सुनीता और तीन बच्चे हैं। केरल ने उनके अंतिम संस्कार के लिए राजकीय सम्मान प्रदान किया है।

अंसार नगर प्रीमियर लीग सीजन-2 का शानदार समापन, यासिर यूट्यूबर एंड कैफ 11 बनी चैंपियन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग शहर के अंसार नगर मैदान में आयोजित अंसार नगर प्रीमियर लीग सीजन-2 टी-10 नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का शनिवार की रात भव्य और यादगार समापन हुआ। फ्लड लाइट की जगमगाती रोशनी में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले ने क्रिकेट प्रेमियों को देर रात तक बांधे रखा। चौकों-छक्कों की बारिश, शानदार गेंदबाजी, संघर्षपूर्ण फील्डिंग और खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन से पूरा मैदान उत्साह और रोमांच से सराबोर रहा। फाइनल मुकाबला थायरोकेयर 11 और यासिर यूट्यूबर एंड कैफ 11 के बीच

खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए थायरोकेयर 11 की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 91 रन बनाए और प्रतिद्वंद्वी टीम के सामने 92 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में यासिर यूट्यूबर एंड कैफ 11 की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए मात्र एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया तथा 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज करते हुए एएनपीएल सीजन-2 का खिताब अपने नाम कर लिया। मैच के दौरान दर्शकों ने खिलाड़ियों का भरपूर उत्साहवर्धन किया। हर चौके, छक्के और विकेट पर तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा मैदान गूंजता रहा। फाइनल मुकाबले में बड़ी संख्या में मौजूद क्रिकेट प्रेमियों ने खेल का भरपूर आनंद उठाया। पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता टीम यासिर यूट्यूबर एंड कैफ 11 को 31 हजार रुपये नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी, जबकि उपविजेता थायरोकेयर 11 को 15 हजार रुपये नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। टूनार्मेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अदीब ट्रिगर को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। वहीं पूरे टूनार्मेंट में आक्रामक और शानदार बल्लेबाजी के लिए नाजिश अख्तर को बेस्ट बैट्समैन का खिताब दिया गया। नाजिश ने अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और चौकों-छक्कों की बौछार से दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके अलावा सौरभ को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बेस्ट बॉलर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फाइनल मुकाबले को खास बनाने के लिए कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह, झारखंड स्टेट पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट मासूम परवेज, अधिवक्ता नवनीश चंद्रा, अली कामरान, ताजुद्दीन, पेलावल कब्रिस्तान कमेटी के सदर मोहम्मद मुमताज, समाजसेवी हैदर अली, शाहनवाज अप्पू, अबुलैश हाशमी, सबा करीम, रूस्तम सहित कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

यक्ष्मा मुक्त अभियान 100 डेज के तहत कोनरा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बरही : प्रखंड अंतर्गत कोनरा पंचायत के थाना मोहल्ला में यक्ष्मा मुक्त अभियान 100 डेज के तहत ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जहां कुल 52 मरीजों का इलाज कर उन्हें मुफ्त दवा दी गई, इस स्वास्थ्य शिविर में 52 मरीजों का एक्सरे, 2 मरीज का बलगम एवं 44 मरीजों का एनसीडी जांच किया गया। वहीं इस स्वास्थ्य शिविर में स्थानीय मुखिया यास्मीन तबस्सुम एवं उपमुखिया प्रतिनिधि मो इजहार भी मुख्य रूप से मौजूद थे। आयुष चिकित्सक डॉ अमन प्रसाद ने मरीजों का जांच कर सभी मरीजों को आवश्यक दवाइयां प्रदान की। इस दौरान पंचायत के उपमुखिया प्रतिनिधि मो इजहार ने कहा कि नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का मुख्य उद्देश्य वंचित और जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं, दवाइयां और स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध कराना है। ये शिविर गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंदों को विशेषज्ञ डॉक्टरों तक सीधी पहुंच प्रदान करने में मदद करते है, जिसका लाभ पंचायत के लोगों को मिलता है। मौके पर सीएचओ सनोवर प्रवीण, बिजेंद्र कुमार, निशि कुमारी, तब्बसुम खातून, सबीता देवी, संयुक्ता सिन्हा, साजिया खातून, इशरत खातून, विक्रम कुमार, सिकंदर कुमार, सूरज कुमार एवं अनिता केशरी समेत कई अन्य अस्पतालकर्मी मौजूद थे।

अनियंत्रित ट्रैक्टर हादसे में युवक की मौत

चौपारण : प्रखंड के भगहर क्षेत्र में रविवार को बालू लदा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सेल्हारा गांव निवासी महाबीर भोक्ता के पुत्र अनिल भोक्ता (लगभग 18 वर्ष) के रूप में हुई है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर बुढ़ियाडाबर निवासी कैलाश यादव का बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर बालू लेकर जा रहा था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रैक्टर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे इलाके में शोक की लहर व्याप्त है। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में अवैध बालू परिवहन तथा कम उम्र के युवकों से भारी वाहन चलवाने के मुद्दे पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र की सड़कों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में बालू लदे ट्रैक्टर दौड़ते हैं, जिनमें कई वाहनों का संचालन कम उम्र के चालक करते हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी निगरानी और कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बालू परिवहन में लंबे समय से नियमों की अनदेखी हो रही है।उनका कहना है कि यदि पुलिस, परिवहन विभाग और खनन विभाग नियमित जांच अभियान चलाते, तो ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता था। लोगों ने बालू ढुलाई में लगे वाहनों, चालकों की आयु और आवश्यक दस्तावेजों की नियमित जांच की मांग की है। घटना के बाद यह सवाल भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि यदि मृतक नाबालिग था तो उसे ट्रैक्टर चलाने की अनुमति किसने दी। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ब्रह्मर्षि समाज चय परगना की बैठक संपन्न शिक्षा व संगठन मजबूती पर बनी रणनीति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : ब्रह्मर्षि समाज चय परगना कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को अध्यक्ष सुधीर सिंह की अध्यक्षता में उनके आवास पर संपन्न हुई। बैठक में समाज के संगठनात्मक सशक्तीकरण, शैक्षणिक विकास तथा सामाजिक गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। साथ ही समाज के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने समाज के बच्चों और युवाओं को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने, मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने तथा नई पीढ़ी को शिक्षा और संस्कारों से जोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज की उन्नति का आधार शिक्षा है और इसके लिए सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा। अध्यक्ष सुधीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति शिक्षा, संस्कार और संगठन की मजबूती पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मर्षि समाज हमेशा से शिक्षा को प्राथमिकता देता आया है और आगे भी समाज के प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने सभी सदस्यों से सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से चतरा जिले के बड़गांव निवासी शिक्षक अभिमन्यु कुमार सिंह को ब्रह्मर्षि समाज चय परगना का लेखापाल मनोनीत किया गया। उनके मनोनयन पर उपस्थित सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी तथा संगठन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई।

अनसार नगर प्रीमियर लीग का भव्य समापन मुन्ना सिंह ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

- युवाओं को खेल से जोड़ना समय की जरूरत नशे और गलत राह से बचाने का सशक्त माध्यम है खेल : मुन्ना सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले के पगमिल स्थित अनसार नगर (रोड नंबर-02) खेल मैदान में आयोजित अनसार नगर प्रीमियर लीग (सीजन-2) का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार देर रात उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। पूरे टूनार्मेंट के दौरान खिलाड़ियों और दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

समापन समारोह में पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। आयोजन समिति द्वारा उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में मुन्ना सिंह ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे नशा और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर आयोजित ऐसे खेल आयोजन क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ सामाजिक एकता, भाईचारे और सौहार्द को भी मजबूत करते हैं। पूरे टूनार्मेंट के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया। रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और प्रतियोगिता के अंत तक खेल प्रेमियों की उत्सुकता बनी रही। समापन समारोह में सभी टीमों के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

बैंक, बाजार और सड़क कहीं भी सुरक्षित नहीं, चौपारण में बढ़ी आपराधिक गतिविधियां

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र में बीते एक माह के दौरान ठगी, चोरी और छिनतई की लगातार सामने आ रही घटनाओं ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। बाजार, बैंक और सार्वजनिक स्थानों पर अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस से लोगों में असुरक्षा की भावना पनप रही है। हालांकि पुलिस सभी मामलों की जांच में जुटी हुई है, लेकिन अब तक किसी भी घटना का सफल उद्भेदन नहीं हो सका है और न ही किसी आरोपी की गिरफ्तारी हो पाई है। इससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। सबसे बड़ी घटना 6 मई को महराजगंज में हुई थी, जहां स्वर्ण व्यवसायी अलखदेव पोद्दार की बाइक की डिक्की से करीब 20 लाख रुपये मूल्य के जेवरात चोरी कर लिए गए थे। व्यवसायी दुकान बंद कर घर जाने की तैयारी में थे, तभी काले रंग की अपाची बाइक पर सवार युवकों ने मौका पाकर डिक्की से जेवरात की पोटली निकाल ली और फरार हो गए। दूसरी घटना इसके बाद 11 मई को चौपारण स्थित स्टेट बैंक शाखा में एक महिला ग्राहक ठगी का शिकार हो गई। महिला ने खाते से 49 हजार रुपये निकाले थे। बैंक के अंदर ही एक व्यक्ति ने पैसे गिनने में मदद करने के बहाने उसका विश्वास जीत लिया। एक नोट रंगा होने की बात कहकर महिला को काउंटर तक भेज दिया और इसी दौरान 20 हजार रुपये लेकर फरार हो गया। तीसरी घटना 20 मई को इंडसइंड बैंक के एटीएम में भी ठगी की घटना सामने आई। एटीएम से पैसे निकालने पहुंचे पूर्व सैनिक जगदीश सिंह के खाते से ठगों ने 40 हजार रुपये की अवैध निकासी कर ली। पीड़ित द्वारा इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों से की गई। चौथी घटना वहीं 4 जून को डेबो पंचायत के दर्जिचक गांव में बाइक सवार दो युवकों ने महिलाओं को सोने के गहने साफ करने का झांसा देकर उनके कानबाली और गले का हार ठग लिया। दोनों युवक महिलाओं को बातों में उलझाकर जेवर लेकर फरार हो गए। पांचवीं घटना ताजा मामला रविवार सुबह महराजगंज स्थित फहीम सैलून के समीप सामने आया। रामचक निवासी शंभु यादव दादपुर स्थित अपने ससुराल आए हुए थे और सैलून में दाढ़ी बनवाने पहुंचे थे। भीड़ अधिक होने के कारण वह दुकान के बाहर बाइक पर बैठकर मोबाइल देख रहे थे। इसी दौरान अपाची बाइक से पहुंचे दो युवकों में से एक ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली और साथी के साथ महराजगंज की ओर फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक चालक हेलमेट पहने हुए था, जबकि पीछे बैठा युवक गमछे से चेहरा ढके हुए था। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। लगातार हो रही घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों ने बाजार, बैंक एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस गश्ती बढ़ाने तथा निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की मांग की है। लोगों को उम्मीद है कि पुलिस जल्द ही इन मामलों का खुलासा कर अपराधियों को कानून के शिकंजे तक पहुंचाने में सफल होगी।

छड़वा डैम का घटता जलस्तर बना चिंता का विषय बारिश नहीं हुई तो गहरा सकता है जल संकट

हजारीबाग: हजारीबाग शहर की लाखों आबादी के लिए जीवनरेखा माने जाने वाले छड़वा डैम का जलस्तर लगातार घटता जा रहा है। डैम की वर्तमान स्थिति को देखकर शहरवासियों की चिंता बढ़ गई है। जिस डैम से पूरे शहर को पेयजल उपलब्ध कराया जाता है, वहां अब कई हिस्सों में पानी काफी पीछे हट चुका है और सूखी जमीन स्पष्ट दिखाई देने लगी है। यदि आने वाले दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो हजारीबाग को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। शनिवार को सामने आई तस्वीरों में छड़वा डैम का बड़ा हिस्सा सूखा नजर आया। जलाशय के किनारों पर पानी का स्तर काफी नीचे चला गया है, जबकि कई स्थानों पर मिट्टी और पत्थर उभर आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस वर्ष अपेक्षित वर्षा नहीं होने और लगातार बढ़ती गर्मी के कारण डैम में पानी का भंडारण तेजी से कम हुआ है। यही कारण है कि अभी मानसून की शुरूआत से पहले ही जलस्रोतों पर दबाव बढ़ गया है। छड़वा डैम हजारीबाग शहर के लिए सबसे महत्वपूर्ण जलस्रोतों में से एक है। नगर निगम और पेयजल विभाग द्वारा इसी डैम के पानी को शुद्ध कर शहर के विभिन्न मोहल्लों और वार्डों तक पहुंचाया जाता है। गर्मी के मौसम में पानी की मांग बढ़ने से डैम पर निर्भरता और अधिक हो जाती है। ऐसे में जलस्तर का लगातार गिरना प्रशासन और आम जनता दोनों के लिए चिंता का विषय बन गया है। पर्यावरणविदों का मानना है कि जल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। भूजल स्तर में गिरावट और जलाशयों के सिकुड़ने की समस्या भविष्य में और गंभीर रूप ले सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों की नियमित सफाई और जल संरक्षण के प्रभावी उपायों को अपनाकर ही ऐसी परिस्थितियों से निपटा जा सकता है। शहर के लोगों का कहना है कि यदि समय पर अच्छी बारिश नहीं हुई तो पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। कई लोगों ने प्रशासन से डैम की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने और वैकल्पिक जल व्यवस्था की तैयारी करने की मांग की है।

नशा मुक्ति केंद्र बरही में युवक की संदिग्ध मौत, केंद्र के संचालक पर हत्या का आरोप

बरही : बरही धनबाद रोड स्थित नशा मुक्ति केंद्र हजारीबाग जीवन रेहब फाउंडेशन बरही में नशा उपचार के लिए भर्ती युवक सुदेश कुमार यादव उम्र 23 वर्ष ग्राम बरसोत की संदिग्ध मौत हो गई। युवक के भाई राजेश कुमार यादव ने बरही थाना में आवेदन देकर नशा मुक्ति केंद्र के निदेशक और कर्मचारियों अपने पर भाई की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। राजेश कुमार यादव ने बताया है कि 5 जून को वह अपने भाई को नशा मुक्ति केंद्र में नशा उपचार के लिए भर्ती कराया था। 6 जून की रात 11:15 बजे नशा मुक्ति केंद्र से उसके पिता शिव सहाय यादव के पास फोन आया कि सुरेश कुमार यादव सीरियस है, उसे नशा मुक्ति केंद्र से अनुमंडलीय अस्पताल बरही लाया गया है। उसके पिता को बरही अनुमंडलीय अस्पताल बुलाया गया। उसके पिता ने राजेश कुमार यादव को फोन से इसकी जानकारी दी। अगले दिन रविवार 7 जून को वह बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचा। वहां देखा कि उसका भाई सुरेश कुमार यादव अस्पताल के स्ट्रेचर पर मृत पड़ा है। उसके भाई के गर्दन की तरफ चोट के निशान है। वहां पर नशा मुक्ति केंद्र का कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। उसके बाद बरही अनुमंडलीय अस्पताल के सामने स्थित नशा मुक्ति केंद्र गया। केंद्र के बाहर खड़ा होकर मेन गेट खुलवाने के लिए आवाज लगाई लेकिन किसी कर्मचारी ने में गेट नहीं खोला। राजेश कुमार यादव ने आरोप लगाया है कि नशा मुक्ति केंद्र के डायरेक्टर और कर्मचारियों ने मिलकर उसके भाई सुरेश कुमार यादव की हत्या कर दी और बचने के लिए उसके भाई के शव को बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले गए।

आवास योजना के लंबित मामलों पर बीडीओ नितेश भास्कर सख्त, एक सप्ताह का अल्टीमेटम

आवास योजना की राशि लेकर काम नहीं शुरू करने वालों से होगी रिकवरी, दर्ज होगी प्राथमिकी : बीडीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) नितेश भास्कर ने आवास योजना के लाभुकों को चेतावनी देते हुए कहा है कि जिन लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना, आंबेडकर आवास योजना अथवा अबुआ आवास योजना के तहत प्रथम किस्त की राशि प्राप्त हो चुकी है, लेकिन उन्होंने अब तक आवास निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।बीडीओ ने बताया कि चौपारण प्रखंड की सभी 26 पंचायतों में ऐसे लाभुक चिन्हित किए जा रहे हैं, जिन्हें पहली किस्त मिलने के बावजूद छह माह से लेकर एक वर्ष तक का समय बीत जाने के बाद भी आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। ऐसे लाभुकों को प्रखंड कार्यालय की ओर से नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर निर्माण कार्य शुरू करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से भगहर, पड़रिया, चौपारण, पाण्डेयबारा, मानगढ़ और देहर पंचायतों में भुगतान होने के बावजूद कई आवास निर्माण कार्य लंबित हैं। यदि नोटिस के बाद भी लाभुक निर्माण कार्य शुरू नहीं करते हैं तो उनसे राशि की रिकवरी की जाएगी। इसके बाद भी निर्देशों का पालन नहीं होने पर संबंधित लाभुकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बीडीओ ने स्पष्ट किया कि ऐसे लाभुकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को भविष्य में किसी भी सरकारी कल्याणकारी योजना अथवा आवास योजना का लाभ नहीं मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई राशि का सदुपयोग करते हुए लाभुक जल्द से जल्द अपना आवास निर्माण पूरा करें, ताकि दूसरी एवं तीसरी किस्त की राशि भी समय पर जारी की जा सके। इस अवसर पर उन्होंने आवास योजना के नए लाभुकों की स्थिति की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सर्वेक्षण कार्य पूरा हो चुका है तथा पंचायतवार सूची पंचायत सचिवों एवं मुखियाओं को उपलब्ध करा दी गई है। ग्राम सभा को सूची के सत्यापन एवं अनुमोदन का अधिकार दिया गया है। यदि सत्यापन के दौरान कोई लाभुक अयोग्य पाया जाता है तो ग्राम सभा की कार्यवाही में दर्ज कर उसका नाम प्रतीक्षा सूची से हटाया जाएगा।बीडीओ ने बताया कि ग्राम सभा से अनुमोदित सूची प्राप्त होने के बाद उसे उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा। इसके उपरांत अंतिम प्रतीक्षा सूची जारी की जाएगी तथा लक्ष्य प्राप्त होते ही पात्र लाभुकों के पंजीकरण और आवास स्वीकृति की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

दुधपनियां के 50 वर्षीय महिला लापता, गुमशुदगी को लेकर थाना में आवेदन

बरही : थाना क्षेत्र के करियातपुर पंचायत के दुधपनियां गांव के एक 50 वर्षीय महिला के गुम होने को लेकर पति ने बरही थाना में सन्हा दर्ज करने के लिए आवेदन दिया।इस सम्बंध में गुमशुदा महिला के पति जागेश्वर राणा ने बताया कि मेरी पत्नी पोखनी देवी उम्र 50 वर्ष 5 जून को सुबह करीब 10 बजे बरकट्ठा थाना क्षेत्र के गयपहाड़ी गांव अपने नैहर जाने के लिए निकली थी।शाम लगभग 5 बजे अपने साले को पत्नी की पहुंचने की जानकारी ली तो पता चला कि वह अभी तक नहीं पहुंची उन्होंने बताया कि अपने गांव फरियादपुर बाजार तथा रिश्तेदारों पर काफी खोजबीन किया लेकिन पत्नी का अभी कोई पता नहीं चल सका है। उन्होंने अपनी पत्नी पोखनी देवी का हुलिया भी बताया गया है। उन्होंने बताया कि मेरी पत्नी की उम्र लगभग 50 वर्ष, रंग सांवला, लंबाई करीब 5 फीट 3 इंच तथा शरीर साधारण है।

कैलुजारा हादसे के पीड़ितों से मिले विधायक जयराम महतो

विष्णुगढ़ थाने पहुंचे, परिजनों को आर्थिक सहायता व कार्रवाई का भरोसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

विष्णुगढ़ : प्रखंड के नरकी पंचायत अंतर्गत कैलुजारा में बुधवार की रात हुए हृदयविदारक हादसे के बाद गुरूवार की शाम डुमरी विधायक जयराम महतो विष्णुगढ़ पहुंचे और पीड़ितों से मिलकर संवेदना जताई। उन्होंने पीड़ित परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया और आर्थिक सहायता भी प्रदान की। उन्हें सूचना मिली कि परिजन तीनों शवों के पोस्टमार्टम के बाद आरोपी पर सख्त कार्रवाई तथा उचित मुआवजे की मांग को लेकर शव को उठाने इनकार कर रहे हैं। जानकारी पाकर वे विष्णुगढ़ थाना पहुंचे और शोक संतप्त परिवारों को निजी कोष से तीनों मृतकों के आश्रितों को 10-10 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी। उनकी इस उदारता को देख विष्णुगढ़ पुलिस की टीम के द्वारा भी पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति जताते हुए कुल 80 हजार रुपए सहायता राशि प्रदान किया गया। विधायक ने आरोपी वाहन के विरूद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। इस आश्वासन के बाद तीनों शवों को अंतिम संस्कार के लिए परिजन पैतृक गांव बोकारो जिला के पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के कोशी गांव ले गए। इस दौरान केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष मुकेश कुमार महतो, केन्द्रीय संगठन महासचिव माही पटेल, प्रखंड अध्यक्ष कौलेश्वर महतो, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार, भूपेंद्र महतो समेत कई लोग मौजूद थे। बता दें कि कैलुजारा में शुक्रवार की शाम में किशोर बेसरा के घर शादी का कार्यक्रम चल रहा था। इसमें कई मेहमान शामिल हुए थे। विवाह की रस्मों के बीच कुछ मेहमान घर के बाहर बैठे थे। इसी बीच एक पिकअप वैन बेकाबू होकर बाहर बैठे आधे दर्जन लोगों को कुचल दिया था। इस हादसे में पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के कोशी गांव निवासी मूर्ति देवी, उसकी तीन वर्षीय बेटी अलीना कुमारी और दशमी देवी की मौत हो गई थी। वहीं, उषा देवी, कांति देवी तथा राकेश किस्कू गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

एक नजर

सामाजिक सम्मेलन सह भोज का आयोजन

सिल्ली : सिल्ली में तम्बोली हितैषी समिति सिल्ली द्वारा सामाजिक सम्मेलन सह भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षता तम्बोली हितैषी समिति सिल्ली के अध्यक्ष श्री अशोक चौधरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सेन्ट्रल कमेटी एवं अन्य स्थानों के गण मान्य सदस्य उपस्थित हुए कार्यक्रम में तम्बोली समाज के मेट्रिक एवं इंटर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को विभिन्न वस्तुओं एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में दिलीप दत्त,समित लाहा, कंचन दत्ता, नारायण लाहा, बैजनाथ दत्ता, महादेव चौधरी, रविचंद्र, बिल्टू दत्ता, संदीप दत्ता, भरत चौधरी, तंबोली हितैषी समिति के न्याशकर्ता श्री अरुण वरन सिंह बनकेश आश मनबोध नाग खोखन हालदार आदि उपस्थित हुए।

अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद में उमड़े श्रद्धालु

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम और श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में रविवार को 269वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का भव्य आयोजन किया गया। परम पूज्य डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान श्री राधा-कृष्ण के दर्शन कर महाप्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री राधा-कृष्ण का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भगवान को महाप्रसाद अर्पित किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। महाप्रसाद में वेजिटेबल खिचड़ी, लीची शरबत, सत्तू पानी, शीतल जल एवं आलू चिप्स शामिल थे। मंदिर परिसर में करीब दो हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भजन गायक मनीष सोनी ने राधा-कृष्ण एवं अन्नपूर्णा मैया की महिमा पर आधारित भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को भावविभोर कर दिया। भजन संध्या के बाद सामूहिक महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि पूरे दिन में पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

बालिका फुटबॉल खिलाड़ियों को रोटरी क्लब ऑफ रांची ने दी जर्सी और खेल सामग्री

रांची : रोटरी क्लब ऑफ रांची ने रविवार को ओरमांझी स्थित सचिन तेंदुलकर युवा फाउंडेशन की बालिका फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच खेल सामग्री वितरित कर उन्हें प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने खिलाड़ियों के साथ समय बिताया, उनके अनुभवों को सुना और विभिन्न खेल गतिविधियों में भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों को फुटबॉल, शिन गार्ड, मोजे, पानी की बोतलें और खेल शॉर्ट्स वितरित किए गए। इसके अलावा फ्रांस के रोटरी क्लब कॉसाद मिडी क्वेर्सी से प्राप्त 700 जर्सियां भी युवा फाउंडेशन को सौंपी गईं, जिससे बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर उपस्थित कई बालिका खिलाड़ी ऐसी थीं, जिन्होंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी पहचान बनाई है। खिलाड़ियों ने अपने संघर्ष, उपलब्धियों और खेल यात्रा से जुड़े अनुभव साझा किए। उनकी प्रेरणादायक कहानियों ने कार्यक्रम में मौजूद रोटेरियनों को भावुक और उत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान शिखा गुप्ता ने खिलाड़ियों के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य जागरूकता, अनुशासन और सामाजिक शिष्टाचार विषय पर विशेष सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में खिलाड़ियों को खेल जीवन के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी गई।

झामुमो और कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान आखिरकार समाप्त, आगामी चुनाव के लिए दोनों दलों के बीच बनी सहमति

वैद्यनाथ राम होंगे झामुमो के राज्यसभा प्रत्याशी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान आखिरकार समाप्त हो गई है। आगामी चुनाव के लिए दोनों दलों के बीच बनी सहमति के बाद झामुमो ने अपने पत्ते खोल दिए हैं। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बड़ा राजनीतिक दांव खेलते हुए लातेहार के पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता वैद्यनाथ राम को अपना राज्यसभा प्रत्याशी घोषित किया है। यह सीट पार्टी के दिग्गज नेता रहे शिबू सोरेन के निधन के बाद रिक्त हुई थी। गठबंधन के तहत दूसरी सीट कांग्रेस के खाते में गई है, जहां से प्रणव झा को उम्मीदवार बनाया गया है। इस फैसले के दूरगामी राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। झारखंड राज्य गठन के बाद यह पहला मौका है जब पलामू प्रमंडल से आने वाले किसी दलित चेहरे को राज्यसभा में प्रतिनिधित्व मिलने जा रहा है। झामुमो का यह कदम न केवल आगामी विधानसभा चुनावों में पलामू प्रमंडल के समीकरणों को प्रभावित करेगा, बल्कि आदिवासी-दलित गठजोड़ को भी और ज्यादा मजबूती प्रदान करेगा।

तीन बार के विधायक और पूर्व मंत्री हैं वैद्यनाथ राम

झामुमो के राज्यसभा उम्मीदवार बनाए गए वैद्यनाथ राम वर्तमान में पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वे राज्य की राजनीति का एक जाना-माना चेहरा हैं और लातेहार विधानसभा सीट से तीन बार विधायक निर्वाचित हो चुके हैं। इसके अलावा वे झारखंड सरकार में कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। प्रशासनिक और राजनीतिक मोर्चे पर लंबे अनुभव के कारण ही पार्टी ने उन पर भरोसा जताया है।

एक फैसले से हेमन्त ने साधे तीन बड़े लक्ष्य

वैद्यनाथ राम को उम्मीदवार बनाकर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। 34 विधायकों के साथ गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते झामुमो के भीतर दोनों सीटों पर दावा करने का भारी दबाव था, लेकिन केवल एक सीट पर प्रत्याशी उतारकर हेमंत सोरेन ने गठबंधन धर्म का पालन किया और राजनीतिक परिपक्वता का संदेश दिया। इसके साथ ही, अनुसूचित जाति से आने वाले वैद्यनाथ राम को चुनकर पार्टी ने दलित समुदाय को एक बड़ा और सकारात्मक संदेश दिया है।

सीएम ने बताया झारखंड की मजबूत आवाज

प्रत्याशी की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड की जनता के लंबे संघर्षों, उनकी आकांक्षाओं और सामाजिक न्याय की आवाज को देश के उच्च सदन में और मजबूती देने के लिए गठबंधन ने वैद्यनाथ राम को मैदान में उतारा है। मुख्यमंत्री ने उनके लंबे राजनीतिक जीवन की तारीफ करते हुए कहा कि वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष अद्वितीय रहा है। वे राज्यसभा में राज्य के हितों और अधिकारों की प्रभावी पैरवी करेंगे।

मांडर सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने आठ आरोपितों को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिले के मांडर थाना क्षेत्र में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज आठ घंटे के भीतर आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा मामले में संलिप्त एक 15 वर्षीय नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्त में आए आरोपितों में पापड़ मुण्डा उर्फ प्रकाश मुण्डा, आयुष उरांव, रामलुस कुजूर, रंजीत उरांव, उमेश भगत, दीपक उरांव, राम उरांव और विकास उरांव शामिल हैं। सभी आरोपितों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए अदालत में प्रस्तुत किया जाएगा। खलारी के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) राम नारायण चौधरी ने शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि छह जून की शाम मांडर थाना क्षेत्र के करगे गांव की एक महिला के लिखित आवेदन के आधार पर सामूहिक दुष्कर्म की घटना दर्ज की गई और इस पूरे मामले की सूचना तत्काल वरीय अधिकारियों को दी गई। डीएसपी ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। इस टीम में मांडर, चान्हों, बुढ़मू और ठाकुरगांव थाना के प्रभारी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल किए गए। मामले के अनुसंधान के दौरान पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करते हुए पीड़िता को चिकित्सकीय जांच और उपचार के लिए रांची सदर अस्पताल भेजा। इसके साथ ही विभिन्न थाना क्षेत्रों में संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस की सक्रिय कार्रवाई के परिणामस्वरूप मामले में शामिल आठ आरोपितों को आठ घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। डीएसपी ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और सभी पहलुओं की गहन पड़ताल की जा रही है। अनुसंधान पूरा होने के बाद आरोपितों के विरुद्ध शीघ्र आरोप पत्र न्यायालय में समर्पित किया जाएगा।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का रामगढ़ और बोकारो में भव्य स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रवास के दूसरे दिन रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का रांची से बोकारो जाते समय कई स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान रामगढ़ और बोकारो जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा, जयघोष और गर्मजोशी से उनका अभिनंदन किया। यात्रा के क्रम में रामगढ़ के निर्मल महतो चौक और मांडू के छतरपुर में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद रामगढ़ जिले के गोला और चितरपुर तथा बोकारो जिले के पेटरवार, जैनामोड़ और नया मोड़ में भी कार्यकर्ताओं द्वारा उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। इन सभी स्थानों पर माहौल पूरी तरह संगठनात्मक जोश और उत्साह से भरा रहा। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्वर्गीय छत्रु राम महतो की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके संघर्षपूर्ण जीवन व योगदान को याद किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह हुई पुष्पवर्षा और नारों के बीच संगठन के प्रति समर्पण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता स्वागत में शामिल हुए, जिससे पूरे क्षेत्र में जनसैलाब जैसा माहौल बन गया।

खिजरी विधायक ने मुख्यमंत्री राहत कोष से आठ लाभुकों को चेक सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने अपने आवासीय कार्यालय लुपुंगटोली में गंभीर बीमारी से पीड़ित रोगी को मुख्यमंत्री राहत कोष से आठ लाभुकों को चेक सौंपा। आज खिजरी विधानसभा क्षेत्र के लिए एक अत्यंत संतोषजनक और भावुकक्षण रहा। मुख्यमंत्री राहत कोष (अनुदान राहत कोष) के माध्यम से हमारे क्षेत्र के 8 जरूरतमंद और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे परिवारों को आर्थिक सहायता राशि आठ चेक सौंपे गए। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में मेरा हमेशा यह प्रयास रहता है कि संकट की घड़ी में कोई भी परिवार खुद को अकेला न समझे। यह सहायता राशि इन परिवारों के इलाज और मुश्किल वक्त में संबल प्रदान करने में मददगार साबित होगी। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का सहृदय आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके निरंतर सहयोग से हमारे क्षेत्र के लोगों को त्वरित राहत मिल पा रही है। हमारा संकल्प है-हर चेहरे पर मुस्कान, हर पीड़ित को सम्मान, खिजरी विधानसभा के हर नागरिक के सुख-दुख में मैं हमेशा आपके साथ खड़ा हूँ। जिन आठ लाभुकों को चेक सौंपा गया उसमें कुंदन लकड़ा ग्राम सिंदवारटोली को 50,000, सीमा लकड़ा लोवाडीह को 50,000, आशीष कुमार महतो उलातु को 40,000, प्रभात तिग्गा खेरवाकोचा को 30,000, शफीक आलम सिदिया को 50,000, लेधा हेमरोम महादेव टोली को 50,000, आंदी अहीर, सोगोद को 50,000 एवं राजकिशोर पंडित, टाटीसिलवे को 50,000 खिजरी विधायक के हाथों से ड्रॉप दिया गया।

झारखंड में प्री-मानसून का असर तेज

ठेठईटांगर में 70.3 मिमी बारिश; 11 जून के लिए ऑरेंज अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने लगी हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है। इस दौरान सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर में सर्वाधिक 70.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में दिनभर बादल छाए रहने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में प्री-मानसून सिस्टम सक्रिय हो गया है, जिसके प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला है। विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में इसका असर बना रहेगा। पिछले 24 घंटों में राज्य का सर्वाधिक तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 21.9 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज हुआ। मौसम में आए बदलाव के कारण अधिकांश जिलों में गर्मी का प्रभाव कम हुआ है। मौसम विभाग ने 11 जून के लिए राज्य के उत्तर-पूर्वी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में गर्जन, बारिश, वज्रपात और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। संभावित मौसमीय गतिविधियों को देखते हुए संबंधित क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा राज्य के विभिन्न जिलों में 13 जून तक गर्जन, आकाशीय बिजली और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका को लेकर भी येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने, खुले स्थानों से दूर रहने तथा सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी है।

झारखंड की शॉर्ट फिल्म 'नो मोर वॉर' को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान, कोलकाता और श्रीलंका फिल्म फेस्टिवल में हुआ चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के फिल्मकारों के लिए एक बेहद गर्व की बात है। नौरस फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित शॉर्ट फिल्म नो मोर वॉर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस फिल्म का चयन प्रतिष्ठित विवेकानंद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, कोलकाता और श्रीलंका इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए किया गया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से राज्य की फिल्म प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर एक नई पहचान मिली है। फिल्म की कहानी एक 10 वर्षीय बालक शुभ के इर्द-गिर्द घूमती है। अपने जन्मदिन के अवसर पर वह टीवी समाचारों में युद्ध, हिंसा और मानवीय त्रासदी के भयानक दृश्य देखकर मानसिक रूप से काफी विचलित हो जाता है। इसी बीच जब उसके पिता उसे उपहार स्वरूप एक खिलौना बंदूक देते हैं, तो वह उसे स्वीकार करने से साफ इनकार कर देता है। बच्चे की यह मासूम प्रतिक्रिया फिल्म के केंद्रीय संदेश को सामने लाती है कि मानव जीवन का असली उद्देश्य युद्ध और हथियार नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारा, संवेदनशीलता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व है। फिल्म में श्रेष्ठ, मनोज सहाय, मेहुल प्रसाद, संदिपिका रॉय और अवनीश भारद्वाज ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। कलाकारों के सशक्त अभिनय ने कहानी को प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारा है। वहीं नीरज और सुमित की सिनेमैटोग्राफी फिल्म के दृश्य पक्ष को मजबूती प्रदान करती है।

युद्ध और हिंसा के विरुद्ध शांति और मानवता का संदेश

अमित अक्षत के अनुसार, नो मोर वॉर का मूल उद्देश्य युद्ध, हिंसा और संघर्ष की मानसिकता के विरुद्ध शांति, प्रेम और मानवता का संदेश देना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह विषय और भी अधिक संवेदनशील और प्रासंगिक हो गया है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि फिल्म का यह सकारात्मक संदेश अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचेगा और लोगों को शांति तथा सह-अस्तित्व के महत्व पर विचार करने के लिए प्रेरित करेगा।

कोलकाता की साइंस सिटी में 21 जून को होगा प्रदर्शन

फिल्म के लेखक और निर्देशक अमित अक्षत ने रविवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विवेकानंद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के तहत इस फिल्म का प्रदर्शन 21 जून को कोलकाता के साइंस सिटी में आयोजित भव्य समारोह के दौरान किया जाएगा। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि किसी भी स्वतंत्र फिल्मकार के लिए अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में अपनी कृति का चयन होना बहुत बड़ी उपलब्धि होती है और यह फिल्म की विषयवस्तु की प्रासंगिकता को भी दर्शाती है।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीणों ने दिखाई एकजुटता, सिकंदर महतो के पुनर्वास का लिया संकल्प

रांची : हेसल पंचायत हेसल मोड़ के समीप बीते दिनों सिकंदर महतो का घर मकान तोड़ा गया उसी मुद्दों को लेकर मुखिया कविता देवी और मुस्तफा अंसारी जन प्रतिनिधियों के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित की गई बैठक का संचालन समाज सेवी मुस्तफा अंसारी ने किया' बैठक का मुख्य उद्देश्य था कि हेसल मौजा में लगभग 70 वर्षों पुराना मकान बना हुआ था जिसका खाता नम्बर 151 प्लॉट नम्बर 3573 , रकबा 20 डिसमिल जमीन पर एल आर डी सी के आदेश दखलदिहानी दिखाकर कार्रवाई के दौरान सिकंदर महतो का घर तोड़े जाने के बाद ग्रामीणों में काफी नाराजगी देखी गई। इस संबंध में ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गई, ग्रामीणों ने बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सिकंदर महतो के लिए पुनः घर एवं एक शेड का निर्माण कराया जाएगा। ग्रामीणों ने उनके पुनर्वास और आजीविका की व्यवस्था करने का भी संकल्प लिया। इसके लिए गांव के लोगों ने स्वेच्छा से चंदा एकत्र कर आर्थिक सहयोग प्रदान किया। ग्रामीणों ने कहा कि कठिन परिस्थिति में किसी परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और सामूहिक प्रयास से सिकंदर महतो को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करने में हर संभव मदद की जाएगी। इस पहल से गांव में सामाजिक एकता और आपसी सहयोग की मिसाल देखने को मिली। मुखिया कविता देवी ने भी ग्रामीणों के इस सहयोगी भाव की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंद परिवार की सहायता करना समाज का दायित्व है और सभी के सहयोग से पुनर्निर्माण का कार्य जल्द पूरा किया जाएगा। मौके पर मुख्य रूप से ग्राम प्रधान रामनाथ करमाली शीला डॉ अमर कुमार चौधरी देवी मदरा मुंडा देव राजपाल उप मुखिया दुर्गा बिष्णु महतो राजेन्द्र महतो नागेन्द्र महतो जलेश्वर उर्फ मार्शल सूरज नारायण महतो रामपोदो महतो इब्राहिम अंसारी महमूद अंसारी मिन्हाज अंसारी अब्बास अंसारी मिन्हाज अंसारी रामेश्वर महतो रामनाथ मुंडा एहसान अंसारी प्रदीप पहान राजेन्द्र महतो कैलाश महतो संदीप गाड़ी सुधांशु मंटू अमीरुल अंसारी असफाक अंसारी अजीज अंसारी सकील अंसारी चंदन महतो कृष्णा भगत भारी संख्या में महिलाएं भी शामिल थे

रांची के छात्रों ने एसओएफ इंटरनेशनल ओलंपियाड 2025-26 में किया शानदार प्रदर्शन

रांची : शैक्षणिक उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन करते हुए रांची के छात्रों ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) परीक्षाओं 2025ः26 में बेहतरीन सफलता हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। इस वर्ष आयोजित एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिनमें रांची के 38 हजार से अधिक छात्र शामिल थे। प्रमुख प्रदर्शन करने वाले छात्रों में कैराली स्कूल के कक्षा 4 के छात्र विराट गुप्ता ने इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड (आईजीकेओ) में, जवाहर विद्या मंदिर की कक्षा 1 की छात्रा परिनिका पूर्वी ने इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड (आईएमओ) में तथा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हिनू, प्रथम पाली की कक्षा 1 की छात्रा अन्ना इसाबेल तिर्की ने इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड (आईएमओ) में इंटरनेशनल रैंक 1 प्राप्त की। उन्हें स्वर्ण पदक या गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। वहीं दिल्ली पब्लिक स्कूल के कक्षा 8 के छात्र अमेया देवर्षि ने इंटरनेशनल सोशल स्टडीज ओलंपियाड (आईएसएसओ) में इंटरनेशनल रैंक 3 प्राप्त की। उन्हें ब्रॉन्ज मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) के संस्थापक एवं निदेशक महाबीर सिंह ने कहा, एसओएफ ओलंपियाड 2025ः26 विद्यार्थियों को उत्कृष्टता हासिल करने और तार्किक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित कर रहा है। छात्रों का विभिन्न ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन उनकी मेहनत, लगन और स्कूलों द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव को दर्शाता है। हम छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को उनकी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए बधाई देते हैं। साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) एक शैक्षणिक संस्था है, जो स्कूल विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने और अकादमिक प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने का कार्य करती है। एसओएफ द्वारा इंटरनेशनल कंप्यूटर साइंस ओलंपियाड, इंटरनेशनल साइंस ओलंपियाड, इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड, इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड, इंटरनेशनल जनरल नॉलेज ओलंपियाड, इंटरनेशनल सोशल स्टडीज ओलंपियाड और इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड जैसी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। ये परीक्षाएं छात्रों को अपनी अवधारणात्मक समझ, विश्लेषण क्षमता और समस्या समाधान कौशल को वैश्विक स्तर पर परखने का अवसर प्रदान करती हैं।

तोरपा विधानसभा क्षेत्र को मिली सौगातः 7 एंबुलेंस और 3 शव वाहनों का हुआ लोकार्पण

तोरपा : तोरपा विधानसभा क्षेत्र के सुदूरवर्ती और ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में रविवार को एक बड़ा कदम उठाया गया। प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित टाउन हॉल में आयोजित एक गरिमामयी समारोह के दौरान विधायक मद से स्वीकृत सात एंबुलेंस और तीन शव वाहनों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया गया। इस विशेष अवसर पर उपस्थित अतिथियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर इन सभी वाहनों को रवाना किया। इस नई व्यवस्था के शुरू होने से क्षेत्र के जंगली और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों को आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर चिकित्सा सुविधा मिलना बेहद आसान हो जाएगा। समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर दुनिया में कोई दूसरा धर्म नहीं है। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि तोरपा के कई गांव बेहद दुर्गम क्षेत्रों में बसे हैं, जहां संसाधनों की कमी के कारण मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। एंबुलेंस न मिलने की वजह से पहले लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विधायक ने भरोसा जताया कि इन नए वाहनों के बेड़े में शामिल होने से क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव आएगा। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी ढांचों के विकास के लिए लगातार काम करते रहने का अपना संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद झामुमो के जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने भी इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर आम जनता की हर छोटी-बड़ी समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन वाहनों के नियमित संचालन से हजारों ग्रामीणों को सीधे तौर पर आपातकालीन सहायता मिल सकेगी। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने रेफरल अस्पताल की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनुमिता रानी के प्रयासों की भी सराहना की। इस लोकार्पण समारोह में महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सुशांति कोनगाड़ी, बुद्धिजीवी मोर्चा के अध्यक्ष विरेन कंडुलना, विधायक प्रतिनिधि जगदीश बागे सहित भारी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी और ग्रामीण उपस्थित थे।

अपराध नियंत्रण पर पुलिस की सख्ती: लंबित मामलों के जल्द निष्पादन का अल्टीमेटम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में शनिवार को जिला पुलिस कार्यालय सभागार में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातू, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय-सह-अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़, सभी अंचल निरीक्षक, थाना एवं ओपी प्रभारी तथा शाखा प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में विभिन्न थाना क्षेत्रों में लंबित कांडों की गहन समीक्षा की गई। पुलिस अधिकारियों को अनुसंधान में तेजी लाने, अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा पुराने मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। विशेष रूप से बलात्कार एवं पोक्सो एक्ट से जुड़े मामलों को 60 दिनों के भीतर निष्पादित करने पर जोर दिया गया। पासपोर्ट सत्यापन पांच दिनों के भीतर पूरा करने तथा डायल-112 के तहत प्राप्त शिकायतों पर अधिकतम 10 मिनट के अंदर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जन शिकायतों, पीजी पोर्टल एवं सीपी ग्राम के लंबित मामलों के समयबद्ध निष्पादन पर भी बल दिया गया। बैठक में गैर तामिला वारंट, स्थायी वारंट, फरार अभियुक्तों, न्यायालय परिवाद, कुर्की एवं इश्तेहार की समीक्षा की गई। जेल से छूटे अपराधियों का सत्यापन, संगठित आपराधिक गिरोहों की निगरानी तथा सक्रिय अपराधियों पर आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सीसीटीएनएस, ई-साक्ष्य, फोरेंसिक जांच, ई-डाटा एंट्री, नेटग्रिड के गाण्डीव एवं सुदर्शन एप्लीकेशन के उपयोग की समीक्षा करते हुए तकनीक आधारित अनुसंधान को और प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। अवैध खनन, अवैध शराब कारोबार, चेन स्नैचिंग, मोबाइल छिनतई, संपत्तिमूलक अपराध, आईटी एक्ट, अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार तथा यूडी कांडों की समीक्षा करते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही सड़क सुरक्षा के लिए वाहन जांच अभियान, संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी स्थापना तथा आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

एक नजर

देवी मंडप में 9 जून से होगा अखंड रामचरितमानस पाठ

कोडरमा : झुमरी तिलैया स्थित देवी मंडप के प्रांगण में रविवार को एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें पुरुषोत्तम मास के अवसर पर 9 जून मंगलवार सुबह 9 बजे से देवी मंडप के प्रांगण में अखंड रामचरित मानस का पाठ आयोजन करने को लेकर चर्चा की गई। जो विधि वत बुधवार को हवन और ब्राह्मण भोजन के साथ सुबह 10 बजे समाप्ति की जाएगी।वहीं मौके पर मौजूद मंदिर के मुख्य पुजारी ने कहा कि पुरुषोत्तम माह के अवसर पर श्री राम चरित मानस का पाठ करने से मन को शांति मिलती है और पापों से मुक्ति व मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। वहीं इस कार्यक्रम में सभी झुमरी तिलैया वासी सादर आमंत्रित हैं। वहीं मौके कर कृष्ण मुरारी पाण्डेय, बरुण कुमार पाण्डेय, लक्ष्मी कांत पाण्डेय, छोटे लाल पाण्डेय, हीरा लाल पाण्डेय, ऋषि कांत पाण्डेय, टिंकू बर्नवाल समेत दर्जनों की संख्या में लोग मौजूद थे।

मेहनत और लगन से सफलता अवश्य प्राप्त होती है : सुदीप

खूंटी : युवा सरना समिति तपकारा और सनराइज इंडिजिनस सोशल कल्चरल हेरिटेज के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भारत माता कल्याण मंडप, तोरपा में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सुदीप गुड़िया, विशिष्ट अतिथि जुबैर अहमद तथा जिला परिषद सदस्य विरेन कंडुलना ने विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मौके पर विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि सफलता मिलने पर उत्साहित रहना चाहिए, लेकिन अति उत्साह से बचना भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि मेहनत और लगन से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के हित में कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ सभी जरूरतमंद छात्रों को उठाना चाहिए। झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने छात्रों से अपनी उपलब्धियों को आगे भी बनाए रखने और उच्च लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आग्रह किया।

श्रावणी मेला से पहले बड़ी साजिश नाकाम, हथियार के साथ पांच गिरफ्तार

देवघर : बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में श्रावणी मेला-2026 को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। नगर थाना पुलिस ने शनिवार की देर रात एक वाहन से पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक अवैध देसी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार नगर थाना में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी शंकर कुमार रजक शनिवार की रात गश्ती पर थे। इसी दौरान उन्हें गुप्त सूचना मिली कि एक सफेद रंग की फॉर्च्यूनर वाहन (जेएच15एपी-5093) में सवार कुछ लोग देवघर रेलवे स्टेशन होते हुए रामगढ़ मार्ग की ओर जा रहे हैं और किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया,जिसके बाद विशेष टीम ने सक्रिय होकर वाहन की घेराबंदी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने एक अवैध देसी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस के साथ वाहन में सवार पांचों लोगों को गिरफ्तार किया है।

अगामी 20 को अपनी मांगों को लेकर प्रखंड कार्यालय पर धरना देने की तैयारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : स्थानीय युवाओं को रोजगार, विस्थापितों के अधिकार, मजदूरों के शोषण तथा प्रखंड स्तर पर व्याप्त कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और एनटीपीसी मजदूर यूनियन एटक ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। इसी कड़ी में रविवार को पीटीपीएस स्थित यूनियन कार्यालय में दोनों संगठनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाकपा अंचल सचिव सह एनटीपीसी मजदूर यूनियन एटक पीवीयूएनएल शाखा सचिव मनोज कुमार महतो ने की। बैठक में क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 20 जुलाई 2026 को पतरातू प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए मनोज कुमार महतो ने कहा कि पतरातू प्रखंड क्षेत्र में अनेक छोटे-बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठान संचालित हैं, लेकिन इसके बावजूद स्थानीय युवाओं को अपेक्षित रोजगार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उद्योगों में बाहरी लोगों को प्राथमिकता दिए जाने से क्षेत्र के योग्य युवक अवसरों से वंचित रह जा रहे हैं। बैठक में कहा गया कि विभिन्न कंपनियों में कार्यरत मजदूरों को कई स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं विस्थापित परिवारों की लंबित समस्याएं भी आज तक समाधान की प्रतीक्षा में हैं। इन मुद्दों को लेकर संगठनों ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। भाकपा और एटक नेताओं ने प्रखंड क्षेत्र में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार के विरुद्ध भी संघर्ष का ऐलान किया। वक्ताओं ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जनआंदोलन जरूरी हो गया है। बैठक में मनोज कुमार महतो, मनोज पहन, रमेश महतो, किशोर कुमार महतो, नरेश बेदिया, संदीप ठाकुर, सत्यनारायण सिंह, सुशील महतो, संजीव कुमार एवं रिशु कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एनटीएचए के दो खिलाडियों ने भारत को दिलाया अंडर-18 एशिया कप का स्वर्ण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जापान के काकामिगाहारा में आयोजित पुरुष अंडर-18 एशिया कप हॉकी 2026 में भारत की ऐतिहासिक स्वर्णिम सफलता में जमशेदपुर की नवल टाटा हॉकी अकादमी (एनटीएचए) के दो कैडेटों ने अहम भूमिका निभाई। अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आशीष तानी पूर्ति और प्रेमचंद सोय के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में भारत अपराजित रहा और उसने एशिया की मजबूत टीमों को मात देते हुए अपना दबदबा कायम रखा। टूर्नामेंट में आशीष तानी पूर्ति सबसे बड़े सितारे बनकर उभरे। उन्होंने 13 गोल दागकर प्रतियोगिता के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी का सम्मान हासिल किया। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों मुकाबलों में लगातार हैट्रिक लगाकर उन्होंने अपनी असाधारण क्षमता का परिचय दिया। जापान के खिलाफ खिताबी मुकाबले में उनके तीन गोलों ने भारत की जीत सुनिश्चित की, जिसके लिए उन्हें फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। वहीं मिडफील्ड में प्रेमचंद सोय ने अपनी बेहतरीन खेल समझ, तेज पासिंग और आक्रामक रणनीति से भारतीय टीम को मजबूती प्रदान की। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में टीम के खेल की गति नियंत्रित की और कई महत्वपूर्ण अवसर तैयार किए। चीनी ताइपे के खिलाफ उनका गोल भी भारत की सफलता में निर्णायक साबित हुआ। इस उपलब्धि पर रविवार को एनटीएचए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर गुरमीत सिंह राव ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह न केवल अकादमी बल्कि पूरे झारखंड के लिए गौरव का क्षण है।

सीसीएल कॉलोनी में गिरा जर्जर क्वार्टर का छज्जा, बड़ा हादसा टला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सीसीएल कुजू क्षेत्र की पूर्वी न्यू कॉलोनी में रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कॉलोनी स्थित माइनस क्वार्टर का छज्जा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। घटना के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे जानमाल की बड़ी क्षति टल गई। हालांकि गिरा हुआ भारी कंक्रीट का हिस्सा सीसीएल कर्मी प्रदीप प्रजापति की मोटरसाइकिल पर जा गिरा, जिससे वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। छज्जा गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के क्वार्टरों में रहने वाले लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। मौके पर पहुंचे लोगों ने देखा कि छज्जे का बड़ा हिस्सा जमीन पर बिखरा पड़ा है। घटना के बाद कॉलोनीवासियों में भय और नाराजगी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कॉलोनी के कई माइनस क्वार्टर वर्षों से मरम्मत की बाट जोह रहे हैं। समय पर रखरखाव नहीं होने के कारण भवनों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। दीवारों में दरारें, टूटते छज्जे और कमजोर संरचनाएं कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। क्वार्टर में रहने वाले सीसीएल कर्मी प्रदीप प्रजापति ने बताया कि भवन की जर्जर स्थिति को लेकर विभाग को कई बार लिखित सूचना दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि क्वार्टरों के पीछे बड़े-बड़े पेड़ उग आए हैं तथा सेप्टिक टैंक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिससे खतरा और बढ़ गया है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधरोपण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : भारतीय जनता पार्टी झुमरी तिलैया दक्षिणी मंडल के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सिंदूर के पौधे,आम, जामुन, सहित कई फलदार एवं छायादार पौधों का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक अनूठा प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के नाम पर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव भी स्थापित हो सके। पौधारोपण कार्यक्रम के उपरांत मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी की अध्यक्षता में भाजपा कार्यकर्ताओं की टोली पानी टंकी रोड स्थित जैन स्वीट्स के समीप पहुंची, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 12 साल बेमिसाल अभियान के तहत आम लोगों के साथ चाय पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं देश की उपलब्धियों की जानकारी लोगों के बीच साझा की। भाजपा नगर उपाध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच पौधारोपण अत्यंत आवश्यक हो गया है। भाजपा कार्यकर्ता समाज को जागरूक करने के लिए लगातार ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़कर हरित एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

रामगढ़ की धरती पर भाजपा का महासंगम, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के स्वागत में उमड़ा जनविश्वास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के रामगढ़ आगमन ने जिले के राजनीतिक माहौल को उत्सवी रंग में रंग दिया। रांची से बोकारो जाने के क्रम में रामगढ़ के विभिन्न स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य और आत्मीय स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं का उत्साह, संगठन के प्रति समर्पण और नेतृत्व के प्रति विश्वास स्पष्ट रूप से देखने को मिला। रामगढ़ प्रवेश करते ही कोठार स्थित निर्मल महतो चौक पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू का जोरदार स्वागत किया गया। कार्यकताओं ने फूल-मालाओं, पुष्पवर्षा और पारंपरिक झारखंडी लोकनृत्य के माध्यम से दोनों नेताओं का अभिनंदन किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने निर्मल महतो की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं से संवाद किया। कार्यकर्ताओं द्वारा अंगवस्त्र, गुलदस्ता एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान किया गया। अपने संबोधन में नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा का मूल आधार सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित है। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत बनाने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने भी उनका स्वागत कर विशेष स्मृति-चिह्न भेंट किया। निर्मल महतो चौक के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का काफिला छत्तर-मांडू पहुंचा, जहां दुर्गा मंदिर के समीप भाजपा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पूरे क्षेत्र में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में समर्थक कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, सांसद मनीष जायसवाल, विधायक रोशन लाल चौधरी, अमरेंद्र कुमार गुप्ता, रणंजय कुमार उर्फ कूंटू बाबू, डॉ. संजय कुमार सिंह, चंद्रशेखर चौधरी, इला रानी पाठक, डॉ. संजय प्रसाद सिंह, सहदेव ठाकुर, प्रिया करमाली, बलराम महतो, रिद्धि राज, लक्ष्मी देवी सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता, मंडल एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं छत्तर-मांडू में दिलीप कुमार सिंह, सत्यजीत सिंह, रामानंद महतो, रूपलाल महतो, मनोज सिंह, दिनेश नायक सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश : शहीदी पर्व पर राहगीरों को पिलाया गया शीतल शरबत

रामगढ़ : सिख धर्म के पांचवें गुरु के शहीदी पर्व के अवसर पर रविवार को रामगढ़ कॉलेज गेट के समीप श्रद्धा, सेवा और मानवता का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के बीच शीतल शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत गुरुद्वारा साहिब के हेड ग्रंथी द्वारा अरदास के साथ की गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच ठंडे शरबत का वितरण शुरू हुआ। भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस सेवा कार्य ने राहगीरों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ गुरु परंपरा के सेवा भाव का संदेश भी दिया। शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन सरदार जी ड्राई क्लीनर्स, सैनी होटल एवं दीवान ओंकार मिशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आयोजकों ने बताया कि गुरु अर्जन देव के शहीदी पर्व के अवसर पर प्रतिवर्ष इस प्रकार का सेवा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, ताकि मानवता, भाईचारे और निस्वार्थ सेवा के संदेश को समाज तक पहुंचाया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने गुरु अर्जन देव के अद्वितीय बलिदान, त्याग और मानव कल्याण के लिए किए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन सत्य, सहिष्णुता और सेवा का अनुपम उदाहरण है, जो आज भी समाज को प्रेरित करता है। इस अवसर पर राजेश नागी, परमदीप सिंह कालरा, सुरेंद्र पाल सिंह सैनी, हरविंदर सिंह सैनी, अमरजीत सिंह, गुरदीप सिंह, इंद्रपाल सैनी, बलविंदर सिंह, दिलप्रीत सिंह, एसपी सैनी, महेश सिंह, मुनिलाल मांगर, भूपेंद्र सिंह, संदीप कौर एवं गुरलीन कौर सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई।

आस्था की अग्निपरीक्षा और संस्कृति का संगम, चैनगड्डा में भव्य मंडा महोत्सव संपन्न

रामगढ़ : भदानीनगर क्षेत्र के चैनगड्डा गांव में पारंपरिक मंडा पूजा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के माहौल में संपन्न हुई। तीन दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना कर सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। पूरे आयोजन के दौरान गांव भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। मंडा पूजा के अंतिम दिन रविवार अहले सुबह श्रद्धालुओं ने नदी में स्नान कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद अग्नि पूजन अनुष्ठान के दौरान 80 भोक्ताओं और 80 सोकताइनों ने नंगे पांव दहकते अंगारों पर चलकर अपनी अटूट श्रद्धा और विश्वास का परिचय दिया। यह दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण मौजूद रहे। शनिवार देर रात पश्चिम बंगाल के पुरुलिया से पहुंचे छऊ नृत्य कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने देवी-देवताओं के मुखौटे धारण कर रामायण और महाभारत की विभिन्न लीलाओं का जीवंत मंचन किया। पूरी रात चले सांस्कृतिक कार्यक्रम का लोगों ने भरपूर आनंद उठाया। मंडा पूजा महोत्सव का उद्घाटन बड़कागांव विधायक एवं मांडू विधायक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। दोनों जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को समाज की अमूल्य धरोहर बताया। पूरे आयोजन को सफल बनाने में श्री श्री शिव मंडा पूजा समिति चैनगड्डा के अध्यक्ष भीम महतो, सचिव बिटू महतो, कोषाध्यक्ष हरिलाल महतो, संगठन मंत्री उदित महतो, उपाध्यक्ष भागीरथ महतो, दीपक तुरी, सह सचिव नरेश बेदिया, मीडिया प्रभारी नूतन महतो, सह संगठन मंत्री रोशन मुंडा, सलिखा बेदिया, उमेश महतो, दिनेश करमाली, दिनेश उरांव एवं मनोज करमाली सहित समिति के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

सतगावां में आस्था और जमीन को लेकर दो समुदायों के बीच तनाव, कब्रिस्तान की घेराबंदी का विरोध

कोडरमा : सतगावां प्रखंड के शिवपुर पंचायत अंतर्गत स्थित निरंकार बाबा के आस्था स्थल को घेरा बंदी को लेकर दो समुदायों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी असंतोष देखा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि वे सरकार द्वारा निर्गत भूमि और मापदंडों के अनुसार ही कब्रिस्तान की घेराबंदी का निर्माण करवा रहे हैं। उनका तर्क है कि यह उनकी आवंटित भूमि है जिसपर सुरक्षा के लिहाज से घेराबंदी आवश्यक है।वहीं दूसरी ओर हिंदू समुदाय के ग्रामीणों ने इस घेराबंदी पर कड़ा विरोध जताया है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस जमीन को घेरा जा रहा है, उसके अंदर पूरे प्रखंड के लगभग स्वा लाख लोगों की आस्था का केंद्र बाबा निरंकार का पवित्र स्थल है। इसके अलावा इसी परिसर में उप स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक कन्या विद्यालय भी स्थित हैं। ग्रामीणों ने बताया कि न केवल स्कूल और अस्पताल का रास्ता बल्कि आम लोगों के आवागमन का मुख्य रास्ता भी इसी परिसर से होकर गुजरता है स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि इस पूरे परिसर की घेराबंदी कर दी जाती है तो न केवल शिवपुर बल्कि पूरे प्रखंड के लोगों की धार्मिक आस्था प्रभावित होगी बल्कि अस्पताल आने वाले मरीजों और स्कूल जाने वाली बच्चियों का रास्ता भी पूरी तरह बंद हो जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि विकास और आस्था के इस केंद्र के साथ नाइंसाफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति को देखते हुए स्थानीय प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप करने और दोनों पक्षों की मौजूदगी में जमीन की सही मापी कराकर शांतिपूर्ण समाधान निकालने की मांग की जा रही है। इस मामले को लेकर शिवपुर निवासी इरशाद अहमद ने बताया कि इस घेराबंदी में हम लोगों का यही सोच है कि दोनों समुदाय के आस्था को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा था जो ग्रामीणों के रजामंदी के द्वारा ही बाउंड्री वॉल किया जा रहा था जो की कल्याण विभाग से यह कार्य किया जा रहा है। इस मामले को लेकर अंचल अधिकारी ने मौखिक रूप से बताया कि मामला संज्ञान में नहीं था मामला की जांच कर दोनों पक्षों को ध्यान में रखते हुए समाधान निकाला जाएगा।

एक नजर

पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार भेजा जेल

चलकुशा : पुलिस ने कंप्लेन केश संख्या 1858/20 के गैर जमानती वारंट अभियुक्त झंडू साव उम्र 65 वर्ष पिता शुकर नायक ग्राम दिगवार निवासी, इचाक थाना कांड संख्या 168/19 जीआर नम्बर 805/20 के वारंटी अभियुक्त निरंजन साव उम्र 26 वर्ष पिता गिरजा साव उम्र वनगांवा एवं फॉरेस्ट केश संख्या 491/16 U/S 33 if Act के गैर जमानती वारंट के अभियुक्त थानु मांझी उम्र 50 वर्ष पिता वंशी मांझी ग्राम जमसोती निवासी को चलकुशा थाना प्रभारी सुर्यकांत कुमार के नेतृत्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पगार ओपी पुलिस की बड़ी सफलता सीआईइआर से दो गुम मोबाइल बरामद

केरेडारी : पगार ओ०पी० पुलिस की सराहनीय पहल सिआईइआर पोर्टल के माध्यम से दो गुम मोबाइल बरामद कर वास्तविक मालिकों को किया। प्रखंड अंतर्गत पगार ओ०पी० पुलिस ने आमजन की सहायता एवं तकनीकी संसाधनों के बेहतर उपयोग का परिचय देते हुए दो गुम हुए मोबाइल फोन को सफलतापूर्वक बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किया। जानकारी के अनुसार,मोबाइल गुम होने की शिकायत प्राप्त होने के बाद पगार ओ०पी० पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए सीआईइआर के माध्यम से मोबाइल की ट्रैकिंग एवं आवश्यक कार्रवाई की गई। पुलिस की सक्रियता और तकनीकी सहयोग से दोनों मोबाइल फोन बरामद कर लिए गए। इसके बाद आवश्यक सत्यापन प्रक्रिया पूरी करते हुए बरामद मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए। अपना खोया मोबाइल वापस पाकर मोबाइल मालिकों ने पगार ओ०पी० पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया तथा पुलिस की इस कार्यशैली की सराहना की। पगार ओ०पी० प्रभारी दिनेश मंडल ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में तुरंत नजदीकी थाना अथवा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराएं ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

एसयूवी अनियंत्रित होकर भेलवारा जंगल के खाई में गिरी बाल-बाल बचा चालक

विष्णुगढ़ : विष्णुगढ़-हजारीबाग रोड एनएच 533 स्थित भेलवारा जंगल में रविवार की सुबह एसयूवी वाहन (जेएच01एफआर-0014) अनियंत्रित होकर गहरे खाई में जा गिरी। इस हादसे में एसयूवी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि चालक के अलावा वाहन में कोई भी सवार नहीं था। गंभीर हादसे के वाजूद हादसे में चालक भी बाल-बाल बच गए। उन्हें हल्की चोटें आई है। बताया जाता है कि वाहन चालक रांची जिले एक थाना के पुलिस पदाधिकारी का है। रविवार को वे एसयूवी पर सवार होकर रांची से देवघर जा रहे थे। इसी दौरान भेलवारा जंगल में तीखे मोड़ एवं तेज गति के कारण एसयूवी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे सखुआ के कई पेड़ों को रौंदते हुए गहरे खाई में जा गिरी। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। इस बीच अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची।

बिष्टुपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : मेधावी तथा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल तैयार करने के उद्देश्य से रविवार को बिष्टुपुर स्थित धातकीडीह कम्युनिटी सेंटर में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जागो संगठन, जागो यूवा विंग और टाटा स्टील फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में शिक्षा, सामाजिक सेवा और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों एवं समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को-ऑपरेटिव कॉलेज के प्रोफेसर असलम मल्लिक थे। विशिष्ट अतिथियों में ठक्कर बप्पा मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक पंकज कुमार, बोस्टोम साई स्कूल, सरायकेला की सहायक आचार्या सलमा मुखी, समाजसेवी पुनीता मुखी, सम्भू डुंगरी, लक्ष्मण मुखी, लखिंदर कारुवा, सूरज मुखी, ब्रजेश मुखी और विकास मुखी शामिल रहे। समारोह की शुरूआत स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसे संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश मुखी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने संगठन की गतिविधियों और समाज में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करना उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि प्रोफेसर असलम मल्लिक ने कहा कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर सीखने की आदत विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सम्मान और प्रोत्साहन से छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित होते हैं।

इस अवसर पर समाज के प्रति उत्कृष्ट योगदान और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सलमा मुखी और हेमंत मुखी को मुख्य अतिथि के हाथों 'समाज रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया गया। वहीं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर समाज का नाम रोशन करने वाले 10 प्रतिभाशाली बच्चों को 'समाज भूषण अवार्ड' प्रदान किया गया। इसके अलावा वर्ष 2026 की मैट्रिक, इंटरमीडिएट और स्नातक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 'समाज गौरव अवार्ड' के तहत प्रमाण-पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया।

कुर्मी महासभा ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

समाज के माध्यम से बच्चों को प्रोत्साहित करना एक सराहनीय कदम : जयराम महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : जिला कुर्मी महासभा की ओर से रविवार को एक सभा भवन के सभागार में देवघर जिला कुर्मी महासभा की ओर से 'प्रतिभा सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। इस समारोह में शैक्षणिक सत्र में 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह विधायक जयराम महतो, बिहार के परिवहन मंत्री दामोदर राउत, देवघर के महापौर रवि राउत और वरिष्ठ नेता पवन कुमार रवानी मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान कुर्मी समाज के सैकड़ों प्रबुद्ध लोग और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक जयराम महतो ने सफल छात्र-छात्राओं का हौसला बढ़ाया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि समाज के माध्यम से बच्चों को प्रोत्साहित करना एक सराहनीय कदम है। 10वीं और 12वीं की परीक्षा किसी भी छात्र के लिए आखिरी पड़ाव नहीं है। इसके आगे एक बहुत बड़ी दुनिया है,जहां उन्हें अपनी प्रतिभा के दम पर लंबा सफर तय करना है। युवाओं को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ना होगा।

चुनाव की सरगर्मी पर बात करते हुए जयराम महतो ने कहा कि हमारी पार्टी के पास भी एक वोट है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय चंद्रवंशी समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद शहर में स्थित उत्सव भवन में रविवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय चंद्रवंशी समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक आजाद ने की। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से आए पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों और समाज के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान संगठन के राष्ट्रीय विस्तार, समाज को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने तथा आगामी राष्ट्रीय परिषद की बैठक के आयोजन सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय परिषद की अगली बैठक कब और किस स्थान पर आयोजित की जाए, इस विषय पर भी विस्तार से मंथन हुआ। पदाधिकारियों ने सुझाव दिया कि आगामी बैठक को अधिक प्रभावी और व्यापक स्वरूप दिया जाए, ताकि देशभर के समाजजनों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

बैठक में वक्ताओं ने संगठन को गांव, पंचायत और जिला स्तर तक मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास की दिशा में ठोस पहल की जानी चाहिए। इसके लिए सदस्यता अभियान को गति देने और अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि समाज की एकता और जागरूकता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। समाज के युवाओं, महिलाओं और शिक्षित वर्ग की भागीदारी बढ़ाकर संगठन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

चटाई में लिपटा मिला सड़ा-गला शव, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित रेलवे कॉलोनी के समीप रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक अज्ञात व्यक्ति का सड़ा-गला शव बरामद किया गया। शव चटाई में लिपटा हुआ था और उससे तेज दुर्गंध निकल रही थी। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस इसे हत्या का मामला मानते हुए जांच में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह कुछ ग्रामीण अपने दैनिक कार्य के लिए खेतों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रेलवे कॉलोनी के समीप उनकी नजर एक संदिग्ध अवस्था में पड़ी चटाई पर गई। चटाई से दुर्गंध आने पर ग्रामीणों को संदेह हुआ। पास जाकर देखने पर उसमें एक व्यक्ति का शव मिला। शव की स्थिति अत्यंत खराब थी और वह काफी हद तक सड़-गल चुका था। शव मिलने की खबर इलाके में तेजी से फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना मुफस्सिल थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया। शव की पहचान कराने के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों और गुमशुदगी के मामलों का भी मिलान किया जा रहा है। मुफस्सिल थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होता है। शव की स्थिति को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि व्यक्ति की मौत दो से तीन दिन पहले हुई होगी।

यात्रियों की बसें बन गई अवैध माल ढुलाई का जरिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : जीटी रोड होते हुए पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से बिहार और झारखंड जाने वाली यात्री बसों में बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से माल ढुलाई का धंधा चल रहा है। बसों की छतों पर लदे तिरपाल से ढके बंडल और डिग्गी में ठूंसे गए कार्टून इस बात की गवाही दे रहे हैं। रोजाना सैकड़ों बसें यात्रियों के साथ-साथ कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्पेयर पार्ट्स और अन्य सामान ढो रही हैं, जिससे वैध ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को भारी नुकसान हो रहा है।

बसों की छत बनी मालगोदाम

कोलकाता के बाबूघाट, धर्मतला और हावड़ा जैसे कई बस अड्डों से बिहार के पटना, गया, भागलपुर, नवादा और झारखंड के रांची, धनबाद, जमशेदपुर जैसे कई शहरों के लिए चलने वाली ज्यादातर स्लीपर और डबल डेकर बसों की छत पर 30 से 40 क्विंटल तक माल लादा जाता है। नियमों के मुताबिक यात्री बसें केवल यात्रियों का सामान ले जा सकती हैं, व्यावसायिक माल ढुलाई के लिए परमिट जरूरी है। लेकिन यहां बिना बिल-रसीद और बिना जीएसटी के माल बुक किया जा रहा है।

ट्रक मालिकों का कारोबार चौपट

ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट के एक पदाधिकारी ने बताया, एक ट्रक को कोलकाता से पटना माल ले जाने में परमिट, टोल, जीएसटी और RTO के सभी नियम मानने पड़ते हैं। वहीं बस वाले 30-40% सस्ते में माल पहुंचा देते हैं। इससे हमें लोडिंग नहीं मिल रही। महीने में 10 ट्रिप लगाने वाला ट्रक अब 3-4 ट्रिप ही कर पा रहा है। ट्रक ड्राइवरों का कहना है कि डीजल महंगा होने और एटक के दबाव में कई गाड़ियां खड़ी हो गई हैं। यहां तक कि बिना ई वे बिल के माल ढुलाई से सरकार को राजस्व का भी बड़ा नुकसान हो रहा है।

विभागों की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

सबसे बड़ा सवाल पश्चिम बंगाल और झारखंड के परिवहन विभागों की भूमिका पर है। हाईवे पर चेकपोस्ट होने के बावजूद बसों की छत पर लदा माल अधिकारियों को नहीं दिखता। नाम न छापने की शर्त पर एक फ्ळड अधिकारी ने माना कि "ऊपर से दबाव" के कारण कार्रवाई नहीं होती। वहीं बिहार में प्रवेश करते ही कई जगहों पर 'सेटिंग' से बसें निकल जाती हैं। मोटर वाहन अधिनियम 1988ः यात्री बसों में व्यावसायिक माल ढुलाई अवैध है, जीएसटी चोरीः बिना ई-वे बिल के माल ले जाना टैक्स चोरी के दायरे में आता है, सुरक्षा से खिलवाड़ः छत पर ज्यादा वजन से बस का संतुलन बिगड़ता है, दुर्घटना का खतरा बढ़ता है।

सूरदा माइंस के मजदूरों का फूटा गुस्सा श्रमिक अधिकारों की अनदेखी का आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला स्थित सूरदा माइंस में कार्यरत मजदूरों ने संवेदक कंपनी आरके इंटरप्राइजेज रिसोर्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ श्रमिक अधिकारों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए आंदोलन का संकेत दिया है। रविवार को आयोजित एक बैठक में बड़ी संख्या में श्रमिक शामिल हुए, जहां मजदूरों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर नाराजगी जताई।

बैठक में श्रमिकों ने आरोप लगाया कि उन्हें श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली कई बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। मजदूरों का कहना है कि हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की सूरदा माइंस में संवेदक कंपनी के अधीन लगभग 950 श्रमिक कार्यरत हैं, लेकिन उन्हें न्यूनतम मजदूरी, समुचित चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा उपकरण, दुर्घटना की स्थिति में उचित मुआवजा, कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और अन्य वैधानिक सुविधाएं पूरी तरह उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। श्रमिकों ने कहा कि वे लंबे समय से इन मुद्दों को लेकर कंपनी प्रबंधन का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इसके कारण मजदूरों में असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। उनका आरोप है कि खदान जैसे जोखिमपूर्ण कार्यस्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और श्रमिक कल्याण से जुड़े प्रावधानों का पालन सुनिश्चित नहीं किया जा रहा है। बैठक में प्रमुख रूप से मजदूर नेता एवं आंदोलनकारी बागराई मार्डी मौजूद थे। श्रमिकों ने सर्वसम्मति से उन्हें आंदोलन का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान मजदूरों ने अपनी समस्याओं और कार्यस्थल से जुड़े मुद्दों को विस्तार से रखा तथा सामूहिक रूप से अधिकारों की लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया। बागराई मार्डी ने इस मौके पर कहा कि मजदूरों की जायज मांगों को लेकर जल्द ही कंपनी प्रबंधन के साथ वार्ता की जाएगी। श्रमिकों की समस्याओं का समाधान बातचीत के माध्यम से निकालने का प्रयास किया जाएगा, लेकिन यदि प्रबंधन सकारात्मक पहल नहीं करता है तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मजदूरों के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसे आवश्यकता पड़ने पर व्यापक और उग्र रूप भी दिया जा सकता है। उन्होंने श्रमिकों से एकजुट रहने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित मजदूरों ने भी चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

खास महाल की 796.17 एकड़ भूमि का होगा सर्वेक्षण, आज से 08 जुलाई तक चलेगा अभियान

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में खास महाल से संबंधित बैठक की गई। बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में हजारीबाग खास महाल के अंतर्गत आने वाले 22 मौजों में स्थित कुल 796 .17 एकड़ भूमि का व्यापक सर्वेक्षण कराया जाएगा। यह सर्वेक्षण कार्य 08 जून से 08 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य खास महाल भूमि से संबंधित लीज नवीकरण, नामांतरण, हस्तांतरण, प्रयोजन परिवर्तन, पुनर्ग्रहण एवं अतिक्रमण की वास्तविक स्थिति का आकलन करना है, ताकि प्राप्त तथ्यों के आधार पर आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सर्वेक्षण कार्य के सफल संचालन हेतु पांच सदस्यीय टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में एक पदाधिकारी, एक राजस्व उप निरीक्षक, एक अमीन, एक फोटोग्राफर तथा एक चौकीदार को प्रतिनियुक्त किया गया है। ये टीमें निर्धारित अवधि में संबंधित क्षेत्रों का भौतिक सत्यापन एवं अभिलेखीय जांच करेंगी।

जिला प्रशासन द्वारा खास महाल भूमि पर निवास करने वाले सभी संबंधित व्यक्तियों से अपील की गई है कि वे सर्वेक्षण के दौरान स्थल पर उपस्थित रहकर सर्वेक्षण टीम को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं तथा पूर्ण सहयोग प्रदान करें। इससे भूमि अभिलेखों के अद्यतन एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के सुचारू संचालन में सहायता मिलेगी।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सरिया-राजधनवार मार्ग पर तीन मोटरसाइकिलों की भिड़ंत, छह घायल

सरिया : सरिया थाना क्षेत्र के नीमा टांड़ गांव के समीप सरिया-राजधनवार मुख्य मार्ग पर रविवार देर शाम एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार के कारण तीन मोटरसाइकिलों के बीच आपस में जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण दुर्घटना में बाइक सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि तीनों मोटरसाइकिलें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। अत्यधिक रफ्तार होने के कारण सभी घायल मुख्य रूप से पैरों में गंभीर चोट आने की वजह से तड़प रहे थे। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बगोदर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए बिना समय गंवाए तुरंत एंबुलेंस को फोन कर घटनास्थल पर बुलवाया। पूर्व विधायक ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी छह घायलों को एंबुलेंस में लोड करवाया और बेहतर इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने एक बार फिर वाहन चालकों से अपील की है कि वे मुख्य मार्गों पर रफ्तार सीमित रखें, ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और घायलों की पहचान की जा रही है।

केरेडारी में किया गया बनास डेयरी दुग्ध क्रय केंद्र का शुभारंभ

केरेडारी : केरेडारी स्थित शिव मंदिर के निकट झमन साव के निजी मकान में बनास डेयरी (अमूल) दुग्ध क्रय केंद्र का शुभारंभ किया गया है। इस अवसर पर केरेडारी व आसपास गांव के 15 दुग्ध विक्रेताओं ने एक सौ पचास किलो दुग्ध बिक्री किया बनास डेयरी के फील्ड सुपरवाईजर संतोष सिंह व अमित सिंह टेक्निकल इंजीनियर ने बताया कि इस केंद्र में केरेडारी प्रखंड के लोग दुग्ध बिक्री कर सकते है। दुग्ध के क्वालिटी और क्वांटिटी के आधार पर हर पंद्रह दिन में पैसे का भुगतान उनके खाते में ऑनलाइन कर दिया जाएगा दुग्ध क्रय केंद्र खुलने से आसपास के लोगो को दुग्ध बेचने में काफी सुविधा होगी केंद्र खुलने से दुग्ध विक्रेताओं में खुशी का लहर है। मौके पर चूड़ामैन महतो,रामुतार साव,जुगल साव,खुदेश्वर साव,कामेश्वर पांडे,साधु चरण पांडे,अनिरुद्ध पांडे,अनिल सिंह,कैलास कुमार,सत्यम कुमार साव,छत्रु साव,टुनटुन साव,पवन कुमार आदि लोगो ने बिक्री किया।

भाजपा टाटीझरिया मंडल इकाई की बैठक संपन्न, संगठन की मजबूती पर जोर

टाटीझरिया : भाजपा टाटीझरिया मंडल कार्यसमिति की बैठक रविवार को प्रखंड भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष कैलाशपति सिंह ने किया। बैठक में मुख्य रूप से जिला द्वारा नियुक्त प्रभारी एमके पाठक मौजूद रहे। बैठक में संगठन को सशक्त बनाने हेतु कई अहम प्रस्ताव पारित किए गए। बीएलए 2 को निर्देश दिया गया कि एसआईआर में प्रमुखता से ध्यान देने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और मन की बात कार्यक्रम को हर बूथ पर सुनने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। आगामी दिनों में सभी शक्ति केंद्रों पर नियमित मासिक बैठकों का आयोजन सुनिश्चित किए जाने पर सहमति बनी। बैठक में उपाध्यक्ष रजनीकांत चौधरी, परमेश्वर प्रसाद यादव,राजेश यादव, महामंत्री राजू यादव, मंत्री सुरेंद्र प्रसाद,युवा मोर्चा अध्यक्ष कृष्णा साव, किसान मोर्चा अध्यक्ष जीतन यादव, मीडिया प्रभारी अनिल प्रसाद, होपन सिंह ,निखिल सिंह, कौलेश्वर मिश्र, संजीत यादव, रामेश्वर यादव, झुनझुन गुप्ता ,दशरथ प्रजापति, पवन कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

भारत के लिए भारतीय जीवन शैली

पृथ्वी व्यथित है। पृथ्वी की व्यथा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तमाम प्रयास हुए। परसों अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस का आयोजन हुआ। पृथ्वी के अंगभूत जल, वायु, वनस्पति और सभी प्राणी आधुनिक जीवनशैली के हमले के शिकार हैं। पृथ्वी असाधारण संरचना है। ऋग्वेद के अनुसार वह पर्वतों का भार वहन करती है। वन वृक्षों का आधार है। वही वर्षा करती है। वह बड़ी और दृढ़ है। प्रकाशवान है। अमेरिकी विद्वान ब्लूमफील्ड ने अथर्ववेद का अनुवाद किया और पृथ्वी सूक्त की प्रशंसा की पृथ्वी ऊंची है, ढलान और मैदान भी हैं। यह वनस्पतियों का आधार है और बहुविधि कृपालु है। पृथ्वी सूक्त के कवि अथर्वा हैं। अथर्वा कहते हैं पृथ्वी का गुण गंध है। यह गंध सबमें है, वनस्पतियों में है। यह पृथ्वी संसार की धारक व संरक्षक है। वह पर्जन्य की पत्नी है। यह विश्वम्भरा है। पृथ्वी पर जन्मे सभी प्राणी दीघार्यु रहें। हम माता पृथ्वी को कष्ट न दें। यह माता है। पृथ्वी, जल, वनस्पतियों, सभी जीव पर्यावरण चक्र के घटक हैं और जीवन के संरक्षक भी। इनमें वायु महत्वपूर्ण हैं। ऋग्वेद का ऋषि (ऋ0 1.90.6) कवि वायु को ही प्रत्यक्ष ब्रह्म या ईश्वर बताता है त्वमेव प्रत्यक्ष ब्रह्म असि। वायु प्राण है। वायु से आयु है। विश्व पर्यावरण के सूत्र भारत की ही धरती पर खोजे गए थे। शुद्ध पर्यावरण ही जीवन का आधार है। भारत के जनगणमन की प्राचीन संवेदनशीलता के खो जाने के कारण आज का भारत भूमण्डलीय ताप के खतरे में संवेदनशील है। पुरातन के गर्भ से युगानुकूल अधुनातन का विवेक चाहिए। विकास की भारतीय परिभाषा के सूत्र भी इसी में हैं। पर्यावरण का असंतुलन विश्व विनाश की आहट है। पृथ्वी अशांत है, भूस्खलन और भूकम्प है। वायु अशांत है, आंधी और तूफान है। जल अशांत है, बाढ़, अतिवृष्टि। अनावृष्टि के कोप हैं। वन उपवन अशांत हैं। अपनी प्राण रक्षा करें तो कैसे करें। सभी जीव अशांत हैं। पक्षी कहां रैन बसेरा बनाएं? यजुर्वेद (यजु 36.17) के कवि ऋषि ने सहस्त्रों वर्ष पहले अभिलाषा की थी अंतरिक्ष शांत हो। पृथ्वी शांत हो। वायु और जल शांत हों। वनस्पतियां औषधियां शांत हों। सर्वत्र सबकुछ शांत प्रशांत हों। यह ऋषि कवि संभवतः भविष्य का ताप उत्ताप देख रहा था। उसने शांतिपाठ के माध्यम से भरतजनों का मार्ग दर्शन किया था। विश्वबैंक आदि संस्थाओं के आकलन भी ऐसे ही आते हैं लेकिन दोनों में आधारभूत अंतर है। ऋषि के सामने जीडीपी गिरावट की समस्या नहीं थी। वह संपूर्ण विश्व का आनंद अभ्युदय ही देख रहा था।

मूलभूत प्रश्न है कि आखिरकार क्या वन उपवन उजाड़ कर, कंक्रीट के महलों से प्राणवायु, रस या गंध का आनंद ले सकते हैं? ऐसे टिकाऊ विकास में हम टिकाऊ नहीं हैं। हमारा जीवन क्षणभंगुर और विकास टिकाऊ? दुनिया विकास के नाम पर ही नष्ट होने के कगार पर है। विकास की परिभाषा क्या है? क्या हम प्राणलेवा विषभरी वायु में मर जाने के बदले विकास चाहते हैं? क्या हम विकास के नाम पर औद्योगिक कचरे के आर्सेनिक, लेड आदि रसायनों से भरे पानी को पीने के लिए विवश है? साल 2005 में संयुक्त राष्ट्र का सहस्त्राब्दी पर्यावरण आकलन- मिलेनियम इको सिस्टम ऐसेसमेन्ट आया था। इसके अनुसार पृथ्वी के प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए हैं। दुनिया की प्रमुख नदियों में पानी की मात्रा घट रही है। रिपोर्ट में चीन की येलो, अफ्रीका की नील और उत्तरी अमेरिका की कोलराडो नदियों में पानी घटने का उल्लेख था। गंगा-यमुना आदि नदियां जलहीन हो रही हैं। पक्षियों की अनेक प्रजातियों नष्ट हो चुकी हैं। जैव विविधता जलवायु का आधार है। अनेक जीव प्रजाति नष्ट हो चुके हैं। इस रिपोर्ट के पहले 2000 ई0 में पेरिस में अर्थचार्टर कमीशन ने पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के 22 सूत्र निकाले थे लेकिन परिणाम शून्य रहा। पृथ्वी की ताप बढ़त को अधिकतम 2 डिग्री सेल्सियस तक रोकने पर भी सहमति बनी। बीते 150 वर्ष में 0.80 सेल्सियस की वृद्धि पहले हो चुकी है। वाहन बढ़े हैं। खतरनाक गैसे बढ़ी हैं।

सूडोकु नवताल- 7819

★★★✫✩ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7818 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

विश्व महासागर दिवस : पृथ्वी के नीले हृदय को बचाने का संकल्प

वरुण कुमार

प्रतिवर्ष विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। यह दिवस महासागरों के महत्व, उनके संरक्षण और समुद्री जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। महासागर केवल विशाल जलराशि नहीं हैं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के आधार स्तंभ हैं। वे जलवायु को नियंत्रित करते हैं, ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। इसलिए महासागरों का संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्यता है।

पृथ्वी की सतह का लगभग 71 प्रतिशत भाग महासागरों से आच्छादित है। प्रशांत, अटलांटिक, हिंद, आर्कटिक और दक्षिणी महासागर मिलकर पृथ्वी की जलवायु प्रणाली का संचालन करते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी पर उपलब्ध ऑक्सीजन का लगभग आधा भाग समुद्री वनस्पतियों और सूक्ष्म जीवों द्वारा उत्पन्न किया जाता है। यही कारण है कि महासागरों को पृथ्वी के फेफड़े भी कहा जाता है। महासागर सूर्य की ऊष्मा को अवशोषित कर उसे विभिन्न क्षेत्रों में वितरित करते हैं, जिससे मौसम और जलवायु संतुलित रहती है। यदि महासागर न हों तो पृथ्वी पर तापमान अत्यधिक असंतुलित हो जाएगा और जीवन का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है।

विश्व महासागर दिवस की अवधारणा पहली बार वर्ष 1992 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित यूनाइटेड नेशन कांफ्रेंस ऑन एनवायरनमेंट एंड डेवलपेंट के दौरान सामने आई थी। बाद में महासागरों के महत्व को देखते हुए

यूनाइटेड नेशन ने वर्ष 2008 में आधिकारिक रूप से 8 जून को विश्व महासागर दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की। तब से यह दिवस विश्व भर में विभिन्न कार्यक्रमों, अभियानों, संगोष्ठियों और जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मनाया जाता है।दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि महासागर मानव जीवन और पृथ्वी के भविष्य के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं तथा उनके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास क्यों आवश्यक हैं।मानव सभ्यता का विकास नदियों और समुद्रों के किनारे हुआ है। आज भी दुनिया की बड़ी आबादी तटीय क्षेत्रों में निवास करती है। समुद्री मार्ग अंतरराष्ट्रीय व्यापार की रीढ़ हैं। विश्व व्यापार का अधिकांश हिस्सा समुद्री परिवहन के माध्यम से संपन्न होता है।

महासागर मत्स्य संसाधनों का विशाल भंडार हैं। करोड़ों लोगों की आजीविका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समुद्र पर निर्भर है। मछली उद्योग, पर्यटन, जहाजरानी, बंदरगाह, ऊर्जा उत्पादन और समुद्री जैव प्रौद्योगिकी जैसे अनेक क्षेत्र महासागरों से जुड़े हुए हैं। भारत जैसे समुद्री राष्ट्र के लिए महासागरों का महत्व और भी अधिक है। लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा वाला भारत व्यापार, सुरक्षा, मत्स्य उत्पादन और ब्लू इकोनॉमी के लिए समुद्र पर निर्भर है। हिंद महासागर क्षेत्र भारत की सामरिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। महासागर जैव विविधता के सबसे बड़े केंद्र हैं। सूक्ष्म प्लवक से लेकर विशाल व्हेल तक असंख्य जीव समुद्र में निवास करते हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि समुद्र में रहने वाली अनेक प्रजातियां अभी भी खोजी जानी बाकी हैं।

प्रवाल भित्तियां (कोरल रीफ) समुद्री जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन्हें समुद्र के वर्षावन कहा जाता है। ये हजारों समुद्री जीवों को आश्रय प्रदान करती हैं और तटीय क्षेत्रों को तूफानों तथा समुद्री कटाव से बचाती हैं। इसी प्रकार मैंग्रोव वन समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो समुद्री जीवों के प्रजनन स्थल के रूप में कार्य करते हैं।

आज महासागर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को सबसे अधिक झेल रहे हैं। वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण समुद्री जल गर्म हो रहा है। इससे हिमनदों और ध्रुवीय बर्फ का तेजी से पिघलना जारी है, जिसके परिणामस्वरूप समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है।समुद्र के बढ़ते जलस्तर से तटीय शहरों, द्वीपों और लाखों लोगों के जीवन पर खतरा मंडरा रहा है। कई छोटे द्वीपीय देशों के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो गया है। इसके अतिरिक्त समुद्री जल के तापमान में वृद्धि से प्रवाल भित्तियों का क्षरण हो रहा है, जिसे कोरल ब्लीचिंग कहा जाता है। महासागर वातावरण से बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करते हैं। इससे समुद्री जल की अम्लता बढ़ रही है, जो समुद्री जीवों और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हानिकारक सिद्ध हो रही है। महासागरों के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक प्लास्टिक प्रदूषण है। प्रतिवर्ष लाखों टन प्लास्टिक कचरा समुद्र में पहुंचता है। यह कचरा समुद्री जीवों के लिए घातक साबित होता है। अनेक समुद्री जीव प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है।प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है, समुद्री खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर चुके हैं। ये अंततः मानव शरीर तक पहुंच रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो रही हैं।समुद्र तटों पर फैला कचरा, नदियों के माध्यम से समुद्र में पहुंचने वाला अपशिष्ट तथा अनियंत्रित प्लास्टिक उपयोग इस समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में महासागरों में प्लास्टिक की मात्रा समुद्री जीवों से भी अधिक हो सकती है।अत्यधिक मत्स्य दोहन का संकट बढ़ती जनसंख्या और खाद्य मांग के कारण समुद्री संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया जा रहा है। आधुनिक तकनीकों के उपयोग से बड़े पैमाने पर मछलियों का शिकार किया जा रहा है, जिससे कई प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई हैं।अत्यधिक मत्स्य दोहन समुद्री पारिस्थितिकी संतुलन को प्रभावित करता है। जब किसी विशेष प्रजाति की संख्या तेजी से घटती है तो खाद्य श्रृंखला बाधित होती है और पूरे समुद्री तंत्र पर इसका प्रभाव पड़ता है।सतत मत्स्य प्रबंधन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर ही इस समस्या का समाधान संभव है। समुद्री प्रदूषण के अन्य स्त्रोत है। प्लास्टिक के अतिरिक्त तेल रिसाव, औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक प्रदूषण और सीवेज भी महासागरों को प्रदूषित कर रहे हैं। जहाजों से निकलने वाला तेल और रसायन समुद्री जीवन को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं।कृषि में उपयोग होने वाले उर्वरक और कीटनाशक नदियों के माध्यम से समुद्र तक पहुंच जाते हैं। इससे समुद्री जल में ऑक्सीजन की मात्रा घट जाती है और कई क्षेत्रों में डेड जोन बन जाते हैं, जहां समुद्री जीवन लगभग समाप्त हो जाता है। भारत महासागर संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास कर रहा है। केंद्र और राज्य सरकारें समुद्र तटों की स्वच्छता, समुद्री जैव विविधता संरक्षण और ब्लू इकोनॉमी के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही हैं।स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत समुद्र तटों की सफाई को बढ़ावा दिया गया है। प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध जैसे कदम उठाए गए हैंअलावा समुद्री संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार कर जैव विविधता संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी महासागर संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया है और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए वैश्विक सहयोग का समर्थन किया है।

हाल के वर्षों में ब्लू इकोनॉमी की अवधारणा को विशेष महत्व मिला है। इसका उद्देश्य समुद्री संसाधनों का उपयोग आर्थिक विकास के लिए करना है, लेकिन इस प्रकार कि पर्यावरण और जैव विविधता को नुकसान न पहुंचे। ब्लू इकोनॉमी के अंतर्गत मत्स्य पालन, समुद्री पर्यटन, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी, अपतटीय ऊर्जा और समुद्री परिवहन जैसे क्षेत्रों का सतत विकास शामिल है। भारत भी ब्लू इकोनॉमी को अपने आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण आधार के रूप में देख रहा है। महासागरों का संरक्षण केवल सरकारों और वैज्ञानिक संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करें। कचरे को नदियों और जल स्रोतों में न फेंकें।

व्यवस्था के बाहर ही नहीं भीतर भी भरी है 'कॉकरोच'

तनवीर जाफरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 134वें एपिसोड में लोगों से गर्मी से बचाव करने हेतु सावधानी बरतने की अपील की थी। इस अपील में दोपहर के समय घर से बाहर नहीं निकलना और चक्कर आने पर छायादार जगह पर लेटना जैसे अनेक देसी उपाय शामिल थे। परन्तु इस अपील के बावजूद गत 6 जून को हजारों छात्रों व युवाओं को दिल्ली की चिलचिलाती धूप में जंतर मंतर पर इकठ्ठा होने के लिये मजबूर होना पड़ा। यह युवा व छात्र देश के शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहे थे। जेन जी ने जंतर मंतर पर यह घोषणा की कि यदि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते तो इस तरह के प्रदर्शन देशभर में किये जायेंगे। गौरतलब है कि धर्मेंद्र प्रधान विगत लगभग 5 वर्षों से लगातार भारत सरकार के शिक्षा मंत्री के पद पर आसीन हैं। उन्हीं के कार्यकाल के दौरान नीट-यूजी 2024 जिसकी परीक्षा 5 मई 2024 को निर्धारित थी,का पेपर बिहार में लीक हुआ था। इस मामले में कई आरोपी गिरफ़्तार भी हुए थे। अभी पिछले दिनों उन्हीं के कार्यकाल में नीट-यूजी का पेपर लीक हुआ। इस से दुखी होकर चार छात्रों ने आत्महत्या कर ली और लगभग 22 लाख छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया। हालांकि कांग्रेस ने 2014-2024 तक 25

परीक्षाओं की सूची जारी की है जिसमें बिहार टीईटी, यूपीएससीतथा बिहार, उत्तर प्रदेश व राजस्थान आदि की राज्य स्तर की भर्ती परीक्षाओं में धांधली अथवा पेपर लीक की शिकायत है । इनमें से कई मामले धर्मेंद्र प्रधान के पिछले कार्यकाल यानी 2021-2024 में हुए। ऐसे में युवा बेरोजगार छात्रों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है। अभी पेपर लीक पर युवाओं का आक्रोश सोशल मीडिया के माध्यम से सत्ता व व्यवस्था पर फूट ही रहा था की अचानक भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने गत 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान यह कह दिया कि ₹कॉकरोच की तरह ऐसे देश के कई युवा हैं, जिन्हें रोजगार नहीं मिल रहा है। ये युवा आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया और आर टी आई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला शुरू कर देते हैं। जस्टिस सूर्यकांत के इस बयान के सार्वजनिक होते ही पहले से ही बेरोजगारी व अनिश्चितता के माहौल में जी रहे देश के युवाओं में स्वभाविक रूप से उबाल आ गया। हालांकि विवाद बढ़ने पर मौके की नजाकत को भांप मुख्य न्यायाधीश ने अपनी सफाई देते हुये कहा कि उनकी बात को तोड़-मरोड़ के पेश किया गया है। उनका निशाना युवा नहीं थे, बल्कि फर्जी डिग्रियों और गलत तरीकों से प्रतिष्ठित पेशों में घुसपैठ कर रहे लोग थे। उन्होंने कहा कि मुझे हर भारतीय युवा पर गर्व है और हर युवा मुझे प्रेरणा देता है और वह युवाओं को विकसित भारत के स्तंभ के तौर पर देखते हैं'। परन्तु मुख्य न्यायाधीश का स्पष्टीकरण आने तक देश का बेरोजगार युवा और व्यवस्था से नाराज नई युवा पीढ़ी जेन जी आक्रोशित हो चुकी थी। अभिजीत दीपके जोकि पूर्व में आम आदमी पार्टी के साथ एक राजनीतिक संचार रणनीतिकार के रूप में भी काम कर चुके हैं, ने 16 मई 2026 को सोशल मीडिया पर आधिकारिक रूप से ' कॉकरोच जनता पार्टी ' के नाम से पहले एक मजाकिया ऑनलाइन पेज शुरू किया बाद में यह इंस्टाग्राम, ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हुआ और देखते ही देखते मात्र चार दिन में इस पेज ने रिकार्ड 44 लाख से अधिक युवा समर्थक जुटा लिए। इंस्टाग्राम पर तो सिर्फ 5 दिन में 1.87 करोड़ फॉलोवर्स हो गये। इस अभियान से भयभीत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर इसका ट्विटर अकाउंट भारत में ब्लॉक करवा दिया। जस्टिस सूर्यकांत द्वारा देश के युवाओं को काकरोच अथवा परजीवी कहे जाने के बाद व अपने इस बयान पर सफाई दिये जाने के बावजूद 'कॉकरोच' की परछाईं उनका पीछा नहीं छोड़ रही है। गत 4 जून को लंदन विश्वविद्यालय के बर्कबेक कॉलेज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अंतरराष्ट्रीय कानून विषय पर आयोजित एक व्याख्यान में कई प्रतिभागियों ने भारत में लोकतंत्र के रिकॉर्ड और असहमति के प्रति बढ़ती शत्रुता को लेकर जस्टिस सूर्यकांत के समक्ष सवाल उठाया। यह हंगामा भी जस्टिस सूर्यकांत के 15 मई के बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच बताने वाले बयान से जुड़ा है। गोया भारतीय युवाओं का आक्रोश अब भारत से बाहर भी नजर आने लगा है। युवाओं का गुस्सा केवल 'कॉकरोच' जनता पार्टी' के प्रदर्शन के रूप में दिल्ली में ही नहीं फूटा बल्कि कांग्रेस,युवा कांग्रेस व राष्ट्रीय छात्र संगठन ने भी राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा माँगा तथा पेपर लीक के दोषियों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई की मांग की। ऐसा लगता है कि शिक्षा मंत्री की प्राथमिकता पारदर्शी व साफ सुथरी परीक्षाएं कराना नहीं बल्कि शिक्षा जैसे नाजुक व गंभीर क्षेत्र में भी अपना एजेंडा लागू करना है। इसी एजेंडे के तहत कहीं पाठ्यक्रमों में व्यापक बदलाव किया जा रहा है तो कहीं इतिहास को ही बदलने की कोशिश की जा रही है। कहीं सर्वधर्म समभाव व साम्प्रदायिक सौहार्द की सीख देने वाले अध्यायों को पाठ्यक्रमों से निकाला जा रहा है तो कहीं पाठ्यक्रमों में आधुनिक विज्ञान,प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के बजाय धर्म और संस्कृति की शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त विशेष विचारधारा के अनेक अयोग्य लोगों को वॉइस चांसलर जैसे पदों पर नियुक्त किया जा रहा है। मिसाल के तौर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (जौनपुर, उत्तर प्रदेश) के इसी तरह के एक पूर्व वाइस चांसलर का नाम डॉ. राजाराम यादव था। जिन्होंने छात्रों को भीख मांगने को रोजगार बताया था। उन्होंने कहा था कि बेरोजगार युवा ट्रेन में खंजरी बजाकर भीख मांग कर कमाई कर सकते हैं। यह बयान उस समय छात्रों में भारी आक्रोश पैदा कर गया था।

सनातन संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना के 12 वर्ष

विकास सक्सेना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश की बागडोर संभाले 12 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस कालखण्ड में देश की आर्थिक, राजनैतिक, कूटनीतिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक, अंतरिक्ष विज्ञान, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्षमताओं का जो स्वरूप देखने को मिला है उसने देशवासियों में आत्मविश्वास और आत्मगौरव की भावना को संचार किया है। अबतक के अपने कार्यकाल में मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था को गंभीर चुनौतियों का सामना करने वाली फ्रेजाइल फाइव अर्थव्यवस्थाओं में से निकाल कर दुनिया की सबसे तेजी गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया। आज भारत तेजी से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और फिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेनाओं ने अपने साहस, पराक्रम और रणनीतिक तथा तकनीकी कुशलता के दम पर हथियारों की सटीकता और उन्नत रक्षा प्रणाली का पूरे विश्व में लोहा मनवाया है। इसी का नतीजा है कि तमाम देश भारत में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने को उत्सुक हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने चंद्रयान-3 के जरिये चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरकर पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया। अंतरिक्ष विज्ञान के सूरमा माने जाने वाले अमेरिका और रूस जैसे देश भी आज तक इस दिशा में सफलता हासिल नहीं कर सके हैं। इससे पहले इसरो ने अपने प्रथम प्रयास में ही मंगल ग्रह की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश करके अमेरिका और रूस जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया था। इन तमाम उपलब्धियों के बीच मोदी सरकार ने बीते 12 वर्षों में जो सबसे बड़ा काम किया, वो है भारतीय जनमानस में आत्मविश्वास, आत्मगौरव और स्वामिमान की भावना का संचार। मोदी सरकार के सतत प्रयासों से भारतीय जनमानस में गुलामी के बारह सौ सालों में विकसित हुए हीनता की ग्रन्थी टूटी है और भारतीय मेधा नई ऊर्जा के साथ प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। आठवीं शताब्दी के मध्य में भारत में विदेशी आक्रांताओं ने हमले शुरू किए। इन आक्रांताओं का लक्ष्य सिर्फ भारत की अपार धन संपदा को लूटना भर नहीं था बल्कि अपने मत मजहब को स्थापित करके गजवा ए हिन्द की संकल्पना को साकार रूप देना था। सोलहवीं शताब्दी में व्यापार करने आई ईस्ट इण्डिया कम्पनी का भी उद्देश्य सिर्फ लाभ अर्जित करने तक सीमित नहीं रहा। उसके अधिकारी भी सुनियोजित तरीके से यहां ईसाइयत के विस्तार में जुट गए। लेकिन इस्लाम और ईसाइयत के व्यापक प्रसार में सबसे बड़ा रोड़ा दुनिया की प्राचीनतम सनातन संस्कृति की भारतीय जनमानस में मन मस्तिष्क और जीवनशैली में रची बसी गहरी जड़ें थीं। इनको नष्ट भ्रष्ट करने के लिए गौरी, गजनी, खिलजी और मुगल आक्रांताओं ने यहां के मंदिरों को तोड़ा ताकि यहां के उत्कृष्ट स्थापत्य कला को नष्ट करने के साथ ही भारतीय सांस्कृतिक आध्यात्मिक शक्ति पर आघात किया जा सके। सनातन धर्मावलम्बियों में हीन भावना भरने के लिए तोड़े गए मंदिरों के अवशेषों पर इस प्रकार मस्जिदों का निर्माण किया गया जिससे मंदिरों के चिन्ह भी स्पष्ट तौर पर दिखते रहें। हजारों साल में संग्रहित भारतीय ज्ञान परंपरा के साहित्य को जलाया गया ताकि सनातन संस्कृति के सतत प्रसार को बाधित किया जा सके।

अपनी समृद्धि के कारण सोने की चिड़िया कहे जाने वाले भारत में व्यापार करने आई ईस्ट इण्डिया कम्पनी का प्रभाव बढ़ने से पहले जो आक्रांता भारत आए उन्होंने ताकत और तलवार के दम पर इस्लाम के प्रसार का भरसक प्रयास किया। तमाम अत्याचार के बावजूद ये इस्लामिक आक्रांता सनातन संस्कृति, धर्म, भाषा, शिक्षा, चिकित्सा पद्धति और आध्यात्म को लेकर सनातन धर्मावलम्बियों के विश्वास और आत्मगौरव के भाव को डिगा नहीं सके। लेकिन ईस्ट इण्डिया कंपनी की जड़ें जैसे ही मजबूत हुईं, उसकी समझ में आ गया कि अगर भारत में लम्बे समय तक आर्थिक लाभ कमाने के साथ ईसाइयत को स्थापित करना है तो सबसे पहले सनातन धर्मावलम्बियों में हीनता की ग्रंथी विकसित करनी होगी। इसके लिए सनातन संस्कृति से जुड़ी ज्ञान परम्परा, साहित्य, चिकित्सा, आध्यात्म, पर्वों, उत्सवों और सामाजिक परंपराओं को हेय बताते हुए भारतीय लोगों में अपराधबोध और आत्मग्लानि की भावना विकसित करने के सुनियोजित प्रयास किए गए। सनातन साहित्य में मिलावट करके उन्हें षड्यंत्रपूर्वक दूषित किया गया। यहां की चिकित्सा पद्धति को निष्प्रभावी बताने का प्रयास किया गया। विदेशी आक्रांताओं के प्रभाव और देशकाल परिस्थितियों के कारण कुछ क्षेत्रों में विकसित हुई कुरीतियों को समाज सुधार के नाम पर अपने पिट्ठुओं से विरोध कराकर इनको इस प्रकार प्रचारित किया जैसे ये संपूर्ण सनातन धर्म की स्थापित प्रथा और अनिवार्य परंपराएं हैं। यहां तक कि हमारे गिल्ली-डंडा, कंचे, पतंगबाजी, बग्गा-बग्घी जैसे खेलों को बेवजह हेय दिखाने के सुनियोजित प्रयास किए गए। ईसाई मिशनरियों और ब्रिटिश सरकार के सतत प्रयास से देश में एक बड़ा वर्ग विकसित हो गया जो सनातन धर्म और संस्कृति को हेय दृष्टि से देखता था। क्रांतिकारियों को बलिदान और स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष के परिणामस्वरूप 1947 में जब देश को अंग्रेजों की सत्ता से आजादी मिली तो उसके साथ धर्म के आधार पर पुण्य मातृभूमि का विभाजन भी स्वीकार करना पड़ा।

दैनिक पंचांग

8 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.47 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	08.00 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.16 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.28 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.39 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	16.54 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.10 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.15 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.01 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मीन	00.34 बजे से
		मेष	02.05 बजे से
		वृष	03.45 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 159 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 09.10 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 09.28 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.31 बजे तदनन्तर कौलव 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 50'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872734
जूलियन दिन 2461199.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 22
विशेष अधिक कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

पर्यावरण मंजूरी में कथित फर्जीवाड़ा : पाकुड़ के खनन कारोबार पर बड़ा शिकंजा, 13 पर केस दर्ज

- ऑडिट जांच में दस्तावेजों में गड़बड़ी का खुलासा
- कई खनन पट्टे निरस्त
- डिजिटल रिकॉर्ड खंगाल रही जांच एजेंसियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के पत्थर खनन उद्योग से जुड़ा एक बहुचर्चित मामला सामने आने के बाद खनन क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि पर्यावरणीय मंजूरी हासिल करने और करोड़ों रुपये के खनन कारोबार को जारी रखने के लिए आधिकारिक दस्तावेजों में कथित तौर पर हेराफेरी की गई। मामले के उजागर होने के बाद कई खनन पट्टों पर कार्रवाई शुरू हो गई है और जांच एजेंसियां पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुट गई हैं। जानकारी के अनुसार, महालेखाकार (ऑडिट) द्वारा की गई जांच के दौरान जिला खनन कार्यालय के मूल अभिलेखों और पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड दस्तावेजों का मिलान किया गया। इस दौरान दोनों रिकॉर्ड में महत्वपूर्ण अंतर पाए गए। आरोप है कि खदानों के आसपास के कुल क्षेत्रफल और प्रभाव क्षेत्र से संबंधित आंकड़ों में बदलाव कर वास्तविक स्थिति को छिपाया गया, जिससे पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने का रास्ता आसान हो सके। विशेषज्ञों का कहना है कि पर्यावरण मंजूरी प्रक्रिया में किसी खदान के साथ आसपास संचालित अन्य खनन परियोजनाओं का कुल क्षेत्रफल महत्वपूर्ण आधार होता है। यदि यह निर्धारित सीमा से अधिक हो जाए तो मंजूरी की प्रक्रिया अधिक सख्त हो जाती है। ऐसे में क्षेत्रफल से जुड़े आंकड़ों में कथित बदलाव गंभीर अनियमितता मानी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, गड़बड़ी सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में अनियमितता के संकेत मिलने पर संबंधित पर्यावरणीय स्वीकृतियों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की गई तथा कई खनन पट्टों को भी निरस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई के बाद जिले के खनन कारोबारियों के बीच बेचैनी बढ़ गई है। मामले को लेकर जिला खनन पदाधिकारी राजेश कुमार के आवेदन पर नगर थाना में कांड संख्या 123/2026 दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में कुल 13 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है, जिनमें नौ पूर्व खनन पट्टाधारी और चार नए आवेदक शामिल हैं। आरोपियों में पाकुड़ के अलावा पड़ोसी पश्चिम बंगाल के वीरभूम क्षेत्र से जुड़े कुछ खनन कारोबारी भी बताए जा रहे हैं। पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि दस्तावेजों में कथित बदलाव किस स्तर पर हुआ, इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही और किस उद्देश्य से यह पूरा खेल किया गया। जांच के दायरे में विभागीय फाइलें, ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड रिकॉर्ड, डिजिटल लॉग और अन्य तकनीकी साक्ष्य शामिल हैं। अधिकारियों का मानना है कि यदि आरोपों की पुष्टि होती है तो यह मामला केवल दस्तावेजी फजीर्वाड़े तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन और सरकारी व्यवस्था को गुमराह करने से जुड़ा बड़ा प्रकरण साबित हो सकता है।

एक नजर

परिवार को जान-माल का खतरा, थाना में लगाई सुरक्षा की गुहार

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड थाना क्षेत्र के छोटा पहाड़पुर निवासी लॉरेंस बेसरा ने थाना प्रभारी को आवेदन देकर अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की है। आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया है कि 3 जून की रात माता-पिता के श्राद्ध भोज के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर पहुंचा और संदिग्ध गतिविधियां करने लगा। पूछताछ करने पर उसने कोई जवाब नहीं दिया तथा कमर की ओर हाथ ले जाने लगा, जिससे परिवार के लोग भयभीत हो गए। शोर मचाने पर वह वहां से फरार हो गया। आवेदन में लॉरेंस बेसरा ने आशंका जताई है कि उक्त घटना के पीछे कुछ नामजद लोगों की संलिप्तता हो सकती है तथा उनके परिवार को जान-माल का खतरा है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई तथा परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

ऑटो से गिरकर घायल महिला का इलाज के दौरान मौत

साहिबगंज: बोरियो जेटके कुम्हारजोरी पंचायत के सराय विंधा गांव की होपनमय मुर्मू (30) की मृत्यु ईलाज के क्रम में सदर अस्तपताल में शनिवार की रात को हो गयी। मालूम हो कि होपनमय ऑटो से पत्ता बेचने के लिए सरायविंदा गांव से बोरियो हाट आ रही थी। नींद की झपकी लगने के कारण बोरियो तीन मुहानी मोड़ के पास ऑटो से गिर कर शनिवार को बुरी तरह घायल हो गयी थी। घायल अवस्था में होपनमय मुर्मू को प्राथमिक उपचार के लिए बोरियो सीएचसी में भर्ती कराया गया था। मौके पर उपस्थित डॉ. सुदामा साह ने प्राथमिक उपचार किया था। डॉ. सुदामा ने गंभीर अवस्था में घायल महिला को बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्तपताल साहिबगंज रेफर कर दिया था। महिला के सर एवं छाती में गंभीर चोट थी। मूँह एवं कान के पास भी गहरा जख्म था। सर में चोट के कारण सीटी स्केन के लिए लिखा गया था। घायल महिला का ईलाज के क्रम में सदर अस्तपताल में मौत हो गयी।

नगर भाजपा की मासिक बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा

देवघर : भाजपा नगर अध्यक्ष सोनाधारी झा की अध्यक्षता में नगर कमिटी की मासिक बैठक स्थानीय होटल के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए नगर अध्यक्ष सोनाधारी झा ने कार्यकर्ताओं से केंद्र सरकार के 12 वर्षों की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण से मजबूत हुआ है और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के शुद्धिकरण और सत्यापन के लिए चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) पर भी चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर मृत, स्थानांतरित, पलायन कर चुके और डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम सूची से हटाने और नए पात्र मतदाताओं को जोड़ने के लिए कार्य करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात, मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान, एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण अभियान और आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

मिर्जाचौकी स्टेशन के पेयजल स्रोतों पर गंदगी अंबार, यात्रियों में नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मालदा मंडल रेल खंड अंतर्गत मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए लगाए गए पेयजल नल, वाटर कूलर तथा अन्य पेयजल स्रोतों के आसपास गंदगी का अंबार लगा हुआ है। कई स्थानों पर नलों और जल स्रोतों में काई जम गई है, जिससे स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच प्रतिदिन सैकड़ों यात्री इन पेयजल स्रोतों का उपयोग करते हैं, लेकिन उचित साफ-सफाई के अभाव में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नियमित यात्रियों का कहना है कि पेयजल स्रोतों की नियमित सफाई नहीं होने से नलों के आसपास गंदा पानी जमा रहता है और काई लग जाने से पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। यात्रियों ने आशंका जताई कि ऐसे नलों का पानी पीने से लोग जलजनित बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से स्टेशन परिसर में स्थित सभी पेयजल स्रोतों की नियमित सफाई, काई हटाने तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यात्रियों की सुविधा और स्वास्थ्य सुरक्षा को देखते हुए रेलवे को इस समस्या का शीघ्र समाधान करना चाहिए।

पचुवाड़ा कोल ब्लॉक में विस्थापन का मुद्दा गरमाया, मांगों को लेकर धरने पर डटे ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड स्थित पचुवाड़ा सेंट्रल कोल ब्लॉक क्षेत्र में विस्थापन और मुआवजे का मामला एक बार फिर चर्चा में है। एक ओर ग्राम सुरक्षा विस्थापित कार्य समिति ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर कोल परियोजना से जुड़े मामलों में केवल मान्यता प्राप्त समिति के साथ ही वार्ता किए जाने की मांग की है, वहीं दूसरी ओर विस्थापित आदिवासी ग्रामीण अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले तीन दिनों से पाकुड़ समाहरणालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हुए हैं। समिति का कहना है कि कुछ बाहरी लोग स्वयं को प्रभावितों का प्रतिनिधि बताकर प्रशासन और कोल कंपनियों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि इस प्रकार के मामलों की जांच पूर्व में जिला प्रशासन द्वारा की जा चुकी है। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि वास्तविक प्रभावितों और वैध समिति की अनदेखी की गई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। इधर धरनारत ग्रामीणों ने कोल कंपनी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष 2008 से उन्हें लगातार आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन आज तक न तो जमीन का उचित मुआवजा मिला, न रोजगार उपलब्ध कराया गया और न ही पुनर्वास के तहत बुनियादी सुविधाएं दी गईं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई गांवों को बिना पूरी कानूनी प्रक्रिया अपनाए उजाड़ दिया गया और उनकी जमीनों पर कोयला उत्खनन किया जा रहा है। विस्थापितों ने यह भी कहा कि प्रभावित परिवारों के हितों की रक्षा और सुविधाओं की निगरानी के लिए जिस समिति का गठन होना चाहिए था, वह अब तक अस्तित्व में नहीं आ सकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि संबंधित भूमि का विधिवत अधिग्रहण नहीं हुआ है तो वहां खनन कार्य किस आधार पर संचालित किया जा रहा है। धरनारत ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, उचित मुआवजा, रोजगार और पुनर्वास सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग की है। इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्र में असंतोष का माहौल बना हुआ है और सभी की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

उधवा में 7.88 ग्राम एमडीएमए ड्रग के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस को नशीले पर्दाथों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर 7.88 ग्राम एमडीएमए ड्रग के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। अपने कार्यालय कक्ष में राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस और प्रशासनिक टीम ने संयुक्त रूप से उधवा ओवर ब्रिज के पास छापेमारी की। इस दौरान एक युवक को प्रतिबंधित नशीले पदार्थ के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पहाड़गांव निवासी फिरोज शेख (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 7.88 ग्राम अवैध एमडीएमए ड्रग्स बरामद किया है। राजमहल एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी ने बताया कि 6 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक को उधवा ओवर ब्रिज के पास अवैध रूप से मनोजेत्तेजक पदार्थ की खरीद-बिक्री होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना की सत्यता जांचने और त्वरित कार्रवाई के लिए तत्काल एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। उधवा बीडीओ सह सीओ की मौजूदगी में राधानगर थाना पुलिस ने जैसे ही मौके पर दबिश दी, पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा। मुस्तैद पुलिस बलों ने घेराबंदी कर उसे खदेड़कर पकड़ लिया, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एमडीएमए ड्रग्स बरामद हुआ। इस मामले को लेकर राधानगर थाना में कांड संख्या 198/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21/27 के तहत मामला दर्ज कर आगे का अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने नशीले पर्दाथों को जब्त करने के साथ ही आरोपी फिरोज शेख को विधिवत गिरफ्तार कर लिया और रविवार को उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। छापेमारी दल में उधवा के अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, पुलिस अधिकारी पंकज कुमार दुबे, सुनील कुमार मेहता, हवलदार प्रहलाद मेहरा, आरक्षी दुलारचंद यादव सहित अन्य पुलिस बल शामिल थे।

सेंट्रल लैब के सेंपल कलेक्शन में लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर नदारद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर अस्पताल के सेंट्रल लैब के सेंपल कलेक्शन में रविवार की शाम 04:17 बजे लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर नदारद रहा। सेंट्रल लैब के सेंपल कलेक्शन लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर का कुर्सी खाली रहा। मरीजों ने बताया कि काफी देर से यहां लैब टेक्नीशियन व बिलिंग के लिए ऑपरेटर नहीं है। सेंपल कलेक्शन केंद्र का दरवाजा बंद कर वहां के कर्मी कही निकल गए। जानकारी के अनुसार तीन बजे के बाद शिफ्ट चेंज होने के बाद लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर नहीं आए थे। इस वजह से सेंपल कलेक्शन खाली रहा। जबकि मरीज व उसके परिजन काफी परेशान रहे। इस बीच कई मरीज जांच रिपोर्ट लेने आए लेकिन कंप्यूटर ऑपरेटर नहीं रहने के चलते इलाज में देरी हुई है। इधर सेंट्रल लैब के इंचार्ज मजहर आबिद को कॉल किया गया। हालांकि उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किए।

मतदाताओं को एसआईआर के प्रति जागरूक करें पार्टी कार्यकर्ता : जिलाध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड क्षेत्र के सैदपुर पंचायत के मलाहीटोला गांव में रविवार को एसआईआर को लेकर झामुमो प्रखंड एवं नगर कमेटी की संयुक्तरूप से बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अंसुर रहमान ने की,जिसमें एसआईआर मैपिंग पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से पार्टी जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेम्ब्रम, जिला सचिव सुरेश टुडू, विधायक प्रतिनिधि सह युवा जिला सचिव मो मारूफ उर्फ गुड्डू, महिला मोर्चा जिला सचिव संगीता बेसरा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बसंती हांसदा, जिप सदस्य अब्दुल बारीक शेख, सहित मंच पर उपस्थित पार्टी के सभी पदाधिकारी को पुष्प की माला पहनकर स्वागत किया गया। सभी उपस्थित पार्टी पदाधिकारी एक-एक कर एसआईआर से संबंधित बातों को रखा। जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने सभी सदस्यों को सक्रिय रहने का निर्देश देते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्रखंड और नगर कमेटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित बैठकों का मुख्य उद्देश्य राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम और आगामी जनगणना के लिए संगठन को मिशन मोड में सक्रिय करना है। इन महत्वपूर्ण बैठकों के मुख्य बिंदु और रणनीतियाँ इस प्रकार हैं: एसआईआर पर जोर और पार्टी का मुख्य फोकस मतदाताओं को एसआईआर प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना है। कार्यकताओं को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रहे और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो। कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची सत्यापन, नाम जुड़वाने या संशोधन के लिए आवश्यक दस्तावेज बीएलओ को उपलब्ध करवाए.इस बीच विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ ने मौके पर उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं एवं बीएलए टू को एसआईआर से संबंधित मैपिंग, अनपेजिंग व अन्य प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि झामुमो हमेशा से आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। एसआईआर मैपिंग आम लोगों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और बीएलए टू से चुनावी मोड में सक्रिय होकर काम करने तथा यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति इस प्रक्रिया से वंचित न रहे। मौके पर प्रखंड सचिव दुर्गा प्रसाद मंडल, सुमित चौरसिया, वासुदेव मंडल, अजय मढैया, सुदर्शन पासवान, जिशु शेख, आजाद शेख, फूल कुमारी, ललिता सोरेन, रश्मि टुडू आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सेंट्रल लैब के सेंपल कलेक्शन में लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर नदारद

साहिबगंज : सदर अस्पताल के सेंट्रल लैब के सेंपल कलेक्शन में रविवार की शाम 04 :17 बजे लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर नदारद रहा। सेंट्रल लैब के सेंपल कलेक्शन लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर का कुर्सी खाली रहा। मरीजों ने बताया कि काफी देर से यहां लैब टेक्नीशियन व बिलिंग के लिए ऑपरेटर नहीं है। सेंपल कलेक्शन केंद्र का दरवाजा बंद कर वहां के कर्मी कही निकल गए। जानकारी के अनुसार तीन बजे के बाद शिफ्ट चेंज होने के बाद लैब टेक्नीशियन व कंप्यूटर ऑपरेटर नहीं आए थे। इस वजह से सेंपल कलेक्शन खाली रहा। जबकि मरीज व उसके परिजन काफी परेशान रहे। इस बीच कई मरीज जांच रिपोर्ट लेने आए लेकिन कंप्यूटर ऑपरेटर नहीं रहने के चलते इलाज में देरी हुई है। इधर सेंट्रल लैब के इंचार्ज मजहर आबिद को कॉल किया गया। हालांकि उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किए।

होटल में ठहरे युवकों और कर्मचारियों के बीच मारपीट, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई प्राथमिकी

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के चौक बाजार स्थित भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा के समीप अवस्थित होटल ड्रीम स्टार में शनिवार देर रात ठहरे युवकों और होटल कर्मचारियों के बीच हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी अनुसार बिहार के पूर्णिया जिले के फुलवरिया निवासी विनोद कुमार चौहान अपने कुछ साथियों के साथ होटल के कमरा संख्या 201 और 203 में ठहरे हुए थे। शनिवार मध्यरात्रि किसी बात को लेकर होटल कर्मचारियों और युवकों के बीच कहासुनी हुई जो बाद में मारपीट में बदल गई। घटना में विनोद कुमार चौहान को मामूली चोटें आईं। घायल विनोद कुमार चौहान ने नगर थाना में आवेदन देकर होटल कर्मचारियों पर मारपीट का आरोप लगाया है। दर्ज प्राथमिकी में गोपाल कुमार, सुसांत कुमार, राजा कुमार सहित अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस संबंध में नगर थाना कांड संख्या 100/26 दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। वहीं दूसरी ओर होटल प्रबंधन ने भी नगर थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए होटल में ठहरे युवकों पर शराब पीकर हंगामा करने, कर्मचारियों के साथ मारपीट करने तथा जातिसूचक गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। होटल प्रबंधन की ओर से दर्ज शिकायत में कुंदन यादव, रूपेश कुमार मंडल, राजू कुमार चौहान, विनोद कुमार चौहान, चंदन चौहान एवं अशोक मंडल को नामजद किया गया है। होटल के मैनेजर गोपाल कुमार ने आरोप लगाया कि संबंधित युवक होटल में कमरा बुक कराने के बाद बड़ी मात्रा में शराब लेकर आए थे। शराब सेवन के बाद उन्होंने होटल परिसर में हंगामा किया, जिससे अन्य कमरों में ठहरे लोगों को परेशानी हुई। विरोध करने पर कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई जो सीसीटीवी कैमरे में कैद है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि होटल के एक दलित कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार करते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया गया। सूत्रों के अनुसार, इस घटना को बिहार में लागू शराबबंदी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। बताया कि होटल में ठहरे लोगों की ओर से की गई मारपीट का वीडियो तो सीसीटीवी में है पर होटल कर्मियों की ओर से की गई मारपीट का कोई वीडियो फुटेज नहीं है और न ही सीसीटीवी के साथ कोई छेड़छाड़ की गई है।बताया जाता है कि बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों से प्रतिदिन कई लोग शराब सेवन के लिए साहिबगंज पहुंचते हैं। वे होटल या लॉज में कमरा लेकर शराब पीते हैं और अगले दिन वापस लौट जाते हैं। घटना के बाद संबंधित कमरों की जांच में बड़ी संख्या में बीयर के खाली कैन भी बरामद किए जाने की चर्चा है। होटल मैनेजर गोपाल कुमार ने बताया कि संबंधित युवक संभवत: शराब अपने लगेज में छिपाकर होटल में लेकर आए थे। उन्होंने कहा कि होटल प्रबंधन को इसकी पूर्व जानकारी नहीं थी। उधर नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर मामले दर्ज कर लिए गए हैं। पुलिस सभी आरोपों और तथ्यों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

राजमहल स्टेशन पर यात्री सुविधा के नाम पर खानापूर्ति

साहिबगंज: मालदा मंडल रेल अंतर्गत राजमहल रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधा के नाम पर महज खानापूर्ति हो रही है। प्लेटफॉर्म पर कोई जनसुविधा नहीं दी गई है। यहां के प्लेटफॉर्म नं-1 पर लगाया गया हाई स्पीड पंखा यूं ही पड़ा है। सूत्रों की मानें तो कई माह पहले इसे लगा तो दिया गया, लेकिन आज तक इसे चालू नहीं कराया जा सका। इस कारण हाई स्पीड पंखा सिर्फ देखने को है। इतनी भीषण गर्मी में प्लेटफॉर्म पर लोग पसीने से लथपथ होते हैं उसके बावजूद भी पंखा बंद रहते हैं। यात्रियों के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रहा है सुविधा से यात्री वंचित है। इस पर रेल प्राधिकारियों को ध्यान देना होगा और ये जांच का विषय है।

कांग्रेस नेता ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना

पूर्वी सिंहभूम : घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परविंदर सिंह ने केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि आम जनता, विशेषकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ साबित होगी। रविवार को जारी बयान में परविंदर सिंह ने कहा कि देश में पहले से ही पेट्रोल, डीजल और दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे समय में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए जाने से मजदूरों, किसानों, निम्न आय वर्ग और मध्यम वर्गीय परिवारों की परेशानियां और बढ़ जाएंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में विफल रही है, जबकि लोगों की आय और रोजगार के अवसरों में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो पाई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि रसोई गैस आज हर परिवार की बुनियादी आवश्यकता बन चुकी है। ऐसे में इसकी कीमत में वृद्धि का सीधा असर घरों के मासिक बजट पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सीमित आय वाले परिवारों के लिए घरेलू खर्चों का प्रबंधन करना और कठिन हो जाएगा। विशेष रूप से महिलाओं को रसोई का बजट संभालने में अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। परविंदर सिंह ने केंद्र सरकार से एलपीजी सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमत को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस और व्यावहारिक कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आम लोगों को राहत देने की होनी चाहिए, न कि उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की।

एक नजर

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, बोलेरो पिकअप ने तीन की ली जान

बोकारो : बीते रात दर्दनाक हादसे में बोलेरो पिकअप की जबरदस्त रफ्तार ने एक शादी समारोह को मातम में बदल दिया। कैलूजारा गांव के किशोर बेसरा के घर आयोजित बारात में अनियंत्रित बोलेरो (नंबर जेएच 2 बीडी 5775) आंगन में घुस आई, जिससे छह लोग रौंद गए। हादसे में मौके पर ही तीन की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान मूर्ति देवी (उम्र अनिवार्यता 35), दशमी देवी (33) तथा तीन साल की मासूम अलीना कुमारी के रूप में की गई है। सभी मृतक बोकारो जिले के पेक नारायणपुर थाना अंतर्गत कोशी गांव निवासी बताए जा रहे हैं। ये सभी शाम करीब 4 बजे शादी में शामिल होने गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नरकी की ओर से आ रही बोलेरो अत्यंत तेज और लापरवाह गति से चल रही थी। चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क से हटकर सीधे बारात के आंगन में जा घुसा। वाहन ने आंगन में बैठे लोगों को रौंदते हुए आगे दीवार से टकरा दिया। मूर्ति देवी, दशमी देवी और मासूम अलीना वाहन के नीचे आकर वहीं दम तोड़ गए। हादसे में राकेश किस्कू, कान्ति देवी व उषा देवी गंभीर रूप से घायल हुए। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए बोकारो रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद मृतक मोहन किस्कू ने विष्णुगढ़ थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर बोलेरो के चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और घटना स्थल का मुआयना किया जा रहा है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार वाहन चलाने वाले की तेज रफ्तार व लापरवाही घटना का प्रमुख कारण मानी जा रही है; हालाँकि सटीक वजहों का खुलासा आगे की जांच में होगा।

वंदे भारत डिपो हादसा में टेक्नीशियन की मौत के बाद रेलवे स्टेशन पर धरना

जमशेदपुर : टाटानगर रेलवे स्टेशन स्थित वंदे भारत एक्सप्रेस डिपो में करंट लगने से गंभीर रूप से झुलसे टेक्नीशियन आशीष मांझी की मौत के बाद रविवार को परिजनों और स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। आशीष की मौत की खबर मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग रेलवे स्टेशन पहुंचे और मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी एवं दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। परसुडीह निवासी आशीष मांझी 30 मई की रात वंदे भारत ट्रेन की एसी प्रणाली की मरम्मत के दौरान हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गए थे। गंभीर रूप से झुलसने के बाद उन्हें टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया था, जहां कई दिनों तक इलाज के बाद शनिवार शाम उनकी मौत हो गई। आशीष की मौत के बाद रविवार सुबह परिजन टाटानगर जीआरपी थाना भी पहुंचे और हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। परिजनों ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोप लगाया कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने मामले में शामिल सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की। इस बीच,आशीष की ठेका कंपनी अमित इंजीनियर्स ने पहले ही रेल थाना, आरपीएफ और स्थानीय थाना को भेजे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि उचित इलेक्ट्रिकल आइसोलेशन और पावर शटडाउन सुनिश्चित किए बिना कर्मचारी को ट्रेन की छत पर काम करने भेजा गया था। कंपनी ने वंदे भारत इंचार्ज संजीत सिंह,एई संदीप राव,जेई संजू मिंज और फाल्गुनी राव सहित संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहुंचे बोकारो, मौसी की स्मृति में कराया पौधरोपण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को निजी शोक आयोजनों के लिए बोकारो पहुंचे। वे सेक्टर-4 सिटी सेंटर स्थित अपने दिवंगत बड़ी मौसी शोभा रानी लाल के आवास पर पहुंचे, जहाँ उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित की और मौसी की याद में पौधा लगाया। दिवंगत की प्रतिमा के सामने पहुंचते ही नितिन नवीन भावुक दिखाई दिए। परिवार और मौजूद लोगों के साथ करीब आधे घंटे तक वे सदभावना व्यक्त करते हुए बैठते रहे और मौसी से जुड़ी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि मौसी का स्नेह हमेशा उन्हें मां जैसा महसूस कराता था। कई बार उनके चेहरे पर मुस्कान आई और कुछ ही क्षणों में आंखें नम भी हो गईं। श्रद्धांजलि के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नितिन नवीन को फोन आया, जिसमें प्रधानमंत्री ने शोभा रानी लाल के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। परिवार ने कहा कि प्रधानमंत्री के फोन ने इस दुख की घड़ी में उन्हें सांत्वना दी। नितिन नवीन ने ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के तहत मौसी की स्मृति में आवास के निकट ही पौधा रोपा और कहा कि इंसान चले जा सकते हैं पर उनकी यादें, संस्कार और प्रेम सदैव जीवित रहते हैं। पौधा रोपने के समय उनकी भावुकता साफ नजर आई और इस दौरान कई परिवारजन भाव-विभोर हो उठे। श्रद्धांजलि सभा में चित्रांश समाज के लोग बोकारो, बेरमो, धनबाद, हजारीबाग और रांची से पहुंचे। समाज के वरिष्ठों ने कहा कि नितिन नवीन का निजी शोक में स्थान पर आना रिश्तों की अहमियत की मिसाल है। उन्होंने बिना भाषण दिए और बिना राजनीतिक वक्तव्य के केवल अपने व्यवहार से संवेदनशील संदेश दिया। बोकारो स्टील प्लांट और ईएसएल स्टील लिमिटेड के कई वरिष्ठ अधिकारी भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन व ईएसएल के जनसंपर्क प्रमुख संजय सिन्हा ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। प्रिय रंजन और नितिन नवीन के बीच इस अवसर पर कुछ देर आत्मीय बातचीत भी हुई। रांची से बोकारो आगमन के दौरान पेटरवार और नया मोड़ सहित विभिन्न स्थानों पर भाजपा कार्यकताओं ने नितिन नवीन का स्वागत किया। फूल-मालाओं और नारों के बीच भी वे अपने खोए अपनों के दर्द से मुक्त नहीं दिखे और उन्होंने कार्यकर्ताओं से संक्षिप्त रूप से मुलाकात की। पार्टी कार्यकताओं ने बताया कि यह दौरा राजनीतिक नहीं, बल्कि पारिवारिक और भावनात्मक था। श्रद्धांजलि सभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, सांसद ढुलू महतो, विधायक राज सिन्हा, पूर्व सांसद रवींद्र पांडेय, पूर्व विधायक बिरंची नारायण सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। चित्रगुप्त परिवार के कई सदस्य और स्थानीय समाजसेवी भी मौजूद रहे और उन्होंने दिवंगत शोभा रानी लाल के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

अंडर-23 झारखंड कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज, 175 खिलाड़ियों ने लिया भाग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर-2ए स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर में रविवार को अंडर-23 झारखंड राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। राज्य के विभिन्न जिलों से आए करीब 175 पुरुष व महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर के चयन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मुख्य अतिथि अनुपमा सिंह एवं डिप्टी मेयर पूजा कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अनुपमा सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हैं, वहीं पूजा कुमारी ने इसे प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का बेहतर मंच बताया। बोकारो जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने स्थायी कुश्ती मैट की मांग उठाते हुए इस खेल को और सुविधाएं देने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में बबलू कुमार, संजीव कुमार झा, अजीत भगत, रामकृष्ण तिवारी, राजू कुमार, मृत्युंजय नाथ चौधरी व अभय प्रजापति सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सीईआईआर पोर्टल के इस्तेमाल से पुलिस ने बरामद किए 46 मोबाइल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शहरी थाना क्षेत्रों में लगातार मोबाइल खोने व चोरी की शिकायतों के बीच पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के निर्देश पर सीईआईआर पोर्टल का उपयोग कर तेज कार्रवाई की गई। प्राप्त निर्देश के अनुपालन में हरला, बी.एस. सिटी, सेक्टर-04, सेक्टर-12 एवं सेक्टर-06 थाना द्वारा संयुक्त रूप से कुल 46 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस उपाधीक्षक नगर राजीव रंजन के नेतृत्व में आज हरला थाना में बरामद मोबाइलों की पहचान और सत्यापन कार्य किया गया तथा सभी मोबाइल उनके वास्तविक धारकों को सूचित कर सौंपे जा रहे हैं। ब्रेकअप के मुताबिक हरला थाना ने 20 मोबाइल, सिटी थाना ने 10 मोबाइल, सेक्टर-04 थाना ने 8 मोबाइल, सेक्टर-12 थाना ने 3 मोबाइल और सेक्टर-06 थाना ने 5 मोबाइल बरामद किए। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी का मोबाइल खो जाए या चोरी हो तो तुरंत नजदीकी थाना को सूचित करें और सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर जाकर आवश्यक जानकारी भरें। अधिकारियों ने कहा कि सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज विवरण से खोया या चोरी हुआ मोबाइल खोजने में तेजी आती है और यदि खोया हुआ मोबाइल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपयोग किया जा रहा हो तो उसकी सूचना थाना व आवेदक दोनों को दी जाएगी। पुलिस अधीक्षक के निर्देशों के तहत यह अभियान अनवरत जारी रहेगा ताकि मोबाइल चोरी व गुम होने की घटनाओं पर कड़ा नियंत्रण रखा जा सके और प्रभावित लोगों को शीघ्र न्यायोचित सुविधा मिल सके।

सीसीएल के डीपी से मिले श्रमिक प्रतिनिधि कथारा क्षेत्र की समस्याओं से कराया अवगत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बेरमो : सीसीएल के निदेशक मानव संसाधन हर्षनाथ मिश्रा से एचएमएस से संबद्ध श्रमिक संगठन राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के प्रतिनिधियों ने रांची स्थित कार्यालय कक्ष में मुलाकात करने का कार्य किया। यहां संगठन के क्षेत्रीय सचिव विजय कुमार सिंह ने डीपी मिश्रा को कथारा क्षेत्र में नियमित क्षेत्रीय सलाहकार समिति, कल्याण समिति और हाऊसिंग की बैठक नही किए जाने की जानकारी दी। प्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र के निवासियों को पेयजल तक समुचित मात्रा में उपलब्ध नही हो पा रहा है। वही कामगारो के आवास में जिस प्रकार का काम किया जा रहा है। इससे कामगार विल्कुल भी संतुष्ट नही है। टेंडर की अनोखी प्रक्रिया बिना कोई अनुभव के भी किसी प्रकार का रेट डालकर काम ले लेने के कार्यप्रणाली से गुणवात्ता की कसौटी पूरी क्षीण भिन्न होने से पूरे इलाका में दुर्दशा का आलम है। डीपी मिश्रा ने श्रमिक प्रतिनिधियों को अश्वस्त किया कि गुणवत्तापूर्ण कार्य हो इसके लिए मोनेटरिंग का कार्य को अत्यधिक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिना श्रमिकों के संतुष्टि और काम को लेकर उनके हस्ताक्षर के बिना बिल को पास नही किया जाएगा। आरकेएमयू के प्रतिनिधियों ने डीपी मिश्रा को शाल ओढ़ाकर सम्मानित करने का भी कार्य किया। इस अवसर पर संगठन के क्षेत्रीय अध्यक्ष आकाश लाल सिंह, क्षेत्रीय उपाध्याय धनंजय सिंह, नागवंत प्रसाद, जेजे सांगा, गणेश राम दो, क्षेत्रीय सहायक सचिव खगेश्वर रजक, सुधीर सिंह, सतीश कुमार वर्णवाल, मो मिनाजुल आबेदिन, क्षेत्रीय सह कोषाध्यक्ष सुरेश राम महतो, अरविंद कुमार, ललन रविदास आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे।

झुमरा पहाड़ के जंगल में भालू के हमले से बुजुर्ग घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झुमरा पहाड़ के जंगल में भालू के हमले से एक बुजुर्ग व्यक्ति बद्री महतो के गंभीर रूप से घायल होने की घटना दिन रविवार को सामने आई। घटना के तुरंत बाद घायल को गोमिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें सदर अस्पताल, चास लाया गया। घायल व्यक्ति की उम्र और स्थिति को देखते हुए उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रशासन और वन विभाग इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। घायल कर्मचारी के परिवार के साथ निरंतर संपर्क में हैं। पीड़ित के इलाज का पूरा खर्च सरकार द्वारा उठाया जाएगा। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की सूचना के आदान-प्रदान के लिए कर्मचारियों के संपर्क नंबर प्रसारित कर दिए गए हैं। इसके साथ ही त्वरित प्रतिक्रिया टीम को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रखा गया है। चूंकि भालू स्वाभाविक रूप से घने जंगलों में वापस लौट जाते हैं और अब तक भालू के पागल होने की कोई खबर नहीं मिली है, इसलिए फिलहाल उसे पकड़ने के लिए कोई अभियान नहीं चलाया जा रहा है। हालांकि, यदि भविष्य में ऐसी कोई आवश्यकता महसूस होती है, तो उसे पकड़ने के उचित कदम उठाए जाएंगे। सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के ग्रामीणों को अगले कुछ दिनों तक जंगल की ओर न जाने और सतर्क रहने की चेतावनी दी गई है।

बोकारो में आप का स्वागत समारोह, संगठन विस्तार और जनआंदोलन की रणनीति पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आम आदमी पार्टी द्वारा दिन रविवार सेक्टर -8 स्थित विवाह मंडप में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नव नियुक्त जिला संयोजक धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने की। इस मौके पर नव नियुक्त पदाधिकारियों का भी कार्यकताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला संयोजक धर्मेंद्र कुमार शर्मा, जिला प्रवक्ता अरविंद विकास, मिथिलेश गिरी, विकाश सुमन, भगवान सिंह कुशवाहा, के ए पी वर्मा, माननाओवर अंसारी, राहुल कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मुख्य रूप से जिला प्रवक्ता अरविंद विकास द्वारा किया गया। अरविंद विकास ने कहा कि बोकारो जिला कमेटी का पुनर्गठन किया गया है, जिसके तहत धर्मेंद्र कुमार शर्मा को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके नेतृत्व में बोकारो जिला सर्वांगीण विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। अपने संबोधन में जिला संयोजक धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी आम जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर खुलकर संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि बोकारो जिला में जनता की समस्याओं को लेकर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के निदेर्शानुसार शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत समस्याओं को लेकर बोकारो जिला में जनआंदोलन चलाया जाएगा। पार्टी आम जनता की समस्याओं को लेकर सड़क से लेकर प्रशासनिक स्तर तक संघर्ष करने के लिए तैयार है। शर्मा ने आगे कहा कि झारखंड, विशेषकर बोकारो जिला में नए सदस्यों को जोड़ने के लिए शीघ्र ही एक विशेष सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। वार्ड स्तर पर नए कार्यकताओं को जोड़ने हेतु एक मोबाइल नंबर भी जारी किया जाएगा, जिसके माध्यम से इच्छुक लोग सीधे आम आदमी पार्टी से जुड़ सकेंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले पंचायत चुनाव को लेकर पार्टी ने अभी से तैयारी प्रारंभ कर दी है। बोकारो जिला की प्रत्येक पंचायत, नगर एवं परिषद स्तर पर मजबूत टीमों का गठन किया जाएगा, ताकि स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति दी जा सके। साथ ही शीघ्र ही कोर कमेटी का गठन, चास नगर निगम प्रभारी की नियुक्ति एवं महिला संयोजक की घोषणा भी की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

भाकपा (माले) का मिलन समारोह संपन्न

बोकारो : भाकपा (माले) लिबरेशन, बोकारो जिला कमेटी के तत्वावधान में रविवार को सेक्टर-8/बी, स्ट्रीट-27, बोकारो स्टील सिटी में मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्देश्य कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं आम नागरिकों के साथ संवाद स्थापित कर क्षेत्र के विकास के मुद्दों पर विचार-विमर्श करना है। कार्यक्रम में निरसा के विधायक कामरेड अरुण चटर्जी मुख्य रूप से उपस्थित हुए आयोजन की जिम्मेदारी भाकपा (माले) के सक्रिय नेता कामरेड राजू दुबे द्वारा निभाई गई पार्टी की ओर से जारी आमंत्रण में जिले के कार्यकर्ताओं, समर्थकों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा आम नागरिकों से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हुए पार्टी नेताओं ने कहा कि यह मिलन समारोह संगठन को मजबूत बनाने तथा धनबाद-बोकारो क्षेत्र के समग्र विकास के लिए साझा संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। मौके पर जयंत सिंह, दिलीप तिवारी, देवदीप सिंह दिवाकर मौजूद रहे।

जगदेव बाबू के आदर्शों पर ही समतामूलक समाज की स्थापना संभव अशोक कुमार

बोकारो : समाजिक समन्वय समिति बोकारो द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी-शहीद जगदेव बाबू के विचार और हमारा बहुसंख्यक समाज का आयोजन कुशवाहा भवन चास में किया गया। इस संगोष्ठी का उदधाटन सभा अध्यक्ष अधिवक्ता अशोक कुमार महतो, ललन आनंदकर, राम सागर दास, अवधेश कुमार सिंह, सुरेश बैठा, कुंवर सिंह कुशवाहा, रेणु प्रसाद, रामाश्रय प्रसाद, अधिवक्ता रविन्द्र प्रसाद सिंह आदि लोगों ने भारत लेनिन अमर शहीद जगदेव बाबू के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित और माल्यार्पण कर किया। इस संगोष्ठी के वक्ताओं ने जगदेव बाबू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा करते हुए उनके नारों और संदेशों का समाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव पर प्रकाश डाला। जगदेव बाबू के नारे -दो बातें हैं मोटी मोटी, सबको इज्जत सबको रोटी के माध्यम से जगदेव बाबू ने समाजिक विषमता को उजागर किया तो सौ में नब्बे शोषित हैं, नब्बे भाग हमारा है के नारे के माध्यम से अपनी राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी की बात कही। भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव को मिटाने के लिए मानववाद की क्या पहचान, ब्रह्मण भंगी एक समान की वकालत किया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता संजय शान, मनोज कुमार, ए पी वर्मा, आर पी सिंहा, अधिवक्ता विरेन्द्र प्रसाद, अधिवक्ता धनजीत चौधरी, राम गहन सिंह, श्रीचंद प्रसाद, देव कुमार, रामाशंकर, सरयु प्रसाद, मीना बागी, रामजी रजक, सुखदेव रजक, लाल बाबु यादव, के ए पी वर्मा आदि लोगों ने संबोधित किया। इस अवसर पर समाजिक कार्यों में विशेष योगदान देने के लिए कई लोगों को शहीद जगदेव बाबू सम्मान से सम्मानित किया गया। सभा का संचालन सुनील गांधी और ललन आनंदकर ने किया। संगोष्ठी को सफल बनाने में सुनील प्रसाद, धर्मेंद्र पटेल, अरविंद कुमार मेहता, अरुण कुमार सिंह, सिद्धार्थ, अखिलेश कुमार सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह, यशवंत सिंह आदि लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

झारखंड महिला मोर्चा की बैठक संपन्न

बोकारो : रविवार को श्री साई पब्लिक स्कूल, चास, वार्ड नं.-29 में चास नगर अध्यक्ष प्रमोद तापडिया के अध्यक्षता में चास नगर एवं बोकारो महानगर झारखंड महिला मोर्चा का बैठक किया गया। इस बैठक में बोकारो महानगर समिति के उपाध्यक्ष संजय केजरीवाल उपस्थित हुए। बैठक में बुथ कमेटी गठन में महिला शक्ति की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जोर दिया गया। बैठक का संचालन चास नगर सचिव भागीरथ शर्मा ने किया तथा बैठक में चास नगर के विभिन्न वार्डो से तथा बोकारो महानगर से सैकड़ों की संख्या में आई हुई महिला समिति के सदस्यों ने बी एल ओ और बूथ कमिटी कमिटी में जुड़ने हेतु अपना आवेदन दिया। इस बैठक में मुख्य रूप से प्रदिप सिन्हा,अनिता देवी, मनु सिन्हा, टोप्पु देवु, गीता देवी, सबिता देवी, गोरी कुमारी, प्रतिभा देवी, राधिका देवी, विशाखा देवी, मरीज देवी, निरु बारला, किरण देवी, मीना देवी,पारवती देवी, रेखा देवी, रवि वाला, रमा कुमारी, कुसूम देवी, प्रिया अग्रवाल, फुलवा देवी, इत्यादि सैकड़ों महिला उपस्थित हुए।

लोधी समाज ने सामुदायिक भवन के लिए विधायक सरयू राय से लगाई गुहार

जमशेदपुर : अखिल भारतीय लोधी क्षत्रिय महासभा ने समाज के सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के संचालन के लिए एक सामुदायिक भवन उपलब्ध कराने की मांग उठाई है। इस संबंध में रविवार को महासभा के संस्थापक राजकुमार सिंह लोधी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय को मांगपत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को बताया कि लोधी समाज लंबे समय से विभिन्न सामाजिक,सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। इसके बावजूद समाज के पास अपना कोई सामुदायिक भवन नहीं है, जिसके कारण बैठकों, सामाजिक आयोजनों और अन्य कार्यक्रमों के संचालन में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। महासभा ने मांग की कि जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के किसी उपयुक्त स्थान पर समाज को एक सामुदायिक भवन उपलब्ध कराया जाए,ताकि समाज के लोग संगठित होकर सामाजिक दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकें और विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन सुचारू रूप से कर सकें। मांगपत्र प्राप्त करने के बाद विधायक सरयू राय ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और उनकी मांग पर सकारात्मक एवं गंभीरतापूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। इससे समाज के लोगों में उम्मीद जगी है कि उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग जल्द पूरी हो सकेगी।

संक्षिप्त डायरी

9 साल तक चला केस, फिर छेड़छाड़ और लूटकांड के सभी आरोपी हुए बरी

पटना (एजेंसी) करीब नौ साल पुराने मारपीट, छेड़छाड़ और लूट के चर्चित मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है. सालों चली सुनवाई के बाद न्यायालय ने साक्ष्यों और गवाहों के अभाव में सभी आरोपितों को बाइज्जत बरी कर दिया. शेरघाटी प्रखंड से गयाजी के शेरघाटी से खबर सामने आई है. जहां करीब नौ साल पुराने मारपीट, छेड़छाड़ और लूट के चर्चित मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है. सालों चली सुनवाई के बाद न्यायालय ने साक्ष्यों और गवाहों के अभाव में सभी आरोपितों को बाइज्जत बरी कर दिया. फैसले के बाद आरोपित पक्ष को बड़ी राहत मिली है. 2017 में दर्ज हुआ था मामला मामला गयाजी के बाराचट्टी थाना क्षेत्र के काहूदाग गांव का है. जानकारी के अनुसार 22 जनवरी 2017 को गांव निवासी रंजीत प्रसाद ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कुछ लोगों ने घर में घुसकर मारपीट की. एक महिला के साथ छेड़छाड़ की और दुकान से तीन हजार रुपये लूट लिए. पुलिस जांच के बाद कोर्ट पहुंचा था मामला एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच की और आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया. इसके बाद शेरघाटी व्यवहार न्यायालय में इस मामले की सुनवाई शुरू हुई, जो वर्षों तक चलती रही. मामले को लेकर इलाके में भी काफी चर्चा रही थी. इन लोगों पर लगे थे गंभीर आरोप मामले में काहूदाग गांव के रघुवंशी यादव, गुड्डु यादव, रामप्रवेश यादव, राकेश यादव और पुन यादव को आरोपी बनाया गया था. सभी के खिलाफ मारपीट, छेड़छाड़ और लूट जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे. गवाह और साक्ष्य नहीं मिले तो पलट गया पूरा मामला सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य और मजबूत गवाह प्रस्तुत नहीं कर सका. अदालत ने उपलब्ध दस्तावेजों और गवाहों का परीक्षण करने के बाद पाया कि आरोप संदेह से परे साबित नहीं हो सके. अदालत ने दिया बाइज्जत बरी करने का आदेश शेरघाटी व्यवहार न्यायालय की एसीजेएम-2 प्रीति कुमारी की अदालत ने साक्ष्य के अभाव में सभी आरोपितों को संदेह का लाभ देते हुए बाइज्जत बरी कर दिया. बचाव पक्ष के अधिवक्ता सुनील दत्त ने बताया कि न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों की कमी को देखते हुए यह फैसला सुनाया है. करीब नौ साल तक चले इस मामले के समाप्त होने के बाद आरोपित पक्ष ने राहत मिली. अदालत के फैसले के बाद पूरे मामले को लेकर एक बार फिर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है.

बिहार के इन 27 जिलों में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट, IMD ने बताया 7 से 9 जून तक कैसा रहेगा मौसम

पटना (एजेंसी) बिहार में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है. 27 जिलों में 7 से 9 जून तक बारिश, तेज हवा और आकाशीय बिजली को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है. वहीं राज्य के कुछ हिस्सों में अब भी भीषण गर्मी का असर बना हुआ है. बिहार में मौसम लगातार करवट बदल रहा है. राज्य के 27 जिलों में 7 से 9 जून तक बारिश और तेज हवा को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि कई इलाकों में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं. इसके साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है. एक तरफ बारिश, दूसरी तरफ भीषण गर्मी राज्य में इन दिनों मौसम का दोहरा रूप देखने को मिल रहा है. कुछ जिलों में बारिश लोगों को राहत दे रही है, जबकि कई इलाकों में गर्मी का सितम अब भी जारी है. पिछले 24 घंटों के दौरान रोहतास जिले के डेहरी में सबसे अधिक 43.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. बक्सर, कैमूर, छपरा और पटना समेत कई जिलों में तापमान सामान्य से ऊपर रहा. बिजली गिरने से चार लोगों की मौत मौसम की मार जानलेवा भी साबित हो रही है. पिछले 24 घंटे में आकाशीय बिजली गिरने से जमुई, मुंगेर, बांका और बक्सर में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई. प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है. क्यों दिख रहा है मौसम का अलग-अलग रूप? मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बिहार के सभी हिस्सों में मौसम एक जैसा नहीं है. उत्तर और पूर्वी बिहार में बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवाएं पहुंच रही हैं. इससे बादल बन रहे हैं और बारिश हो रही है. वहीं दक्षिण-पश्चिम बिहार के कुछ जिलों में अभी भी गर्म और शुष्क हवाओं का प्रभाव बना हुआ है. यही वजह है कि किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और दरभंगा जैसे इलाकों में बारिश हो रही है, जबकि रोहतास, कैमूर और बक्सर में गर्मी का असर बरकरार है. पटना में भी बदल सकता है मौसम पटना में शनिवार को कई इलाकों में मध्यम बारिश दर्ज की गई. इससे लोगों को उमस और गर्मी से कुछ राहत मिली. मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी शहर में बादल छाए रह सकते हैं. हल्की बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है. तापमान में भी थोड़ी गिरावट आ सकती है, जिससे मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना रहेगा. मानसून की दस्तक के लिए बन रहा माहौल मौसम विभाग का कहना है कि यह बारिश प्री-मानसून गतिविधियों का हिस्सा है. बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी मिलने के कारण बादल बन रहे हैं और कई जिलों में बारिश हो रही है. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले दिनों में बिहार में मानसून की प्रगति के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार हो सकती हैं. लोगों को क्या सावधानी बरतनी चाहिए? मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है. तेज हवा और बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए खुले मैदानों में जाने से बचने को कहा गया है. पेड़ों, बिजली के खंभों और खुले स्थानों से दूर रहने की भी अपील की गई है.

गयाजी के मगध मेडिकल अस्पताल में इमरजेंसी सेवा दूसरे दिन भी ठप, गेट पर जड़ा ताला

पटना (एजेंसी) मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में दूसरे दिन भी इमरजेंसी सेवा पूरी तरह ठप रही और मुख्य गेट पर ताला जड़ा रहा. इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को बिना उपचार के वापस लौटना पड़ा. गयाजी से जितेंद्र मिश्रा की रिपोर्ट गयाजी के सबसे बड़े अस्पताल (अनुग्रह मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल) में जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन का असर लगातार दूसरे दिन भी देखने को मिला. इमरजेंसी सेवा पूरी तरह ठप रही और मुख्य गेट पर ताला जड़ा रहा. इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को बिना उपचार के वापस लौटना पड़ा, जबकि गंभीर मरीजों को दूसरे अस्पतालों का रुख करना पड़ा. दो दिनों में 200 से अधिक मरीज प्रभावित होने की बात सामने आ रही है. इमरजेंसी गेट पर ताला लगाकर धरने पर बैठे जूनियर डॉक्टर अस्पताल परिसर में जूनियर डॉक्टर इमरजेंसी रजिस्ट्रेशन काउंटर के पास बैनर लगाकर धरने पर बैठे हैं. आंदोलनरत डॉक्टरों ने इमरजेंसी सेवा पूरी तरह बंद कर दी है और किसी भी अधिकारी की बात सुनने को तैयार नहीं हैं. उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा. मरीजों की बढ़ी परेशानी इमरजेंसी सेवा बंद होने के कारण अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. अस्पताल सूत्रों के मुताबिक पिछले दो दिनों में 200 से अधिक इमरजेंसी मरीजों को अन्य अस्पतालों में जाकर इलाज कराना पड़ा है. वहीं पहले से भर्ती कई मरीज भी अस्पताल छोड़ने लगे हैं. रविवार होने से नहीं दिखी प्रशासनिक सक्रियता रविवार होने के कारण अस्पताल प्रशासन और अधिकारियों की ओर से इमरजेंसी सेवा बहाल कराने के लिए अपेक्षित प्रयास नहीं दिखे. मरीजों और उनके परिजनों में इस स्थिति को लेकर नाराजगी भी देखने को मिली. अस्पताल अधीक्षक बोले- डॉक्टरों को मनाने की कोशिश जारी अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने बताया कि शनिवार देर रात तक जूनियर डॉक्टरों को समझाने और आंदोलन समाप्त कराने की कोशिश की गई, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकल सका. उन्होंने कहा कि जल्द ही वैकल्पिक प्रयास कर इमरजेंसी सेवा को फिर से शुरू कराने की कोशिश की जाएगी.

बिहार में खेलों का कायाकल्प: अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, नई नीतियां और नौकरियों की बौछार

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार ने खेलों के विकास को नई रफ्तार देने के लिए बड़े फैसले लिए हैं. राज्य में ओलंपिक स्तर की सुविधाएं, नए स्टेडियम और ह्यमेडल लाओ, नौकरी पाओह्व योजना को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है. बिहार सरकार ने राज्य में खेलों के विकास के लिए बड़े और महत्वाकांक्षी फैसले लिए हैं. अब खिलाड़ियों को ओलंपिक स्तर की सुविधाएं देने की दिशा में तेजी से काम किया जाएगा. सरकार का फोकस बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरण और मजबूत खेल ढांचे पर है. राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि ह्यमेडल लाओ, नौकरी पाओह्व योजना को और प्रभावी बनाया जाएगा. इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सीधे रोजगार से जोड़ना है. इससे खिलाड़ियों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा बढ़ेगी. खेल इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार प्रखंड स्तर पर बन रहे आउटडोर स्टेडियमों को तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं. इन स्टेडियमों के संचालन और रखरखाव के लिए पीपीपी मॉडल अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है. इसके अलावा जिला स्तर पर खेल भवन-सह-व्यायामशालाओं का निर्माण भी तेज किया गया है. उच्चस्तरीय बैठक में हुई समीक्षा मुख्यमंत्री स्तर पर हुई समीक्षा बैठक में खेल विभाग की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक में निर्देश दिया गया कि खिलाड़ियों को समय पर हर जरूरी सुविधा मिले, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें. पंचायत स्तर पर बढ़ेगा खेलों का दायरा सरकार ने पंचायत स्तर पर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है. हर पंचायत में नियमित खेल उत्सव और प्रतियोगिताओं के आयोजन की बात कही गई है. इससे ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा. मंत्री स्तर पर विकास योजनाओं पर जोर सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में खेलों के लिए मजबूत आधार तैयार किया जा रहा है. आने वाले समय में राज्य खेल क्षेत्र में नई पहचान बनाएगा. वहीं श्रेयसी सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर तैयार किए जा रहे हैं और लक्ष्य अधिक से अधिक पदक जीतना है. खेल विश्वविद्यालय और नए कोर्स राजगीर स्थित खेल विश्वविद्यालय में नए और रोजगारपरक कोर्स शुरू करने की योजना पर भी काम चल रहा है. इसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और खिलाड़ियों को बेहतर करियर विकल्प देना है. बड़े स्टेडियम और लक्ष्य राज्य की 8053 पंचायतों में से 5266 में खेल मैदानों का निर्माण पूरा हो चुका है. शेष कार्य जल्द पूरा करने का लक्ष्य है. पटना के डुमरी खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनाया जाएगा. वहीं राजगीर क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण 31 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. सरकार का अंतिम लक्ष्य बिहार को खेलों के क्षेत्र में मजबूत केंद्र बनाना है. यहां से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हों और राज्य का नाम रोशन करें.

गयाजी में सरकारी टीचर की निर्मम हत्या, पैर बांध कर रेलवे ट्रैक पर फेंका

पटना (एजेंसी) गया जिले में एक सरकारी शिक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. बेलागंज और चाकंद रेलवे स्टेशन के बीच मिले शव के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. बेलागंज से अजीत कुमार की रिपोर्ट बिहार में अपराधिक घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है. बेखौफ अपराधी एक के बाद एक बड़ी घटना को अंजाम दे रहे हैं. ताजा मामला गयाजी के बेलागंज का है. जहां बेखौफ अपराधियों ने सरकारी टीचर की हत्या शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया है. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. रेलवे ट्रैक पर मिला शिक्षक का शव जानकारी के अनुसार बेलागंज और चाकंद रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और देर रात करीब दो बजे शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. सरकारी स्कूल में शिक्षक थे मृतक मृतक की पहचान बुनियादगंज थाना क्षेत्र के अलीपुर गांव निवासी 36 वर्षीय मोहम्मद खैरूउद्दीन के रूप में हुई है. बताया गया कि वह सरकारी स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे. वर्तमान में वह नगर निगम वार्ड संख्या 48 के पठान टोली स्थित प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को शिक्षा दे रहे थे. पैर गमछे से बंधा मिलापुलिस के अनुसार शव मिलने के दौरान मृतक के दोनों पैर गमछे से बंधे हुए थे. इस स्थिति ने हत्या की आशंका को और मजबूत कर दिया है. प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है. फिलहाल शिक्षक की हत्या किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं, इसका खुलासा नहीं हो सका है. जांच में जुटी पुलिस पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा घटनास्थल के आसपास के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं. बेलागंज पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

बिहार में महंगाई का नया झटका, घरेलू गैस सिलेंडर 29 रुपये महंगा

पटना (एजेंसी) पटना में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 29 रुपये बढ़ गई है. 14.2 किलोग्राम गैस सिलेंडर अब 1,011 रुपये की जगह 1,040 रुपये में मिलेगा. नई दरें 7 जून 2026 से लागू हो गई हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा. ढंश्ल्लं ठीę२: आम लोगों की रसोई का बजट एक बार फिर बिगड़ गया है. इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है. नई दरों के लागू होते ही उपभोक्ताओं को अब हर सिलेंडर पर अधिक खर्च करना पड़ेगा. रसोई सिलेंडर के लिए चुकाने होंगे ज्यादा पैसे आईओसीएल द्वारा जारी नई दरों के अनुसार 14.2 किलोग्राम घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की वृद्धि की गई है. इससे आम उपभोक्ताओं की मासिक रसोई लागत में अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है. पटना में 1,040 रुपये पहुंची घरेलू सिलेंडर की कीमत पटना के ज्योति कलश इंडेन वितरक क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 1,011 रुपये से बढ़कर 1,040 रुपये हो गई है. नई कीमतों के बाद उपभोक्ताओं को अब प्रति सिलेंडर 29 रुपये अधिक भुगतान करना होगा. आज से लागू हुई नई दरें, उपभोक्ताओं पर सीधा असर गैस सिलेंडर की संशोधित कीमतें 7 जून 2026 से प्रभावी हो गई हैं. नई दरें लागू होते ही उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमत पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है. छोटे सिलेंडर की कीमत भी तय, जानिए नया रेट आईओसीएल ने 5 किलोग्राम घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 386 रुपये निर्धारित की है. नई दरों के बाद छोटे और बड़े दोनों श्रेणी के उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई लागत का सामना करना पड़ेगा. लगातार बढ़ती महंगाई से आम लोगों की चिंता बढ़ी घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई इस बढ़ोतरी ने आम परिवारों की चिंता बढ़ा दी है. पहले से बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस महंगी होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की संभावना है.

'ये नटवरलाल है, साजिश करता है ', खान सर के चाचा ने उनपर लगाए कई गंभीर आरोप

पटना (एजेंसी) फायरिंग केस में घिरे खान सर की मुश्किलें अब परिवार के भीतर से भी बढ़ती दिख रही हैं. उनके चाचा इमरान अहमद और निसार अहमद ने उन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कई विवादित दावे किए हैं. जिससे मामला और ज्यादा तूल पकड़ता जा रहा है. खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग के संस्थापक खान सर फायरिंग मामले को लेकर पहले से ही कानूनी मुश्किलों में घिरे हैं. अब उनके परिवार के कुछ सदस्यों ने भी उनके खिलाफ गंभीर बयान दिए हैं, जिससे मामला और बढ़ गया है. उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले उनके चाचा निसार अहमद ने खान सर की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि खान सर के पास कोई विशेष शैक्षणिक डिग्री नहीं है. निसार अहमद के अनुसार, उनकी डिग्रियां संदिग्ध हैं और वे केवल अपनी बोलने की शैली के कारण लोकप्रिय हुए हैं. चाचा इमरान अहमद का बड़ा बयान इसी मामले में देवरिया के भाटपाररानी निवासी और खान सर के चाचा इमरान अहमद ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने खान सर को अत्यधिक महत्वाकांक्षी व्यक्ति बताया. साथ ही उन्हें नटवरलाल जैसी छवि वाला व्यक्ति कहा. इमरान अहमद ने यह भी दावा किया कि खान सर अपने विरोधियों को फंसाने की कोशिश करते हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में रौशन आनंद को फंसाने के पीछे भी एक साजिश हो सकती है. उनका कहना है कि खान सर छात्रों के बीच भ्रम फैलाते हैं और पढ़ाई के दौरान कई बार राजनीतिक बातें भी शामिल करते हैं. शिक्षा माफिया और धोखाधड़ी के आरोप चाचा इमरान ने आगे कहा कि खान सर ह्यशिक्षा माफियाह्व की तरह काम कर रहे हैं. उनके अनुसार, ऑनलाइन और ऑफलाइन क्लास के जरिए छात्रों को गुमराह किया जा रहा है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संस्थान में प्रचार और दावों में पारदर्शिता नहीं है. उन्होंने यहां तक कहा कि खान सर खुद को जरूरत से ज्यादा बड़ा दिखाते हैं और छात्रों की वास्तविक जानकारी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है. फायर सेफ्टी जांच में खामियां बिहार फायर सर्विस की जांच में भी कोचिंग संस्थान को लेकर सवाल उठे हैं. उक्क्ृमनोज नट के अनुसार, संस्थान में फायर सेफ्टी से जुड़ी कई कमियां पाई गई हैं. उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर 15 दिनों के अंदर सभी खामियां दूर नहीं की गईं तो कोचिंग सेंटर को सील किया जा सकता है

मीठापुर-चिरैयाटांड़ फ्लाईओवर पर आया बड़ा अपडेट, इस महीने तक होगा तैयार, पटना को जाम से मिलेगी राहत

पटना (एजेंसी) पटना में ट्रैफिक जाम से जल्द बड़ी राहत मिलने वाली है. मीठापुर-चिरैयाटांड़ फ्लाईओवर दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है. इस परियोजना से करबिगहिया और आसपास के इलाकों में आवाजाही काफी आसान हो जाएगी. : पटना में जाम की समस्या से जल्द राहत मिलने वाली है. मीठापुर-चिरैयाटांड़ फ्लाईओवर इस साल दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है. इसके बाद करबिगहिया और आसपास के इलाकों में यातायात काफी सुगम हो जाएगा. इस फ्लाईओवर के शुरू होने से आर ब्लॉक, जीपीओ गोलंबर, मीठापुर, करबिगहिया और कंकड़बाग तक आने-जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी. सचिव ने किया स्थल निरीक्षण शनिवार को पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया. उन्होंने तकनीकी टीम और अभियंताओं के साथ पूरे प्रोजेक्ट की समीक्षा की. सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्य में किसी भी तरह की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. सुरक्षा मानकों पर जोर निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने को कहा. साथ ही तय समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश भी दिए. फ्लाईओवर के दोनों तरफ सर्विस लेन और एप्रोच रोड का भी बारीकी से जायजा लिया गया. 1730 मीटर लंबी परियोजना यह फ्लाईओवर लगभग 1730 मीटर लंबा है. इसकी अनुमानित लागत करीब 292.74 करोड़ रुपये है. फिलहाल नींव का काम पूरा हो चुका है. सब-स्ट्रक्चर और सुपर-स्ट्रक्चर का लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो गया है. दिसंबर 2026 तक पूरा होगा पूरा प्रोजेक्ट पहले चरण में जीपीओ गोलंबर से पुराने बस स्टैंड तक जुलाई तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. पूरे प्रोजेक्ट को दिसंबर 2026 तक पूरा करने की योजना है. करबिगहिया जाम से मिलेगी राहत इस फ्लाईओवर के बनने से करबिगहिया स्टेशन के आसपास लगने वाले भारी जाम से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी. वाहनों को शहर के अंदरूनी रास्तों से नहीं गुजरना पड़ेगा, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी. शहर की ट्रैफिक व्यवस्था होगी बेहतर फ्लाईओवर मीठापुर गोलंबर को सीधे एनएच-30 बाईपास से जोड़ेगा. इससे बाहरी और अंतर-शहरी वाहनों को तेज और आसान रास्ता मिलेगा. इस परियोजना से पटना की ट्रैफिक व्यवस्था आधुनिक और जाममुक्त बनने की ओर बढ़ेगी.

अरुण योगीराज बनाएंगे बिहार के इस मंदिर में 18 फीट ऊंचे नंदी भगवान, अयोध्या में कर चुके हैं रामलला की दिव्य प्रतिमा का निर्माण

पटना (एजेंसी) विराट रामायण मंदिर में भव्यता का एक और अध्याय जुड़ने जा रहा है. यहां 18 फीट ऊंची नंदी प्रतिमा का निर्माण प्रसिद्ध शिल्पकार अरुण योगीराज करेंगे. इससे पहले मंदिर परिसर में 33 फीट ऊंचा विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग स्थापित किया जा चुका है. बिहार के विराट रामायण मंदिर में एक और भव्य धार्मिक निर्माण जुड़ने जा रहा है. यहां पहले ही विश्व का सबसे बड़ा 33 फीट ऊंचा शिवलिंग स्थापित किया जा चुका है. अब उसी परिसर में 18 फीट ऊंचे नंदी भगवान की प्रतिमा स्थापित की जाएगी. यह प्रतिमा देश के प्रसिद्ध शिल्पकार अरुण योगीराज तैयार करेंगे.

अरुण योगीराज को मिली बड़ी जिम्मेदारी प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज ने इस परियोजना के लिए अपनी सहमति दे दी है. श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने बताया कि योगीराज का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना मंदिर निर्माण के लिए एक बड़ी उपलब्धि है. उन्होंने कहा कि नंदी भगवान की यह विशाल प्रतिमा मंदिर की भव्यता को और बढ़ाएगी. अरुण योगिराज ने सायण कुणाल के साथ महावीर मंदिर, पटना में किया दर्शन 18 महीने में पूरा होगा निर्माण कार्य मंदिर प्रशासन के अनुसार, 18 फीट ऊंची नंदी प्रतिमा को तैयार करने में करीब 18 महीने का समय लगेगा. निर्माण कार्य के दौरान जिस स्थान पर नंदी की स्थापना होनी है, वहां का काम रोक दिया जाएगा. हालांकि मंदिर परिसर के अन्य हिस्सों में निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के जारी रहेगा. मंदिर स्थल का दौरा कर चुके हैं योगीराज अरुण योगीराज ने हाल ही में विराट रामायण मंदिर परियोजना स्थल का दौरा भी किया. उन्होंने पूरे प्रोजेक्ट की रूपरेखा और डिजाइन को करीब से देखा. इस दौरान उन्होंने कहा कि इस भव्य धार्मिक परियोजना का हिस्सा बनना उनके लिए ऐतिहासिक और गर्व की बात है. उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर में शिल्पकला और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा. देश के प्रमुख शिल्पकारों में शामिल अरुण योगीराज देश के जाने-माने शिल्पकारों में से एक हैं. उन्होंने अयोध्या में रामलला की दिव्य प्रतिमा का निर्माण किया है, जो पूरे देश में चर्चा का विषय रही. इसके अलावा उन्होंने नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर स्थापित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा भी तैयार की है. उनकी कलाकृतियां अपनी बारीकी और आध्यात्मिक भावनाओं के लिए जानी जाती हैं. 120 एकड़ में बन रहा भव्य धार्मिक परिसर विराट रामायण मंदिर पद्मश्री आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है. यह मंदिर श्री महावीर स्थान न्यास समिति द्वारा बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के जानकीनगर (कैथवलिया) में लगभग 120 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है.

कराटे में दरभंगा के लाल ने रचा इतिहास, नेशनल चैंपियन बन बढ़ाया बिहार का मान

पटना (एजेंसी) देहरादून में आयोजित नेशनल कराटे चैंपियनशिप में दरभंगा के 17 वर्षीय प्रेयांश ने जूनियर पुरुष कुमिते में हरियाणा को 8-0 से हराकर जीता स्वर्ण पदक. मोहित को मिला रजत, कोच मुकेश मिश्रा की देखरेख में रचा इतिहास. जानिए खबर विस्तार सेङ्क उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित सब-जूनियर, कैडेट एवं जूनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2026 में बिहार के जांबाज खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया है. दरभंगा जिले के उभरते कराटे स्टार प्रेयांश ने रिंग में अपने आक्रामक खेल और बेहतरीन मूव्स की बदौलत राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर पूरे सूबे का मान बढ़ाया है. वहीं, दरभंगा के ही एक और प्रतिभावान खिलाड़ी मोहित कुमार ने सब-जूनियर वर्ग में रजत पदक पर से कब्जा जमाकर जिले को दोहरा गौरव दिलाया है. इस ऐतिहासिक कामयाबी के बाद पूरे बिहार के खेल प्रेमियों में जश्न का माहौल है. पूरे टूनामेंट में रहा दबदबा देहरादून में 3 जून से 7 जून 2026 तक चली इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के कोने-कोने से आए चुनिंदा और दिग्गज खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था. जूनियर पुरुष कुमिते (-76 किलोग्राम) भार वर्ग में बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रेयांश ने शुरूआत से ही पूरे टूनामेंट में दबदबा बनाए रखा. फाइनल में एकतरफा जीत से बने चैंपियन फाइनल मुकाबले में प्रेयांश ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने हरियाणा के खिलाड़ी को 8-0 से एकतरफा हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। पूरे मुकाबले के दौरान उनकी तेजी, सटीक तकनीक और आत्मविश्वास देखने लायक था। उनके शानदार प्रदर्शन की स्टेडियम में मौजूद खेल विशेषज्ञों ने भी जमकर सराहना की।. अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी चमक चुका है दरभंगा का लाल महज 17 वर्ष की अल्पायु में ही प्रेयांश बिहार के सबसे होनहार और पेशेवर कराटे खिलाड़ियों में शुमार हो चुके हैं. उनका यह सफर उनकी कड़ाई से की गई निरंतर मेहनत और पक्के संकल्प की जीती-जागती मिसाल हैः जून 2026ः अब देहरादून की धरती पर देश के सभी राज्यों के खिलाड़ियों को मात देकर स्वर्ण पदक जीता और अपने करियर में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया. आपको बता दें कि प्रेयांश की प्रतिभा सिर्फ देश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें इसी वर्ष फिलीपींस में आयोजित प्रतिष्ठित में भारतीय कराटे टीम की ओर से देश का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त हो चुका है. विश्व कराटे महासंघ द्वारा आयोजित इस वैश्विक प्रतियोगिता से उन्हें जो अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिला, उसका पूरा फायदा उन्होंने इस नेशनल चैंपियनशिप में उठाया. स्कूल गेम्स में भी दिखा चुके हैं दम दरभंगा के लिए दूसरी सबसे बड़ी और सुखद खबर सब-जूनियर वर्ग से आई. यहाँ जिले के नन्हे कराटे खिलाड़ी मोहित कुमार ने 12 वर्ष आयु वर्ग के -40 किलोग्राम कुमिते स्पर्धा में देश के बेहतरीन फाइटर्स को मात देते हुए देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया और रजत पदक अपने नाम किया. मोहित इससे पहले वर्ष 2024 में लुधियाना (पंजाब) में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय स्कूल गेम्स कराटे चैंपियनशिप (अंडर-14) में भी बिहार टीम की ओर से खेलते हुए राष्ट्रीय फलक पर अपनी छाप छोड़ चुके हैं. अंतरराष्ट्रीय स्तर के कोच के कुशल मार्गदर्शन का दिखा जलवा इन दोनों होनहार खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक और गौरवमयी सफलता के पीछे उनके मुख्य कोच मुकेश मिश्रा की बरसों की कड़ी मेहनत, कड़ा अनुशासन और कुशल रणनीतिक मार्गदर्शन है.

अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।

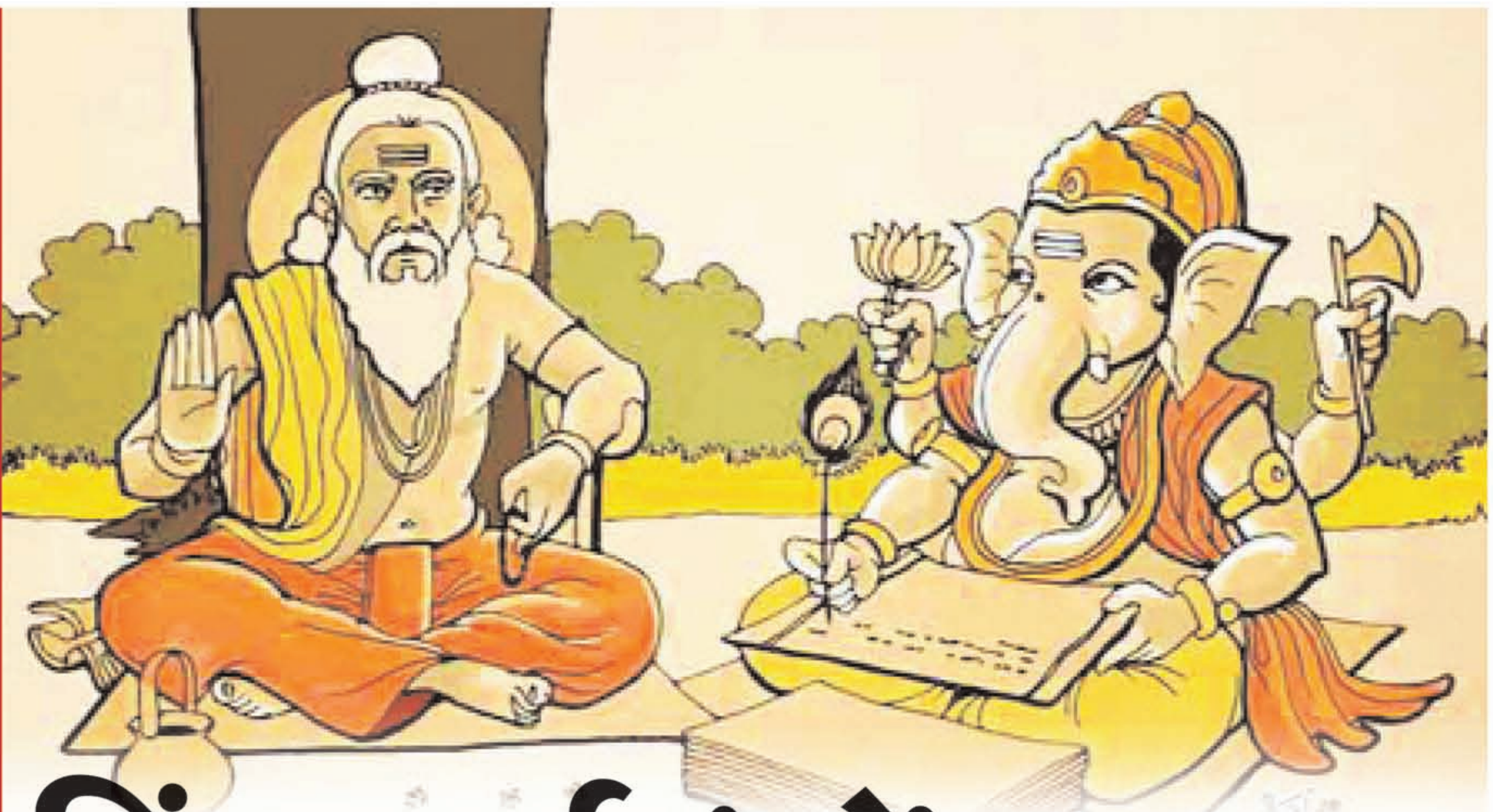

हिंदू धर्मग्रंथों का सार

जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है- श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख?या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

वेदों में क्या है?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति-रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गंधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमशः चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

ऋग्वेद : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

यजुर्वेद : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रम्हांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं- शुक्ल और कृष्ण।

सामवेद : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

अथर्ववेद : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी-बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

उपनिषद क्या है?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे- 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10. बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है?

गीता में क्या है?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अतः वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार-बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है।

श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार :

ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्मलीन।

ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतीयों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वतः ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धूरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्मा की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह-नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं- एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग-अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही हैं।

स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलतः 2 तरह की गतियां होती हैं- 1.अगति और 2.गति।

1.अगति : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

2.गति : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं- 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4. दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुनः पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों-सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट-कीड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार- गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं- 1. ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं- अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति-विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति-विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णतः अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख?ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्त हेतु ही

निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह-नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग-अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग-अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं- मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम्‌ और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ?कारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम्‌, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है- गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म-कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म-कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे- 1.व्रत, 2. सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता-पिता, फिर बहन-बेटी, फिर भाई-बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आति को अन्न-जल देना- ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं- 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3. निकृष्?टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश ?यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण ?य भी है।

यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं- ब्रहमयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न-जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है। अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णण यजुर्वेद में मिलता है।

मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा-पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं- 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3. कीर्तन और 4.पूजा-आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन है इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग-अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द-गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावडी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलतः अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता-पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं।

यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपस्तिमा कहते हैं। अलग-अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न-भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं- 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4. योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि वह इस प्रारुप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। यह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सही होने जैसा था।

आईपीएल 2026 के अपने प्रदर्शन को लेकर हुए, वैभव ने माना है कि व्यक्तिगत सफलता के बावजूद कुछ निराशा भी थी। उन्होंने कहा, अगर अंतिम मैच में हम जल्दी विकेट नहीं खोते तो हम आईपीएल 2026 का फाइनल खेल रहे होते। अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के भविष्य के लिए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम अधिक से अधिक बार ट्रॉफी जीतना चाहेंगे।साथ ही कहा कि उन्हें लाल गेंद क्रिकेट से भी प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे लाल गेंदब वाला क्रिकेट खेलना है क्योंकि मैं इसे पसंद करता हूं। मेरा सपना तीनों प्रारुपों में खेलना है। वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने को लेकर उत्साहित होने के साथ ही आत्मविश्वास से भरे दिखे।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है: एमएसके प्रसाद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और -इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, ÷वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता।

दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है। इससे साफ है कि चयनसमिति की भविष्य की योजनाओं में सूर्यकुमार शामिल नहीं हैं। इसका एक कारण उनका अनकी बढ़ती उम्र को भी माना जा रहा है।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

-बीसीसीआई चाहता है कि अभी एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान दें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों का हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है।

चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारुपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है।

गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरुरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन की कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता ही है, न कि प्रदर्शन।

इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारुप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

भारत के पहली पारी के 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान ने 113 रनों पर ही पांच विकेट गंवाये

– राहुल के बाद शुभमन ने भी लगाया शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। शुभमन गिल और केवल राहुल के शानदार शतकों और ऋषभ पंत के अर्धशतक की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी आठ विकेट पर 564 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहले पारी में पांच विकेट पर केवल 113 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय रहमत शाह 41 रनों पर खेल रहे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

इस प्रकार अफगान टीम भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 451 रनों से पीछे हैं। भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गेंदबाज मानव सुथार ने केवल 21 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए।

इससे पहले आज पूरे दिन भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज हावी रहे। भारत ने 368/3 से आगे खेलना शुरु किया।

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 126 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 100 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन की तरह ही भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरे दिन भी जमकर रन बनाये। पहले दिन जहां केएल राहुल ने शतक लगाय था, वहीं दूसरे दिन कप्तान शुभमन ने कप्तानी पारी खेलकर 126 रन बनकार स्कोर आगे बढ़ाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे साई सुदर्शन ने भी 81 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

दूसरे दिन आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ ने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। इसके अलावा मानव सुथार ने दो छक्के लगाकर 28 रन बनाये। वहीं जबकि मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 12 गेंदों में 22 रन बना दिये। कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारतीय टीम ने 564 रन का विशाल स्कोर बनाया।

वहीं अफगान टीम की ओर से सलीम सफी ने 140 रन देकर सबसे अधिक छह विकेट लिए। सफी ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं हशमतुल्लह शाहिदी ने एक विकेट लिया।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरेू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है। उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। रोहित ने स्पष्ट किया कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है और अपने आसपास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और अय्यर के पास ये सभी खूबियां मौजूद हैं।

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी मिलने से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रेयस अय्यर

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये जाने से श्रेयस अय्यर बेहद खुश है। श्रेयस ने कहा कि वह कप्तानी दिये जाने से सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समितिन ने शनिवार को हुई बैठक में सूर्यकुमार यादव की जगह पर अय्यर को नय कप्तान घोषित कर दिया था। कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से अय्यर ने कहा कि उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की ओर से खेल रहे श्रेयस ने कहा कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है और इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। अय्यर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे कहा कि उन्होंने उसी दिन अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए और जीत दिलाई। इससे राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने से पहले उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है।

जब उनसे उन प्रशंसकों के लिए कोई संदेश देने को कहा गया जिन्होंने वर्षों से उनका समर्थन किया है, तो श्रेयस ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रशंसकों से अपार प्यार मिला है। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसक बहुत पसंद हैं – जिस तरह से उन्होंने मेरा समर्थन किया है और इतने सालों में अपना योगदान दिया है। मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, और मैं उन पर अपना प्यार और सम्मान बरसाना चाहता हूं। उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, कप्तानी में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आधिकारिक घोषणा के बाद, निवर्तमान कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी।। सूर्यकुमार ने इस घटनाक्रम को मुंबई क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण भी बताया।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए। हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर: बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है।

आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स को जीत दिलायी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है1 शमी ने इस लीग में सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए शमी ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। उनके इस असाधारण प्रदर्शन से सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने श्राची राढ़ टाइगर्स को 24 रनों से हरा दिया। शमी ने लगातार तीन विकेट लेकरउनक प्रदर्शन, फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने तेजी से खेलते हुए 20 ओवरों में केवल 4 विकेट के नुकसान पर 208 रन बना दिये। युवा बल्लेबाज विशाल भाटी ने केवल 46 गेंदों में 86 रन बना दिये। उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे, जिसने। भाटी के अलावा करण लाल ने 39 रनों की पारी खेली। वहीं प्रमोद चंदीला ने केवल 16 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 200 रनों के ऊपर पहुंचाय। शमी ने दो गेंदों पर 8 रन बनाये। इसके बाद 209 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स ने भी आक्रामक शुरुआत की। उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाये। शुभम डे ने 25 गेंदों पर 48 रन जबकि राहुल प्रसाद ने भी 26 गेंदों में 44 रन बना दिय। टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी तभी लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से उनकी लय बिगड़ गयी। टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में विफल रही और यही जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छ रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, 'श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है।' ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बॉल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शॉट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों।

भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई:मानव सुथार

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्लें में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, 'क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।' सुथार ने कहा, 'मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूं।'

मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूं।'

मानव ने कहा, 'लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।' सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक

और छह अर्धशतक दर्ज हैं।'

मानव ने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ ढ्ढक्क में पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में जगह बनाकर अच्छा लग रहा है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं।'

एक नजर

अंबिकापुर में 'संडे ऑन साइकिल' रैली में उमड़ा जनसैलाब

अंबिकापुर: विश्व साइकिल दिवस के विशेष अवसर पर सरगुजा जिला प्रशासन और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में रविवार को शहर में 'संडे ऑन साइकिल' रैली का शानदार आयोजन किया गया। स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और फिट जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निकली इस रैली में गजब का उत्साह देखने को मिला। स्कूली बच्चों और खिलाड़ियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों सहित 300 से अधिक साइकिलिस्ट सुबह-सुबह सड़कों पर पैडल मारते नजर आए। इस भव्य साइकिल रैली को नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, एमआईसी सदस्य शशिकांत जायसवाल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने घड़ी चौक पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली घड़ी चौक से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों महामाया चौक, गुरुनानक चौक, लरंगसाय चौक और गांधी चौक से होते हुए वापस घड़ी चौक पर आकर संपन्न हुई। रैली का आकर्षण तब और बढ़ गया जब कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों ने खुद भी साइकिल चलाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और खेलकूद को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इस दौरान वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि साइकिलिंग न केवल पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने में मददगार है, बल्कि यह शरीर को निरोग और चुस्त-दुरुस्त रखने का भी सबसे बेहतरीन माध्यम है।
इस आयोजन को सफल बनाने में शहर के प्रशासनिक अमले और प्रबुद्ध नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली के दौरान सड़कों पर सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यातायात प्रभारी और उनकी टीम मुस्तैद रही, जिससे साइकिल चालकों को सुरक्षित मार्ग मिला। कार्यक्रम का सफल संचालन राकेश मिश्रा एवं सुनीता दास द्वारा किया गया, जबकि समापन पर सहायक संचालक (खेल एवं युवा कल्याण) रामकुमार सिंह ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगी विभागों का आभार व्यक्त किया।

मंत्री इंद्राज ने 18 करोड़ की विकास परियोजना का किया शिलान्यास

नयी दिल्ली: दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने रविवार को प्रकाश विहार शाहबाद एक्सटेंशन-II में 18 करोड़ रुपये की लागत से गली एवं नाले के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। यह कार्य मुख्यमंत्री विकास निधि के अंतर्गत सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग कर रहा है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री इंद्राज सिंह ने कहा कि बवाना विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से विकास कार्य न होने के कारण अनेक मूलभूत समस्याएं उत्पन्न हो गई थीं। वर्तमान सरकार इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि पूर्व में समय पर विकास कार्य किए गए होते तो आज बवाना क्षेत्र की तस्वीर अलग होती। अब सरकार संकल्प के साथ कार्य कर रही है और बवाना के एक-एक क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि बवाना विधानसभा का कोई भी हिस्सा विकास से अछूता नहीं रहेगा तथा क्षेत्र को आधुनिक, विकसित एवं सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

विकसित भारत में समाज की होगी बड़ी भूमिका : ओम बिरला

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि भारत आज दुनिया में अवसरों की सबसे बड़ी भूमि के रूप में उभर रहा है। विशाल बाजार, युवा शक्ति और नवाचार की अपार संभावनाओं के बल पर देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठन, उद्योग जगत, व्यापारी समुदाय और युवा उद्यमी सामूहिक प्रयासों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समाज आगे बढ़ेगा तो देश भी आगे बढ़ेगा।
बिरला आज माहेश्वरी इंटरनेशनल बिजनेस फाउंडेशन आयोजित 'माहेश्वरी और विकसित भारत-2047' कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस जेके माहेश्वरी, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष संतोष कुमार लोहाटी, एमआईबीएफ के संस्थापक अध्यक्ष प्रशांत माहेश्वरी, दीपक माहेश्वरी, उद्योगपति आनंद राठी, पूर्व सांसद श्याम जाजू सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष का सम्मान किया गया तथा प्रकाश पांडे द्वारा लिखित कोठारी बंधुओं पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश के विकास में माहेश्वरी समाज की गौरवशाली विरासत, इतिहास और योगदान महत्वपूर्ण रहा है। समाज ने व्यापार, उद्योग, सेवा और सामाजिक कार्यों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। समाज की प्रतिष्ठा से ही व्यक्ति की प्रतिष्ठा बढ़ती है और समाज के संस्कार ही व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।
उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य केवल सरकारों के प्रयासों से पूरा नहीं होगा, बल्कि विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं और उद्यमियों के सामूहिक योगदान से इसे साकार किया जा सकेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को एक मंच पर लाकर विचार-विमर्श, सहयोग और समन्वय के माध्यम से नई संभावनाओं का निर्माण किया जा सकता है। बिरला ने कहा कि आज भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक है और यहां व्यापार, उद्योग, स्टार्टअप, सेवा क्षेत्र तथा नवाचार के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोग केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य भी करते हैं। माहेश्वरी समाज के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समाज ने देश के विभिन्न हिस्सों में कठिन परिस्थितियों में भी व्यापार और सेवा के माध्यम से विश्वास कायम किया है। पूर्वोत्तर सहित देश के दूरदराज क्षेत्रों में समाज के लोगों ने आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए हैं।
लोकसभा अध्यक्ष ने महात्मा गांधी के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में उद्योग जगत की भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के शासनकाल में भी बिरला, टाटा और बजाज जैसे उद्योगपति परिवारों ने देश की आजादी के संघर्ष में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान दिया था। भारतीय उद्योग जगत ने हमेशा राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है और संकट के समय देश के साथ खड़ा रहा है। बिरला ने कहा कि यदि आने वाली पीढ़ियों को समाज, संस्कृति और सेवा के मूल्यों से नहीं जोड़ा गया तो गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाना कठिन होगा।

भाजपा सरकार में मंहगाई हुई बेलगाम : अखिलेश यादव

एजेंसी

लखनऊ : समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में मंहगाई बेलगाम हो गयी। भाजपा निर्मित मंहगाई से जनता त्रस्त है। घरेलू गैस सिलेण्डर की कीमत 29 रुपए बढ़ाकर भाजपा सरकार ने जनता को मंहगाई का एक और डोज दे दिया है।
सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि आम जनता मंहगाई से कराह रही है। पिछले तीन महीने में घरेलू गैस सिलेण्डर 89 रुपए मंहगा हो गया है। वहीं कामर्शियल सिलेण्डर की कीमत हजार रुपए से ज्यादा बढ़ चुकी है। डीजल, पेट्रोल की कीमते लगातार बढ़ रही है। भाजपा सरकार को गरीबों, मध्यम वर्गों और आम जनता की कोई चिंता नहीं, भाजपा सिर्फ अपने पूंजीपति मित्रों के मुनाफा और लाभ बढ़ाने की तिकड़म में जुटी रहती है। भाजपा की नीतियां गरीब विरोधी और पूंजीपरस्त हैं। भाजपा पूंजीपतियों के लिए काम करती है। अखिलेश यादव ने कहा कि मंहगाई कम करने के भाजपा के बड़े-बड़े वादों की हकीकत सामने आ गयी है। भाजपा से हर वर्ग की आस टूट गयी है। प्रदेश सरकार बिजली की कीमत बढ़ाती है। स्मार्ट मीटर लगाकर बिल बढ़ाकर लूट करती हैं, तो दिल्ली की सरकार डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस के दाम अन्य चीजों के दाम बढ़ाकर जनता की जेब काट रही है और अपनी तिजोरी भर रही है। डीजल, पेट्रोल की कीमतें बढ़ने से परिवहन से लेकर खाना-पीना सब महंगा हो गया।

बढ़ती एलपीजी कीमतों पर खरगे का केंद्र सरकार पर हमला

एजेंसी

नयी दिल्ली : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों ने आम लोगों, खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक परेशानियों को बढ़ा दिया है। महंगाई के कारण घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है और आम उपभोक्ताओं की रसोई का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दावे का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद में पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसी परिस्थितियों के बावजूद 41 देशों से ईंधन आपूर्ति के विविधीकरण की बात कही थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि यदि सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति के इतने व्यापक विकल्प विकसित कर लिए हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की उपलब्धता और उपभोग को लेकर समस्याएं क्यों बनी हुई हैं। खरगे ने दावा किया कि पिछले चार महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 89 रुपये की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में लगातार इजाफा परिवारों के मासिक खर्च को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है और इसका सबसे अधिक असर निम्न एवं मध्यम आय वर्ग पर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उल्लेख करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में योजना के 5.56 करोड़ लाभार्थी परिवारों ने केवल एक या उससे कम बार गैस सिलेंडर रिफिल कराया। उन्होंने दावा किया कि इनमें से लगभग 3.30 करोड़ परिवार ऐसे हैं जिन्होंने एक भी सिलेंडर रिफिल नहीं कराया। उनके अनुसार यह स्थिति दशार्ती है कि बढ़ती कीमतों के कारण बड़ी संख्या में गरीब परिवार एलपीजी का नियमित उपयोग करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से जवाब मांगते हुए कहा कि क्या यह स्थिति गैस की लगातार बढ़ती कीमतों और मौजूदा नीतियों का परिणाम नहीं है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में असफल रही है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

किसी का अहित न करना ही सबसे बड़ी निरोगता : डॉ. इन्द्रेश

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इन्द्रेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि किसी का अहित न करना ही सबसे बड़ी निरोगता है और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वस्थ विचारों का होना अनिवार्य है।
डॉ. इन्द्रेश कुमार ने यह बात दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में शुक्रवार को स्वस्थ, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन के सूत्रों को समाहित करने वाली पुस्तक "निरोगता के सूत्र - गुरबाणी एवं श्रीमद्भगवद्गीता के आलोक में" के लोकार्पण के दौरान कही।
पुस्तक के लेखक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कर्मठ स्वयंसेवक डॉ. शाम लाल कठपालिया के जीवन, व्यक्तित्व एवं चिंतन को स्मरण करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन भारतीय संस्कृति, सेवा, स्वास्थ्य, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों का जीवंत उदाहरण रहा है।
मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. इन्द्रेश कुमार ने कहा, " अहित करने के लिए व्यक्ति को अपने भीतर ईर्ष्या, क्रोध और नकारात्मक भावों को स्थान देना पड़ता है, जो अंततः तन और मन दोनों को अस्वस्थ बनाते हैं।
उन्होंने डॉ. शाम लाल कठपालिया के साथ बिताए अपने अनेक संस्मरण साझा किए तथा पुस्तक की विषयवस्तु को वर्तमान समय के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में दधीचि देह दान समिति के संस्थापक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने कहा कि "स्व" का वास्तविक अर्थ ईश्वर है और मनुष्य का लक्ष्य अपने भीतर स्थित उस दिव्यता को पहचानना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां "स्व" है, वहीं वास्तविक स्वास्थ्य और निरोगता है। उन्होंने पुस्तक को भारतीय जीवन-दर्शन और स्वास्थ्य चेतना का महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया।
आध्यात्मिक गुरु बाबा भूपिंदर सिंह पटियाला ने डॉ. शाम लाल कठपालिया के साथ अपने आत्मीय संबंधों को याद करते हुए कहा कि उनके पास ऐसा आध्यात्मिक और वैचारिक खजाना है, जिसे पूरे विश्व तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक मनुष्य अपने भीतर नहीं झांकता, तब तक वास्तविक निरोगता प्राप्त नहीं कर सकता। डॉ. शाम लाल कठपालिया की पुत्री गीता कठपालिया आहूजा ने कहा कि आज की भाग-दौड़ और तनावपूर्ण जीवन में यह पुस्तक लोगों को अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों के अनुरूप जीवन जीने की प्रेरणा देगी। कार्यक्रम की सफलता में उनके समर्पण, समन्वय एवं अथक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसकी उपस्थित अतिथियों ने मुक्तकंठ से सराहना की।

नंदपुरी सड़क सीमा से आज हटाए जाएंगे धार्मिक स्थल

जयपुर : नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी डेढ़ किमी लंबी सड़क की सीमा में आ रहे पांच धार्मिक स्थलों को जेडीए सोमवार को हटाएगा। इनमें एक मस्जिद, दो मंदिर, एक सत्संग भवन और एक मजार शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था न बिगड़े, इसके लिए शहर में तीन हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी अलग-अलग स्थानों पर तैनात रहेंगे। जेडीए की मांग पर डीजी लॉ एंड ऑर्डर के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट को आरएसी की 12 कंपनियां दी गई हैं। इसके अलावा जयपुर, कोटा और भरतपुर रेंज से भी अतिरिक्त जाब्ता बुलाया गया है। कमिश्नरेट की करीब एक हजार अतिरिक्त पुलिस फोर्स भी तैनात रहेगी। परकोटे सहित शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस और आरएसी की मौजूदगी रहेगी, ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत नियंत्रण किया जा सके।

नशा मुक्त समाज ही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र की मजबूत नींव : शिवराज सिंह

एजेंसी

विदिशा : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए गांव-गांव में समितियों का गठन किया जाएगा और व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज ही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र की मजबूत नींव होता है, इसलिए इस अभियान को समाज के हर वर्ग का सहयोग मिलना आवश्यक है।
केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान रविवार को विदिशा के मेडिकल कॉलेज में निशुल्क कैंसर जांच शिविर के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हम सब मिलकर नशे के खिलाफ ऐसी सामाजिक शक्ति खड़ी करेंगे, जो आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दे सके। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि इच्छुक लोग 8929629475 पर मिस्ड कॉल देकर या फिर www.shivrajsinghchouhan.co.in वेबसाइट पर जाकर 'Ask Shivraj' कैटेगरी में अपना पंजीयन करा सकते हैं। दरअसल, विदिशा मेडिकल कॉलेज में केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान की पहल पर यह दो दिवसीय निशुल्क कैंसर जांच शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विदिशा संसदीय क्षेत्र सहित दूसरे जिलों के मरीजों की भी कैंसर जांच की गई। उन्होंने कहा कि यह सेवा का महायज्ञ लगातार आगे बढ़ रहा है और जांच के दौरान बड़ी संख्या में कैंसर के संदिग्ध मामलों का सामने आना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि केवल जांच और परामर्श तक यह अभियान सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रत्येक मरीज के उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान टाटा मेमोरियल अस्पताल और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भी मौजूद रही।

संक्षिप्त खबरें

अन्नामलाई के जाने से भाजपा पर नहीं पड़ेगा कोई असर कमल ही पार्टी का असली चेहरा : तमिलिसाई सौंदरराजन

चेन्नई : तमिलनाडु की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई के पार्टी छोड़कर नया राजनीतिक संगठन शुरू करने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। इस बीच प्रदेश भाजपा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तमिलिसाई सौंदरराजन ने पार्टी के भीतर भ्रम और अस्थिरता की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा किसी एक नेता के भरोसे नहीं चलती, बल्कि उसकी ताकत उसकी विचारधारा, संगठन और समर्पित कार्यकताओं में निहित है। तमिलिसाई सौंदरराजन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा का वास्तविक चेहरा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि उसका चुनाव चिह्न 'कमल' है। उन्होंने कहा कि पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए किसी वैकल्पिक चेहरे की आवश्यकता कभी नहीं पड़ी और भविष्य में भी नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा, "भारतीय जनता पार्टी का एकमात्र चेहरा कमल का चेहरा है। किसी अन्य चेहरे को दिखाकर भाजपा के लिए वैकल्पिक शक्ति खोजने की आवश्यकता हमें कभी नहीं पड़ी और न ही पड़ेगी। इस बात को लेकर मैं पूरी तरह आश्वस्त हूं। "उन्होंने यह भी कहा कि जो व्यक्ति पार्टी छोड़कर चला गया है, उसे भाजपा की ओर से न तो कोई विशेष समर्थन मिलेगा और न ही शुभकामनाएं। भाजपा के भीतर कथित अस्थिरता और भ्रम की चचाओं को विपक्ष की राजनीतिक रणनीति बताते हुए तमिलिसाई ने कांग्रेस और विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कई राजनीतिक घटनाक्रमों के बावजूद भाजपा मजबूती से खड़ी है और यही बात विपक्षी दलों को परेशान कर रही है। उनके अनुसार, कांग्रेस नेता माणिकम टैगोर और वीसीके के नेता वन्नियारसु भाजपा को कमजोर दिखाने के लिए तरह-तरह की कहानियां गढ़ रहे हैं, लेकिन पार्टी इन आरोपों और अटकलों की कोई परवाह नहीं करती। जब पत्रकारों ने पूछा कि कार्यकताओं के बीच लोकप्रिय रहे अन्नामलाई ने भाजपा क्यों छोड़ी, तो तमिलिसाई ने कहा कि इसका जवाब स्वयं अन्नामलाई ही दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह धारणा बना चुके हैं कि अन्नामलाई के कारण ही भाजपा मजबूत हुई थी, जबकि वास्तविकता इससे अलग है। उन्होंने कहा, "अन्नामलाई के आने से भाजपा मजबूत नहीं हुई थी और उनके जाने से भी भाजपा कमजोर नहीं होगी। यह पार्टी पहले भी मजबूत थी और आज भी मजबूत है। भाजपा की शक्ति किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं करती।"

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार में ई-जागृति को रजत सम्मान

नयी दिल्ली : केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के विभाग के डिजिटल मंच 'ई-जागृति' को उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली में डिजिटल बदलाव और सरकारी प्रक्रियाओं को सरल व तेज बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग की ओर से राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2026 में रजत सम्मान प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार 'प्रौद्योगिकी के उपयोग से सरकारी प्रक्रियाओं के पुनर्गठन और डिजिटल परिवर्तन' श्रेणी में दिया गया है। 341 नामांकनों के बीच हुए मूल्यांकन के बाद ई-जागृति का चयन किया गया। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने रविवार को बताया कि 01 जनवरी 2025 को शुरू किए गए ई-जागृति मंच ने उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली को डिजिटल, पारदर्शी और अधिक सुलभ बनाया है। इस मंच के जरिए अब तक 2.29 लाख से अधिक उपभोक्ता मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 2.07 लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है। मंच की कुल निपटान दर 90.75 प्रतिशत रही है। मंत्रालय के अनुसार, ई-जागृति ने ओसीएमएस, ई-दाखिल, एनसीडीआरसी सीएमएस और कन्फोनेट जैसी चार पुरानी प्रणालियों को एकीकृत कर एआई-सक्षम और पूर्णतः पेपरलेस मंच उपलब्ध कराया है। वर्तमान में इस पर 4.15 लाख से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उपभोक्ता आयोगों में 1.65 लाख से अधिक मामले दर्ज हुए, जबकि 1.52 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया गया। इस अवधि में निपटान दर बढ़कर 92.30 प्रतिशत हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 89.47 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि वर्चुअल सुनवाई व्यवस्था में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 30,683 मामलों का संचालन किया गया, जबकि 87,083 सुनवाई ऑनलाइन हुईं। वर्चुअल माध्यम से 4,941 मामलों का निपटारा किया गया। ई-जागृति मंच के माध्यम से उपभोक्ता देश और विदेश से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं, दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं, मामले की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और वर्चुअल सुनवाई में भाग ले सकते हैं। मंच पर बहुभाषी सुविधा, एआई चैटबॉट, वॉयस-टू-टेक्स्ट, ऑनलाइन भुगतान, एसएमएस और ई-मेल अलर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। मंत्रालय के अनुसार, अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए भी यह मंच उपयोगी साबित हुआ है। अब तक 3,312 एनआरआई उपयोगकर्ता पंजीकृत हुए हैं और 751 शिकायतें दर्ज की गई हैं। इनमें से 61 मामलों का निपटारा किया जा चुका है।

मध्य प्रदेश की जल संरक्षण की पहल को मिली अंतरराष्ट्रीय सराहना

भोपाल: जल ही जीवन है और इस जीवनदायी संपदा को सहेजने की दिशा में मध्य प्रदेश समूचे विश्व के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन रहा है। मध्य प्रदेश की जल संरक्षण की पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिल है। विदेशी राजनयिकों ने जल संरक्षण के मध्य प्रदेश मॉडल को न केवल सराहा है। दरअसल, भोपाल के भारत भवन में गत दिनों आयोजित सात दिवसीय 'सदानीरा समागम' ने जल संरक्षण को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस भव्य आयोजन में साइप्रस, फिजी, मेक्सिको, नेपाल, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और इक्वाडोर के राजनयिकों ने न केवल सहभागिता की, बल्कि जल प्रबंधन के इस 'मध्य प्रदेश मॉडल' को आज की सबसे बड़ी वैश्विक जरूरत बताते हुए इसे अपने देशों में भी लागू करने की इच्छा जताई है। जल आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते प्रदेश के ये कदम वैश्विक पटल पर एक नया इतिहास रच रहे हैं। जनसम्पर्क अधिकारी अनुराग उइके ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अभिनव पहल पर प्रदेश में शुरू किया गया 'जल गंगा संवर्धन अभियान' अब केवल एक सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि जनभागीदारी का एक सशक्त जन-आंदोलन बन चुका है। नदियों, तालाबों और पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन की इस भागीरथी कोशिश को अब अंतरराष्ट्रीय पटल पर भी अभूतपूर्व सराहना मिल रही है। सदानीरा समागम में साइप्रस के उच्चायुक्त इवागोरस वराईओनाइडेस ने कहा कि जल संकट एक गंभीर वैश्विक चुनौती है और इसके समाधान के लिए जन-जागरूकता बढ़ाना अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने वीर भारत न्यास के साथ संवाद को सार्थक बताते हुए जानकारी दी कि साइप्रस का सांस्कृतिक दल 20-21 जून 2026 को भोपाल में अपनी प्रस्तुतियां देगा। वहीं, फिजी गणराज्य के उच्चायुक्त जगन्नाथ सामी ने जलवायु परिवर्तन को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि भारत और फिजी के संबंध 1948 से अत्यंत प्रगाढ़ हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस दूरदर्शी पहल की सराहना करते हुए कहा कि दोनों देशों की भौगोलिक दूरी भले ही हो, किंतु पर्यावरण और मानव जीवन की रक्षा जैसे हमारे सरोकार पूरी तरह समान हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902